मूल्य-20

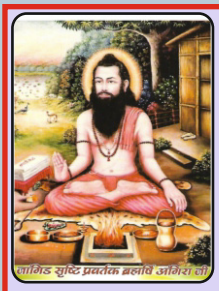

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 12, दिसम्बर-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

पं.बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं.पालाराम जी शर्मा, रायपुरखल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

पं.डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

गुरूदेव पं.जगदकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

समाज के महापुरूष

स्व.श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

महासभा भवनदानकर्त्ता, दिल्ली

(महासभा के पूर्व प्रधान पं आनंद स्वरूप भारद्वाज को)

8 दिसम्बर 2025 को उनकी 101वीं जन्म जयंती पर नमनः

महान चिंतक, समाज सुधारक, युगदृष्टा और समाज उत्थान की शिरोधार्य परिकल्पना से परिपूर्ण तथा जांगिड ब्राह्मण समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने तथा भेदभाव करने वाले , दिग्भ्रमित लोगों के कुत्सित इरादों के खिलाफ शंखनाद करने वाले, दूरगामी सोच के परिचायक और भविष्य दृष्टा, जांगिड समाज की उन महान विभूतियों और कोहिनूरो तथा प्रेरकों को मैं, महासभा की स्थापना के 27 दिसम्बर को, 118 वर्ष पूर्ण होने पर, उनके त्याग, परिश्रम, अथक साधना और उत्कट जिजीविषा को हृदय से नमनः करता हूँ, जिन्होंने महासभा रुपी वटवृक्ष लगाकर समाज की उन्नति और प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया और आज तक, महासभा के 38 प्रधानों ने इस महायज्ञ में अपनी-अपनी आहुति डालते हुए इस वटवृक्ष को सींचकर यहां तक पहुंचाया है। आज यह समाज इसकी छाया में बैठकर विशेष सुखानुभूति का अनुभव कर रहा है। इस पुनीत अवसर पर मैं, महासभा परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ और मनस्कामना करता हूँ कि आधुनिक समय में, यह समाज आपस में मिलकर, महर्षि अंगिरा के आदर्शों और भगवान विश्वकर्मा के शिल्पकला के ज्ञान को आत्मसात करते हुए विश्व में अपनी प्रतिभा का परचम लहराएगा। इसी मंगल कामना के साथ, सभी का विपुल धन्यवाद।

प्रधान,रामपाल शर्मा

SBI

AKHIL BHARTIYA JANGID BRAHMIN

SCAN & PAY

INTERIO CRAFT

MERGER OF ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AÉROPOSTALE, ARROW, LP LOUIS PHILIPPE, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, SBEAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

नडियाद में 7 दिसम्बर को महासभा की चतुर्थ बैठक और प्रदेश सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के, कैमरे में कैद विहंगम दृश्य, अवलोकनार्थ प्रस्तुत हैं।

नडियाद में 7 दिसम्बर को महासभा की चतुर्थ बैठक और प्रदेश सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के, कैमरे में कैद विहंगम दृश्य, अवलोकनार्थ प्रस्तुत हैं।

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित पंजीकृत सं. एस.-27/1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड" - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड" - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा "जांगिड" - 09814681741

सह सम्पादक-प.प्रहलाद राय शर्मा "जांगिड"- 08140229679

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. नडियाद में 7 दिसम्बर को महासभा की चतुर्थ बैठक.......
07. संपादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. तमिल नाडु और तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध..
12. गोवा और पंजाब प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित.
13. नडियाद में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार..
17. हरियाणा प्रदेश सभा के चुनाव हेतु बूथ, मतदान स्थान..
20. देश की भावी पीढ़ी बच्चों को बेहतर संस्कार देने.....
25. समाज ने अपनी प्रतिबद्धता के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय.
28. मध्य प्रदेश में सभी जिला अध्यक्षों निर्विरोध निर्वाचन.....
29. महासभा की स्थापना के 119 वें स्थापना दिवस..
31. महासभा के पूर्व प्रधान..
33. जांगिड समाज के कोहिनूर, पं. आनंद स्वरूप भारद्वाज...
38. दिल्ली प्रदेश सभा की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं...
41. राजस्थान के राज्यपाल ने, डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड को..
43. प्रवासी भारतीयों द्वारा राजस्थान में,65 हजार करोड़ रुपए,
45. सौरभ जांगिड पहले प्रयास में ही सफलता हासिल करके.
46. एक गरीब घर में पैदा हुए नीरज जांगिड, राजस्थान.......
47. अर्पित जांगिड को,भारत के उपराष्ट्रपति सीपीराधाकृष्णन
48. जींद की नेहा जांगिडने राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता....
49. आयुष शर्मा ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में शानदार जीत...
50. विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार ने भगवान श्रीराम की..
52. जसाराम सुथार गोवा प्रदेशसभा के निर्विरोध अध्यक्ष.....
53. रामकिशोर जांगिड तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बने..
55. सियाराम जांगिड दोबारा तेलंगाना प्रदेशसभा केनिर्विरोध.
56. श्री विश्वकर्मा मंन्दिर एवं धर्मशाला प्रबंध संस्था, इन्दौर..
58. शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रुपये के..
59. राजस्थान नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष.....
59.119वां महासभा स्थापना दिवस..
60. भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी..
61.30 नवम्बर को दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी.

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एंड कंपनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

मनुष्य के अन्त:करण में परिव्याप्त स्पष्टता में ही, सफलता और असफलता का मूल मंत्र छिपा हुआ है

मानव जीवन भगवान की बनाई हुई एक अद्भुत और अलौकिक कृति है, लेकिन इस जीवन के सफर में, कई महानुभाव अपना वांछित निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लेते हैं और कई, इस सफर को बीच में ही छोड़कर निराशा और उदासीनता की चादर ओढ़कर, अपने कार्य की इतिश्री समझ लेते हैं, क्योंकि ऐसे व्यक्तियों के मन पर, एक प्रकार का निरर्थक बोझ हावि हो जाता है और वह बदलते हुए इस प्रवाह के साथ नहीं चल पाता है तो, उसकी सफलता की मंजिल धुंधली और दिशा विहिन तथा भ्रमित हो जाएगी । आज एक मनुष्य की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि, वह अपने मन पर भारी बोझ रखते हुए ही, अपने संकल्प, तनाव और दबाव के साथ काम करने को ही, अपनी सफलता समझ बैठता है और वह अपने अन्तःकरण में, यह धारणा बना लेता है, कि वह जितना अधिक अथक परिश्रम और पुरुषार्थ करेगा उतना ही ज्यादा, वह अपने जीवन में सफल होगा। लेकिन वास्तव में सच्चाई इसके बिलकुल विपरीत है। यह स्वाभाविक ही है कि एक व्यक्ति के मन पर, अप्रत्याशित और अत्यधिक दबाव के कारण ही, उसके मन की शक्ति कमजोर और क्षीण हो जाती है और यह मन की शक्ति हमारे ध्यान को विकेंद्रीकृत करने के साथ ही, मन की रचनात्मक शक्तियों को भी अपने प्रभाव से कुंद बना देती है।

मानव जीवन की यह एक सामान्य सी प्रकिया है कि, जिस व्यक्ति का मन निराशा के गर्त में डूब कर भारी हो जाता है, वह उन विपरीत परिस्थितियों पर पकड़ तो करना चाहता है, लेकिन उसका मन विद्वेषपूर्ण परिस्थितियों से ग्रसित होने के कारण ही, उसकी पकड़ सहज रूप से ढीली पड़ जाती है। **लेकिन जिस समय एक मनुष्य के मन में शांति का साम्राज्य होगा तो, उससे पर्याप्त मात्रा में मानसिक ऊर्जा हासिल होने के साथ ही, उसके मन में शांति का साम्राज्य होने के कारण ही, उसमें कार्य करने की दक्षता और क्षमता कई गुणा अधिक बढ़ जाएगी।** लेकिन इसके विपरित अगर, मन पर अनावश्यक रूप से दबाव होता है तो, विचार आपस में एक दूसरे से टकराने लगते हैं और जिसका परिणाम यह होता है कि **उसका निर्णय भी अस्पष्ट होने के साथ ही उसका शरीर भी थक जाता है और ऐसी विकट परिस्थिति में, एक व्यक्ति को, हर एक कार्य एक बोझ के सामान लगने लगता है यही दिग्भ्रमित अवस्था ही एक मनुष्य को लक्ष्य से विमुख करके उसे अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य और लक्ष्य से दूर ले जाती है।**

इसी जीवन में अगर सच्ची सफलता हासिल करना चाहते हो तो, उस सफलता का आधार मानसिक दबाव नहीं है, बल्कि इससे यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, कि **जिस लक्ष्य में सफलता जितनी अधिक स्पष्ट होगी और मन और अन्त:करण शांत होगा और एकाग्रता होगी तो, मन के भीतर परिव्याप्त अनावश्यक हलचल अपने आप कम हो जाती है और शांत और सौम्य तथा सहज स्वभाव के कारण ही, उसकी सोच गहरी और पारदर्शी होती जाती है और उसके अंतर्मन में निर्णय लेने की क्षमता में भी, निरन्तर अभिवृद्धि होती ही रहती है** और ऐसे शांत अन्तःकरण के कारण ही बड़ी से बड़ी समस्या का निराकरण भी सहज रूप से ही हो जाता है और कार्य चाहे, **जितना भी कठिन हो,यदि मन शांत है, तो कठिन से कठिन कार्य भी, कभी भी बोझ नहीं लगता है और अगर मन विभिन्न प्रकार की उलझनों से भरा हुआ है तो, एक साधारण काम भी पर्वत जैसा लगने लगता है। लेकिन अगर मानसिक तनाव और दबाव नहीं है तो, सफलता हासिल करने की गति में निरंतर अभिवृद्धि होती रहती है। इसलिए सफलता के मूल में शांत मन और सहजता और विनम्रता का भी बहुत बड़ा योगदान है।**

इसीलिए कहा गया है कि, सफलता हासिल करने के लिए सभी आवश्यक विकल्पों के साथ ही, सहजता का भी अंहम योगदान होता है। **यह सहजता और सरलता व्यक्ति के अन्त:करण की वह आन्तरिक व्यवस्था है, जहां पर अन्त:करण किसी भी दबाव के बिना काम करता है।** आपने कई बार देखा होगा कि किसी भी स्पर्धा में, **सफलता हासिल करने का एक ही लक्ष्य होता है और उस सफलता को हासिल करने के लिए रास्ता तो भी वही से होकर जाता है, लेकिन उस कार्य को करने का ढ़ग अपना-अपना और अलग होता और सभी प्रतिभागी अपने लक्ष्य, और विजय को हासिल करने के लिए अपने विवेक और सद्बुद्धि का उपयोग करते हुए, उस निर्धारित लक्ष्य में सफलता हासिल करने का स्तुत्य प्रयास करते हैं।** उदाहरण के तौर पर जैसे पर्वत से जल बहता रहता है, बिना किसी शोर और उत्पात के और बिना किसी संघर्ष के, लेकिन उस बहते हुए पानी में, इतनी क्षमता होती है कि वह उन पत्थरों को भी काट देता है, जो उसके रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं और पानी उन पत्थरों को काटता हुआ अग्रिम दिशा में अपने लक्ष्य की और निरंतर ही गतिमान रहता है।, **इसीलिए कहा गया है कि जब मनुष्य पहली बार प्रयास करता है , तो उसका मन भारी होता है, लेकिन जब संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ मन और अन्त-करण ,पानी की तरह ही प्रवाह में होता है तो,मन हल्का हो जाता है** और यह सतत प्रवाह की अवस्था हासिल करने के लिए ही, सबसे पहले शांति और सहजता की अवस्था को संतुलित करना होगा और इसके साथ ही अपने मन को भी केवल निर्धारित लक्ष्य पर केन्द्रित करना होगा और इसके साथ ही भावी परिणाम की चिंता छोड़कर, केवल कर्म को ही प्रधानता देनी होगी। **जीवन में, एक साधक, जिस समय सहज और शांत भाव से निष्ठा पूर्वक काम करता है तो,उसको अपना कार्य बोझ नहीं लगता है, अपितु वह उसकी सफलता का साधन बन जाता है। इसके विपरित, जिस समय काम ही साधन नहीं अपितु साध्य बन जाता है तब चिंता ही समाप्त हो जाती है** और ऐसा दृढ संकल्पित और शांत अन्त:करण वाला बुद्धिमान व्यक्ति, अपने लक्ष्य में अवश्य ही सफलता हासिल करता है और **इसीलिए कहा गया है कि जिस समय एक व्यक्ति अपने काम को बोझ नहीं समझता है तो, वह एक साधना बन जाती है और जिस समय उसका काम ही उसकी साधना बन जाए तो, उसके जीवन का अर्थ ही बदल जाता है और उसकी सभी चिंताएं स्वयं ही समाप्त हो जाती है।** इसलिए यह जरूरी है कि इस जीवन में सफलता हासिल करने के लिए शांति, शांत स्वभाव को आत्मसात करते हुए, अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से, निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे तो सफलता अवश्य ही आपका वरण करेगी, इसमें कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है।

स्वामी रामसुखदास ने भी, इसे बड़े ही सहज और सरल तरीके से समझाया है कि, मनुष्य को दुःख देनेवाला केवल मात्र, उसका खुद का संकल्प ही है। क्योंकि मनुष्य के मन में ऐसी अवधारणा और परिकल्पना ही है और वह सोचता है कि ऐसा होना चाहिये और ऐसा नहीं होना चाहिए और जिस समय उसकी अवधारणा मूर्त रुप नहीं लेती और इच्छानुसार फल नहीं मिलता है तो इसी से दुःख पैदा होता है। इसलिए अपना कोई संकल्प रखना ही, दुःख का सबसे बड़ा कारण है। लेकिन जीवन में अगर अपना कोई भी संकल्प नहीं होगा तो, होने वाला संकल्प अपने आप ही पूरा हो जाएगा।

जैसा तुम चाहो, वैसा ही हो जाए --यह तो हमारे हाथ की बात नहीं है।

फिर अपना संकल्प करके निराशा के गर्त में डूबना कहां तक तर्क संगत है, अगर मनुष्य संकल्पों और इच्छाओं का परित्याग कर देगा, तो योगारूढ़ हो जायेगा, उसे तत्त्व की प्राप्ति हो जायेगी और वह मुक्त हो जाएगा और उसका जन्म सफल हो जाएगा और फिर मन में कोई भी परिकल्पना और संकल्प बाकी नहीं रहेगा।

इसीलिए शांत स्वभाव और शांति को आत्मसात करते हुए ही अपना कोई भी संकल्प मत रखो। **मैं तो कहता हूं कि अपना यह संकल्प भगवान पर छोड़ दो, और जिस समय आपके मन में स्पष्टता आएगी और शांतभाव और सौम्य स्वभाव रहेगा तो, सफलता निश्चित रूप से आपके भाग्य का द्वार खटखटायेगी और इसमें कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है।**

☆☆☆

सम्पादक, राम भगत शर्मा

प्रधान की कलम से ---

महासभा रुपी परिवार को, महासभा की स्थापना के 118 वर्ष पूरा होने पर हार्दिक बधाई और शुभ मंगल कामना

प्रधान,रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं महासभा रुपी परिवार को, देश के लोकतंत्र के मन्दिर की एकता और अखंडता को बनाए रखने वाले 26 नवम्बर को मनाए गए संविधान दिवस, **अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर के पर ध्वजारोहण से राम मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा होने पर सभी को अन्त:करण से हार्दिक बधाई, कौशल्या नन्दन, जीवन के आध्यात्मिकता के प्रेरणास्रोत और माधुर्य, प्रेम और कर्तव्य निष्ठा की प्रतिमूर्ति जनक नंदनी माँ वैदेही के पाणि ग्रहण संस्कार के पुनीत अवसर, विवाह पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं,** 1 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती की बधाई, देश की आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अपने प्राणों के साथ अपने बच्चों का बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर के 350 वें शहीदी दिवस और वीर बाल दिवस, 7 दिसम्बर को सशस्त्र झण्डा दिवस, महासभा के 24वें और सबसे लम्बे समय 12 वर्ष तक प्रधान रहे आनन्द स्वरूप भारद्वाज के 8 दिसम्बर को 101वीं जन्म जयंती पर उनको श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ-साथ, यूनेस्को द्वारा दीपावली को सांस्कृतिक विरासत के रूप में अधिकारिक तौर पर सम्मिलित करने पर सभी देशवासियों को बधाई। यह भारत की, यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक सूची में 16 वीं प्रविष्टि है जो देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर मजबूत करती है। इसी प्रकार 16 दिसंबर को विजय दिवस और 27 दिसम्बर को महासभा के 118 वर्ष पूरा होने पर अन्त-करण से हार्दिक बधाई और शुभ मंगल कामना के साथ ही 7 दिसंबर को गुजरात के नडियाद में आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का समर्थन करने वाले, कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के साथ-साथ, पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरवाडिया और गोवा के प्रदेश अध्यक्ष जस्सा राम आसलिया, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड और पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सीताराम बरवाडिया को उनके सफलतम कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

जैसा कि आप जानते हैं कि महासभा के कर्णधारों ने, समाज को एकता के सूत्र में बांधने के लिए और इसकी प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए महासभा रुपी वटवृक्ष लगाया था, वह आज हमें न केवल छाया दे रहा है, अपितु समाज को एकजुट करने और एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही इस लौ को महासभा के रूप में प्रज्जवलित करके इसे आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित भी कर रहा है। महासभा का गठन भी 118 साल पहले 26-27 दिसम्बर 1907 को किया गया था और इसका मूल उद्देश्य यही था कि , इस समाज की गरिमा और वैभव को कैसे बनाएं रखा जा सके और समाज का विकास कैसे होगा। यह निश्चित है कि जिस समाज के कर्णधारों के विचार उच्च कोटि के होंगे , तो समाज के हित लिए जो भी कार्य किए जाएंगे ,वह भी समाज हित के साथ ही सर्वश्रेष्ठ भी होंगे। यह तो निश्चित है कि **जो व्यक्ति, समाज हित की बात सोचते हुए, नि:स्वार्थ भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करता है और इसके साथ ही सकारात्मक और अच्छे विचारों को अपने आचरण में उतारने का कार्य करता है, वह निश्चित रूप से ही सर्वश्रेष्ठ होगा और यही श्रेष्ठ आचरण ही एक व्यक्ति को महान बनाता है।** इसीलिए मैंने महासभा के प्रधान के पद का दायित्व ग्रहण करने के बाद, हर सम्भव प्रयास किया है कि इसके कार्य में पारदर्शिता बनी रहे और महासभा के सभी कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए महासभा परिवार में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए आनलाइन योजना शुरू की गई और इस आनलाइन योजना का लाभ यह हुआ कि आप घर बैठे ही किसी भी व्यक्ति को पारदर्शी तरीके से इस महासभा रुपी परिवार में जोड़ सकते हो और अब वह लम्बी

प्रक्रिया समाप्त हो गई और उन का भी निवारण हो गया कि वह मेरे पैसे खा गया, मैंने उसको पैसे दिए थे, लेकिन न तो मुझे महासभा का सदस्य बनाया गया और न ही अध्यक्ष ने महासभा की रसीद बुक लौटाई गई। इस प्रकार से पारदर्शिता पूर्ण तरीके से काम करने से ही यह संभव हो पाया है। श्रेष्ठ कार्य करने के लिए लोगों से जो भी सुझाव और विचार मिले उन पर अमल करते हुए महासभा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ही इसे कार्यरूप में परिणित किया गया है और इन सकारात्मक विचारों ने सृजन रूप धारण कर लिया है और ऐसे अभियान में, परमात्मा का आशीर्वाद भी स्वतः प्राप्त हो जाता है।

मेरा भी आपसे यही सुझाव है कि भगवान के दिए हुए इस जीवन में, समाज हित में कुछ ऐसे भी संकल्प लें , कि वह जीवन में श्रद्धा अनुसार दान करने का संकल्प लें और सदाचारी बनकर समाज की उन्नति में सहयोगी बन सके। आपको मालूम है कि समाज ने आपको बहुत कुछ दिया है और एक विशेष पहचान दी है और अब आपका संकल्प भी, समाज को कुछ देने का होना चाहिए और इस सहायता रुप में कुछ भी दिया जा सकता है, क्योंकि एक मनुष्य की भावना ही होती है, जो सकारात्मक रूप में एक प्रकार से आपकी भावना का ही एक मूर्त रूप है। **इस अस्थाई जीवन में, जहां तक संभव हो सके समाज हित में जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए। जीवन में धन और वैभव एक ऐसी मृगतृष्णा है, जिसका कोई भी अन्त नहीं है, इसलिए जीवन में आपने कितना धन इकट्ठा किया, यह महत्वपूर्ण नहीं है अपितु, दूसरों के दुःख दर्द को दूर करने के लिए कितना परोपकार किया, यह सबसे अधिक महत्व रखता है।**

SCAN & PAY

भारतीय स्टेट बैंक

UPI ID- akhilbhartiyajangidbrahminmahasabha@sbi

मैं महासभा रुपी परिवार ही नहीं अपितु जांगिड - सुथार समाज से जुड़े हुए सभी भामाशाहों, दानदाताओं और जनसाधारण से करबद्ध विनम्रता पूर्वक अनुरोध करता हूँ कि **महासभा में शिक्षा कोष और आर्थिक रूप से कमजोर सहायता प्रकोष्ठों की स्थापना की है और जो पौधा आपके भरोसे और सहयोग से लगाया गया है , उसको फलित और पुष्पित करने के लिए आप सभी का सहयोग चाहिए और आप सभी इस महायज्ञ में अपनी यथा संभव आहूति डालते हुए, इस महायज्ञ को पूरा करने में भरपूर सहयोग करें।**

अन्त में, मैं उम्मीद करता हूँ कि महासभा रुपी परिवार आपसी सौहार्द की भावना बनाए रखते हुए, एकजुट होकर सभी को एक साथ लेकर चलना होगा, क्योंकि संगठन के आधार पर ही , कोई भी समाज आगे बढ़ सकता है। अब देश में, जातिगत जनगणना करवाने का निर्णय लिया गया है और इस पर सभी को एकजुट होकर ही सर्वसम्मति से कोई निर्णय लेना होगा , क्योंकि हम सभी मिलकर ही , इस समाज की उन महान विभूतियों के सपनों को साकार कर सकते हैं, जिन्होंने समाज को प्रतिष्ठा दिलवाने के लिए महासभा की स्थापना करके इस समाज के वैभव और गौरव को आलोकित किया।

विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

प्रदेश सभा तमिलनाडू के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे श्री रामकिशोर आसलिया निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा तमिलनाडु के **प्रदेशाध्यक्ष पद** के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2722/2025 दिनांक 20 सितम्बर 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 29 नवम्बर 2025 शनिवार को नामांकन स्थल **श्री जांगिड ब्राह्मण समाज, श्री विश्वकर्मा मंदिर, नंबर 1, गांधीनगर मेन रोड, विलगाडूपक्कम चेन्नई तमिलनाडु** में निर्धारित समय अनुसार संपन्न हुई।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री रामकिशोर आसलिया पिता श्री चंपालाल आसलिया** निवासी D2/550, फर्स्ट मेन रोड, एवेन्यू चैन्ना नैलंकारारी चैन्नई, तमिलनाडु, को प्रदेश सभा तमिलनाडु के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाता है।

प्रदेश सभा तमिलनाडु के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **श्री रामकिशोर आसलिया** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....। जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	मनमोहन शर्मा	राजेन्द्र कुमार जांगिड
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

प्रदेश सभा तेलंगाना के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे श्री सियाराम जांगिड निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा तेलंगाना के **प्रदेशाध्यक्ष पद** के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2722/2025 दिनांक 20 सितम्बर 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 29 नवम्बर 2025 शनिवार को नामांकन स्थल **श्री विश्वकर्मा जांगिड सुथार भवन, सुचित्रा, लक्ष्मीगुडा, हैदराबाद तेलंगाना** में निर्धारित समय अनुसार संपन्न हुई।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री सियाराम जांगिड पिता श्री ईश्वर लाल जांगिड निवासी 8-3-231, हाउस न. 460, कृष्णा नगर, रंगारेडडी हैदराबाद, तेलंगाना**, को प्रदेश सभा तेलंगाना के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाता है। प्रदेश सभा तेलंगाना के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **श्री सियाराम जांगिड** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....। जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	मनोहर लाल शर्मा(दूरदर्शन)	शंकर लाल जांगिड
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

प्रदेश सभा गोवा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे श्री जसाराम सुथार निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा गोवा के **प्रदेशाध्यक्ष पद** के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2722/2025 दिनांक 20 सितम्बर 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 25 नवम्बर 2025 मंगलवार को निर्धारित समय अनुसार प्रारंभ की गई। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ।

एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री जसाराम सुथार पिता श्री खेतारामजी सुथार निवासी शॉप न. 01, दुकले भवन, टी.बी हॉस्पीटल के सामने, सेंट इनेज, पणजी नार्थ गोवा,** को प्रदेश सभा गोवा के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाता है। प्रदेश सभा गोवा के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **श्री जसाराम सुथार** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....। जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार..

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	प्रहलाद राय शर्मा	प्रहलाद शर्मा
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

प्रदेश सभा पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे श्री सीताराम बरवाडिया निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा पंजाब के **प्रदेशाध्यक्ष पद** के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2722/2025 दिनांक 20 सितम्बर 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 30 नवम्बर 2025 रविवार को नामांकन स्थल **महासभा कार्यालय, रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली** में निर्धारित समय अनुसार संपन्न हुई।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री सीताराम बरवाडिया पिता स्व. श्री रामचन्द्र बरवाडिया निवासी 966, दीप कांप्लेक्स, हल्ला माजरा यू.टी चंडीगढ़,** को प्रदेश सभा पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाता है। प्रदेश सभा पंजाब के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **श्री सीताराम बरवाडिया** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....। जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	बलराम सिलक	ऋषि प्रकाश
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

नडियाद में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली कार्यकारिणी की चतुर्थ। त्रैमासिक मीटिंग एवं प्रदेश सभा **गुजरात कि नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समरोह का आयोजन गुजरात राज्य अंतर्गत खेडा जिले के ऐतिहासिक शहर एवं भारत में लोह पुरुष के नाम से विख्यात एवं भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म स्थली नडियाद में किया गया। मीटिंग गुजरात प्रदेश सभा के तत्वाधान में दिनांक 07 दिसम्बर, 2025, रविवार को आविष्कार पार्टी लॉन्स एंड बैंक्वेट, फतेहपुरा हाई स्कूल के पास, नडियाद में अनेक सामाजिक निर्णयों के साथ संपन्न हुई। त्रैमासिक मीटिंग महासभा उच्च स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष कैलाश चंद बरनेला एवं महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा के मुख्य अतिथ्य एवं महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।**

सर्व प्रथम महासभा प्रधान, पूर्व प्रधान एवं अनेक विशिष्ट अतिथियों तथा प्रदेश अध्यक्षों द्वारा " आविष्कार पार्टी लॉन्स एंड बैंक्वेट, नडियाद " के परिसर में महासभा का झण्डारोहण एवं राष्ट्र गान किया गया तत्पश्चात समारोह का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा जी चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन तथा श्रद्धाभाव से पूजा - अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। तत्पश्चात पिछले तीन माह की अवधि मे देवलोक को प्राप्त हुये समाज के विभिन्न भामाशाहों, पदाधिकारियों एवं महासभा सदस्यों के लिए दो मिनट का सामूहिक मौन रखते हुए परम पिता परमेश्वर से उनकी पुण्यात्मा को चिर शांति, मोक्ष प्रदान करने एवं अपने निज श्री चरणों में स्थान प्रदान करने हेतु प्रार्थना करने के उपरांत मीटिंग की विधिवत शुरुआत की गई।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने मीटिंग की शुरुआत करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित समस्त मंचासीन मुख्य अतिथियों, समस्त प्रदेश अध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों, कोर कमेटी सदस्यों, चुनाव अधिकारियों एवं सभागार में उपस्थित कार्यकारिणी के पदाधिकारीयों, उच्च स्तरीय कमेटी, अनुशासन समिति एवं मातृशक्ति एवं युवा शक्ति, मिडिया प्रभारियों, समाज के भामाशाहों एवं प्रबुद्ध समाज बन्धुओं का भारत में लोह पुरुष के नाम से विख्यात एवं भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म स्थली नडियाद की पावन धरा को नमन करते हुए पधारे हुए सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

समस्त आगंतुक अतिथियों के स्वागत- सत्कार के बाद महामंत्री ने महासभा प्रधान की अनुमति से कार्यकारिणी की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक के निर्धारित एजेंडे पर सकारात्मक विचार विमर्श करने के लिए सदन के सामने बिन्दुवार एजेंडा प्रस्तुत करते हुए अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया :-

1. एजेण्डा नं 1- रायपुर त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 28/09/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन::--महामंत्री ने मीटिंग एजेंडे की शुरुआत करते हुए कहा कि रायपुर में दिनांक 28 सितम्बर, 2025 को कार्यकारिणी की तीसरी मीटिंग में लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा द्वारा पत्रांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2809/2025 दिनांक 15/11/2025 के तहत जारी किये जा चुका है जिसको महासभा की मासिक पत्रिका माह नवम्बर-2025 के पेज नम्बर 52 से 57 पर भी प्रकाशित किया जा चुका। अत: उक्त मीटिंग के कार्यवृत का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों से रायपुर मीटिंग में लिए गये निर्णयों का महामंत्री द्वारा अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनि के साथ उक्त निर्णयों का एकमत होकर अनुमोदन किया ।

2. एजेण्डा नं 2- महासभा कोर कमेटी मीटिंग दिनांक 24/10/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन:- महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की रायपुर मीटिंग के बाद महासभा कोर कमेटी की एक अति आवश्यक मुद्दे पर निर्णय करने के लिए एक ऑन लाइन ऑडियो कांफ्रेंस मीटिंग, दिनांक 24/10/2025 को आयोजित की गई। यह मीटिंग राजस्थान की जिला सभाओं एवं तहसील सभाओं द्वारा बनाये गये 200/- रूपये वाले साधारण सदस्यों को महासभा द्वारा जारी अधिकृत सूची के अनुसार अंतिम बार " केवल तहसील स्तर" तक के चुनाव में मतदान का अधिकार देने का निर्णय करने हेतु आयोजित की गई थी। इसमें लिए गये निर्णय के मिनट्स महासभा पत्रांक 2799/2025 दिनांक 25/10/2025 के तहत जारी करने के साथ ही महासभा की मासिक पत्रिका माह नवम्बर, 2025 के पेज नम्बर 25 पर भी प्रकाशित किये जा चुके हैं।

अत: उक्त मीटिंग के मिनट्स का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों से महासभा कोर कमेटी द्वारा लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु महासभा महामंत्री द्वारा निवेदन किया। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने अपने-अपने हाथ खड़े करके कोर कमेटी के उक्त निर्णय का अनुमोदन किया।

3. एजेण्डा नं 3- महासभा संविधान संशोधन कमेटी का गठन करने पर चर्चा :- महासभा संविधान के नियम 5 के अनुसार प्रत्येक प्रधान को अपने कार्यकाल में कम से कम एक बार महासमिति की बैठक का आयोजन करके अपने कार्यकाल में महासभा संविधान में किये गये संशोधनों का अनुमोदन करवा कर संशोधित संविधान को सरकारी संस्था से रजिस्टर्ड करवाना अति आवश्यक है। इस हेतु पहले चरण में महासभा कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित संशोधनों का समावेश महासभा के संविधान में करने हेतु एक संविधान संशोधन कमेटी का गठन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उक्त विषय पर दिनांक 06/12/2025 को रात्रि में प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में भी चर्चा की गई थी तथा सभी प्रदेश अध्यक्षों पर्याप्त विचार विमर्श करने के बाद मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सर्वसम्मती से यह प्रस्ताव पारित किया कि मुख्य सलाहकार, क़ानूनी सलाहकार एवं मुख्य चुनाव अधिकारी से विचार विमर्श करके अविलम्ब महासभा के संविधान में आवश्यक संशोधन करने के लिए शिक्षित, अनुभवी एवं महासभा संविधान के ज्ञाता पदाधिकारियों की एक कमेटी का गठन प्रधानजी द्वारा किया जावे। सभी ने संविधान संशोधन कमेटी का गठन करने हेतु प्रधानजी को अधिकृत किया।

महामंत्री महासभा ने उक्त विषय पर त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित सम्पूर्ण सदन से निवेदन किया कि यदि सभी सहमत हो तो प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में लिए गये निर्णयानुसार महासभा प्रधान जी को अधिकृत कर दिया जाये। मैं सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ। तदुपरांत सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने उक्त प्रस्ताव का स्वागत करते हुए पुरजोर समर्थन के साथ अनुमोदन किया।

4. महासभा के 2022 तक के पुराने सम्पूर्ण रिकॉर्ड को डिजिटल करने पर चर्चा: :- महामंत्री ने बताया कि महासभा का गठन हुए लगभग 118 साल से भी अधिक समय हो गया है तथा महासभा का अब तक का सम्पूर्ण रिकार्ड पुराना तथा जीर्ण-शीर्ण अवस्था मे होने के कारण उसको अब सुरक्षित रख पाना सम्भव नही है। इस कारण से प्रधान जी ने सभी से राय मशविरा करके यह निर्णय लिया है कि महासभा के सम्पूर्ण पुराने रिकॉर्ड की पीडीएफ बनाकर डिजिटल करके कम्प्युटर की बड़ी हार्ड डिस्क में सुरक्षित रखने के साथ ही एक अन्य कंप्युटर में भी स्टैंडबाई सुरक्षित रखा जाये। जिससे भविष्य में कभी भी जरूरत पड़ने पर काम में लिया जा सकें। इसके साथ ही सर्वसम्मत्ति से यह निर्णय भी किया गया कि पुराना रिकार्ड को एक कमेटी का गठन करके ही स्क्रैप किया जाये, जिसका अनुमानित खर्चा लगभग एक से दो लाख तक या उससे भी ज्यादा आने की संभावना है।

इस बिंदु पर महामंत्री बताया कि कल रात्रि प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में भी प्रधान जी द्वारा लिए गये उक्त निर्णय का उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने हर्षध्वनि से स्वागत करते हुए सर्वसम्मती से अनुमोदन किया गया था। यदि उक्त प्रस्ताव पर सम्पूर्ण सदन सहमत हो तो महासभा के 2022 तक के सम्पूर्ण पुराने रिकॉर्ड को डिजिटल करके एक हार्ड डिस्क एवं एक अन्य कंप्युटर में सुरक्षित कर दिया जाए। महामंत्री द्वारा सदन मे उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया, जिसका सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने करतल ध्वनि के साथ प्रधान जी द्वारा लिए गये उक्त निर्णय का अनुमोदित किया।

5. महासभा अंगिरस भारती स्कूल के संचालन कार्य में बाधा पहुँचाने एवं अनावश्यक गतिविधियाँ करने पर श्री राम चन्द्र दीक्षित बांकनेर की महासभा आजीवन सदस्यता समाप्त करने पर चर्चा :- महामंत्री ने इस तथ्य से भी सभी को अवगत कराया कि महासभा द्वारा संचालित अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले श्री राम चन्द्र दीक्षित को बार- बार चेतावनी देने के बावजूद वे स्कूल स्टाफ को भडकाने एवं स्कूल संचालन कार्य में बाधा पहुँचाने तथा स्कूल परिसर में अनावश्यक गतिविधियाँ करते रहते हैं। इस पर कार्यवाही करते हुए पूर्व महासभा प्रधान श्री कैलाश चंद्र बरनेला द्वारा महासभा के पत्रांक 2458/10 दिअनांक 24/10/2013 के तहत श्रीरामचंद्र दीक्षित को पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया था। उसके बाद भी श्री राम चन्द्र दीक्षित की गतिविधियों में कोई सुधार नही होने के कारण पूर्व महासभा प्रधान श्री रविशंकर शर्मा द्वारा महासभा पत्रांक 190/18 दिनांक 18/10/2018 के तहत पुनः पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्काषित किया गया था। दो बार निष्कासन के उपरांत भी उनका आचरण वैसा का वैसा ही रहने पर महासभा प्रधान द्वारा उनको एक बार पुनः चेतावनी देते हुए महासभा के पत्रांक 2091/2023 दिनांक 04/10/2023 के तहत अगले पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्काषित किया गया।

महामंत्री ने सदन को बताया कि दिनांक 06/12/2025 को प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में इस बिंदु पर गहन विचार विमर्श में यह स्पष्ट हुआ कि उनके आचरण एवं गतिविधियों से ऐसा प्रतीत होता है कि श्री रामचन्द्र दीक्षित जान बूझकर स्कूल के कार्य में बाधा पहुचने एवं महासभा / स्कूल की प्रतिष्ठा को सार्वजनिक रूप से नुकसान पहुँचाने की कुचेष्टा कर रहे हैं तथा समाज में कटुता पैदा करके बाँटने का प्रयास करने के साथ ही समाज में महासभा / स्कूल की प्रतिष्ठा धूमिल कर रहे है। अत: क्यों नहीं उनको उपरोक्त कृत्यों का दोषी मानते हुए तथा महासभा द्वारा अब तक की गई कार्यवाही एवं लिए गये निर्णयों को उचित मानते हुए उनकी महासभा की आजीवन सदस्यता स्थायी रूप से समाप्त कर दी जाए।

अतः यदि सम्पूर्ण सदन महासभा प्रधानों द्वारा की गई कार्यवाही एवं प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग में लिए गये निर्णय से सहमत है तो श्री राम चन्द्र दीक्षित को महासभा की आजीवन सदस्यता स्थायी रूप से समाप्त कर दी जाए। मैं सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने ध्वनि मत से समर्थन करते हुए उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

6. महासभा के विरुद्ध अनावश्यक कोर्ट केस करने वाले सदस्यों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए कोर्ट केस में खर्च राशी की वसूली करने या उनकी आजीवन सदस्यता समाप्त करने पर चर्चा::--सभी को संबोधित करते हुए महामंत्री ने बताया कि महासभा के कुछ आदतन सदस्य ऐसे भी है जो जानबूझकर छोटी- छोटी बातों या अन्य कारणों कि वजह से महासभा के विरुद्ध कोर्ट केस करके महासभा की प्रतिष्ठा को समाज में धूमिल करने की कुचेष्टा करते है। तथा उचित प्रमाण ना होने तथा झूठा एवं बेबुनियाद केस होने के कारण कोर्ट में हार भी जाते हैं। ऐसे आदतन सदस्यों द्वारा कोर्ट केस करने के कारण पिछले 4 वर्षों में केस की उचित एवं दमदार पैरवी करने

के लिए महासभा द्वारा अपने दानदाताओं की खून पसीने की गाढी कमाई की प्राप्त दानराशी से लगभग 7 लाख रूपये से भी वकीलों को भुगतान करनी पड़ी।

उक्त मुद्दे पर बीते दिवस प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में भी काफी चर्चा की गई तथा सर्वसम्मत्ति से अनुमोदन करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया की महासभा के विरुद्ध अनावश्यक कोर्ट केस करने वाले सदस्यों के खिलाफ (जैसे श्री आशाराम जांगिड रेवाड़ी, श्री रामचन्द्र दीक्षित बांकनर, श्री नवीन शर्मा जयपुर, श्री ओम प्रकाश जांगिड पंजाबी बाग – दिल्ली एवं अन्य सदस्य) अविलम्ब क़ानूनी कार्यवाही करते हुए महासभा द्वारा कोर्ट केस पर खर्च की गई राशी की वसूली करने का निर्णय हुआ। और यदि वह महासभा द्वारा कोर्ट केस में खर्च कि गई राशी जमा नही करवाये तो उनकी महासभा की सदस्यता को आजीवन समाप्त कर दी जाये। श्री आशाराम जांगिड रेवाड़ी के खिलाफ उनके द्वारा किये गये कोर्ट केस का निर्णय आने के बाद ही कार्यवाही किये जाने का निर्णय किया।

अत: यदि सम्पूर्ण सदन कल प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग में लिए गये उक्त निर्णय से सहमत है तो मैं सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

7. महासभा की अधीनस्थ ईकाइयों द्वारा जिला सभा, तहसील सभा एवं शाखा सभा के चुनाव में जान बूझकर अदेयता तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नही करने बाबत चर्चा :- महासभा महामंत्री ने सभी को अवगत कराया कि बीते दिवस प्रदेश अध्यक्षों कि मीटिंग में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा ने यह मुद्दा उठाते हुए बताया की महासभा कि अधीनस्थ ईकाइयों के चुनाव के दौरान कुछ जिला अध्यक्ष जान बूझकर चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशी को अदेयता तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नही करते है। इस बिंदु पर गहन चर्चा करने के बाद सर्वसम्मती से यह निर्णय किया गया कि ऐसे पदाधिकारियों के खिलाफ यदि मामला जिला अध्यक्षों से सम्बन्धित है तो चुनाव में भाग लेने वाला उम्मीदवार प्रदेश अध्यक्ष को शिकायत कर सकता है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मामले कि पूर्ण जाँच पड़ताल करके सम्बन्धित आवेदनकर्ता को अदेयता/ अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है। यदि सम्बन्धित चुनाव प्रत्याशी प्रदेश अध्यक्ष कि कार्यवाही से संतुष्ट नही है तो वह महासभा में अपील कर सकता है। यदि मामला प्रदेश से सम्बन्धित है तो सम्बन्धित प्रत्याशी सीधे महासभा में शिकायत कर सकते है तदुपरांत महासभा द्वारा मामले कि पूर्ण जाँच करके अदेयता तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा। यदि शिकायत कि जाँच में कोई भी जिलाध्यक्ष या प्रदेशाध्यक्ष दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी महासभा संविधान के तहत कार्यवाही कि जा सकेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं पदाधिकारी कि होगी।

अत: यदि सम्पूर्ण सदन कल प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग में लिए गये उक्त निर्णय से सहमत है तो मैं सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ ताकि चुनाव प्रक्रिया एवं महासभा संविधान में उचित संशोधन कर दिया जाये। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने-अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

8. प्रदेश अध्यक्षों को अधीनस्थ इकाइयों के अध्यक्षों के खिलाफ कार्यवाही करने का अधिकार देनें पर चर्चा :-महामंत्री ने मीटिंग में सभी से कहा कि बंधुओं जैसा कि आपको ज्ञात है की महासभा के अधीनस्थ इकाइयों के पदाधिकारी किसी भी तरह का संविधान विरुद्ध कार्य करते है तो उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए संविधान अनुसार केवल महासभा प्रधान ही अधिकृत है परन्तु संगठन को अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाने के लिए इस विषय पर प्रदेश अध्यक्षों कि मीटिंग में चर्चा की गई तथा सभी के विचार जानने के पश्चात महासभा प्रधान जी ने सर्वसम्मति से निर्णय किया की अब सभी प्रदेश अध्यक्षों को दिनांक 01/01/2026 से 30/06/26 तक अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के अधिकार दिए जाए ताकि वो भी अपने अधीनस्थ इकाइयों के खिलाफ कार्यवाही कर सकें। इस दौरान यदि कोई भी पदाधिकारी सम्बन्धित प्रदेश अध्यक्ष कि कार्यवाही से संतुष्ट नही है तो प्रदेश अध्यक्ष के निर्णय के 15 दिवस के भीतर महासभा प्रधान को अपील कर सकता है।

अत: यदि सम्पूर्ण सदन बीते दिवस आयोजित प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग में लिए गये उक्त प्रस्ताव से सहमत है तो सभी प्रदेश अध्यक्षों को एक बार छ माह के लिए कार्यवाही करने के अधिकार दे दिए जाये ताकि वो अपने अधीनस्थ इकाइयों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही कर सकें। अतः सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने- अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

9. महासभा के विगत कार्यकाल में विशेष योगदान करने वाले पदाधिकारियों को सम्मांनित करने पर चर्चा ::- मीटिंग में महामंत्री ने कहा कि प्रधान जी के पिछले कार्यकाल में 15 प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव एवं महासभा प्रधान के चुनाव तथा वर्तमान कार्यकाल में 8 प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव एवं एक प्रदेश में महासभा के सदस्यों कि संख्या बढाकर प्रदेशाध्यक्ष का मनोनयन किया गया। इस सम्पूर्ण चुनाव कार्यक्रम को महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा सहित लगभग 60 से ज्यादा अनुभवी पदाधिकारियों ने लोकतांत्रिक रूप से महासभा संविधान का पालन करते हुए अपना स्वयं का समय एवं खर्च लगाकर समयबद्ध, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न करवाये। साथ ही महासभा के मुख्य सलाहकार, क़ानूनी सलाहकार, महामंत्री, कोषाध्यक्ष एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों ने भी अपने- अपने कार्यों के दौरान विशेष योगदान दिया।

महासभा प्रधान जी की यह हार्दिक इच्छा है की महासभा के ऐसे पदाधिकारी जिनका विगत कार्यकाल में विशेष योगदान रहा उनका महासभा द्वारा उचित सम्मान किया जाए ताकि महासभा के अन्य पदाधिकारी भी जागरूक एवं प्रोत्साहित होने के साथ ही महासभा के अन्य सदस्य भी समाज सेवा की भावना से आगे आ सकें ताकि महासभा द्वारा किए जाने वाले कार्यों में कार्यकर्ताओं की संख्या को और अधिक बढ़ाया जा सकें।

अत: यदि सम्पूर्ण सदन महासभा प्रधान के उक्त प्रस्ताव से सहमत है तो चुनाव पदाधिकारियों एवं महासभा के ऐसे वरिष्ठ पदाधिकारी जिनका विगत कार्यकाल में विशेष योगदान रहा उनका महासभा द्वारा शाल, साफा एवं अभिनंदन पत्र देकर आगामी मीटिंगों में उचित सम्मान कर दिया जाए। अत: उपस्थित सभी पदाधिकारियों से विशेष योगदान देने वाले पदाधिकारियों के उत्साहवर्धन एवं नवीन कार्यकर्ताओं को महासभा से जोड़ने के लिए उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ I जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने- अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया। श्री प्रभुदयाल बरनेला, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश एवं प्रदेश सभा गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा के अथक प्रयास एवं सराहनीय सहयोग से महासभा के निम्न लिखित सदस्यों ने महासभा कि उच्चतम श्रेणी कि सदस्यता अर्थात प्लैटिनम सदस्य बनने कि घोषणा करने पर मैं महासभा दिल्ली कि और से आप सभी सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

1. श्री प्रह्लाद राय जांगिड, सीकर, 2. श्री निलेश शर्मा अहमदाबाद, 3. श्री कमकी लाल जांगिड बडोदा, 4. श्री द्वारका प्रसाद शर्मा वापी (वलसाड), 5. श्री ओमप्रकाश सांवर मल जांगिड वापी (लोसल), 6. श्री ओमप्रकाश हनुमाना राम जांगिड वापी (जायल), 7. श्री श्रीराम जांगिड बाजुआ (बडोदा), 8. श्री जसा राम सुथार गोवा, 9. श्री अनुराग निलेश शर्मा अहमदाबाद, 10. श्री गोपेश जांगिड जयपुर, 11. श्री शिवपाल शर्मा बेटमा (इंदौर), 12. श्री रविदत्त रामावतार शर्मा अहमदाबाद, 13. श्री सुरेन्द्र कुमार बुधराम शर्मा अहमदाबाद, 14. श्री खेमाराम रामलाल जांगिड बडोदा

अन्त में महामंत्री सांवरमल जागिड ने महासभा त्रैमासिक मीटिंग एवं प्रादेशिक सभा के शपथ ग्रहण समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों एवं इस त्रैमासिक बैठक की शोभा को चार चांद लगाने वालों में विशेष रूप से महासभा के पूर्व प्रधान कैलाशचंद बरनेला, रविशंकर शर्मा जयपुर, अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड जोधपुर, श्रीमती सविता जांगिड अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, गोपेश जांगिड अध्यक्ष राष्ट्रिय युवा प्रकोष्ठ, नानु राम जांगिड प्रदेशाध्यक्ष महराष्ट्र, भोला राम शर्मा प्रदेशाध्यक्ष छतीसगढ़, घनश्याम शर्मा प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, ख़ुशी राम जांगिड प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा, प्रभु दयाल बरनेला प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश, बाबूलाल शर्मा प्रदेश अध्यक्ष कर्नाटक, जसा राम सुथार प्रदेश अध्यक्ष गोवा, जगदीश खंडेलवाल कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली, कैलाश शर्मा उच्यस्तरीय कमेटी, मदन लाल जांगिड प्रदेश प्रभारी दिल्ली, चंपा लाल जांगिड प्रदेश प्रभारी महराष्ट्र, मुकेश शर्मा प्रदेश प्रभारी उत्तरप्रदेश, रतन लाल लाडवा प्रदेश प्रभारी मध्यप्रदेश, संतलाल जांगिड वरिष्ठ उपप्रधान, ओम प्रकाश शर्मा दिल्ली, गंगादीन जांगिड, द्वारका प्रसाद शर्मा वापी, ऋषि प्रकाश जांगिड कार्यालय प्रभारी महासभा, जांगिड रत्न से सम्मांनित मोहन लाल दायमा नासिक, मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, सुरेन्द्र वत्स दिल्ली क़ानूनी सलाहकार, पी. डी. शर्मा देवास, कोर कमेटी के सदस्य, जांगिड़ ब्राह्मण पत्रिका के सह सम्पादक प्रह्लादराय शर्मा के मार्गदशन में 16 सदस्यों की सीकर टीम, जोधपुर से उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड, महासभा के मिडिया प्रभारी दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड और महेश जांगिड सहित देश के कोने कोने से आए महासभा के समस्त पदाधिकारियों, भामाशाहों, प्लेटिनम सदस्यों, महासभा की समस्त कमेटियों के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति, युवा शक्ति एवं सभा कक्ष में उपस्थित आदरणीय प्रबुद्ध समाज बंधुओं का समारोह को सफल बनाने के लिए दिल की असीम गहराइयों से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

साथ ही महामंत्री ने नडियाद में शानदार आयोजन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए प्रदेश सभा गुजरात के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा और उनकी ऊर्जा से भरपूर टीम, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार जांगिड, प्रदेश महामंत्री मानाराम सुथार, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष निलेश जांगिड अहमदाबाद, प्रदेश कोषाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष नडियाद एवं नडियाद के समस्त कार्यकर्ताओं की टीम को उनके अथक प्रयासों से महासभा की त्रैमासिक बैठक एवं शपथ ग्रहण समारोह को भव्यता प्रदान करने के लिए आगंतुक समाज बन्धुओं की शानदार मेहमान नवाजी के लिए, शानदार ट्रांसपोर्ट व्यवस्था, ठहरने की उत्तम व्यवस्था, स्वादिष्ट भोजन प्रसादी एवं बहुत ही सुंदर, सुव्यस्थित और शानदार आयोजन करने के साथ साथ भरपूर सहयोग और समर्थन देने की अनूठी मिशाल कायम करने के लिए महासभा दिल्ली की और से कोटि- कोटि आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्होंने भगवान श्री विश्वकर्मा जी से समाज के सामाजिक उत्थान एवं विकास तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना के साथ ही प्रधान जी की आज्ञा से त्रैमासिक मीटिंग के समापन की घोषणा के उपरांत एक बार पुन: सभी मेहमानों और प्रदेश सभा गुजरात का हार्दिक आभार और कृतज्ञता सहित, विपुल धन्यवाद दिया।

महासभा की त्रैमासिक मीटिंग का मंच संचालन बड़े ही बेहतरीन ढंग एवं कुशलतापूर्वक तरीके से करने के लिए महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा नीमच एवं सुरेन्द्र वत्स महासभा क़ानूनी सलाहकार का भी महासभा के महामंत्री ने सांवर मल जांगिड ने महासभा दिल्ली की और से कोटि कोटि आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सभी ने त्रैमासिक मीटिंग एजेंडे के सभी प्रस्तावों पर समुचित निर्णय करवाने में मेरा सक्रिय साथ दिया एवं समारोह की गरिमा एवं क्रमबद्धता को बनाए रखा।

(सांवरमल जांगिड) महामंत्री – महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

हरियाणा प्रदेशसभा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव दिनांक 01 फरवरी 2026

चुनाव हेतु बूथ , मतदान स्थान एवं बूथ प्रभारियों की सूची

कुल बूथ-45

बूथ क्रमांक	बूथ का नाम	सम्मिलित क्षेत्र	मतदान का स्थान	बूथ प्रभारी का नाम	मोबाईल न.
01	रेवाड़ी बूथ नं0 1	रेवाड़ी जिले के मतदाता	विश्वकर्मा सी0सै0 स्कूल, रेवाडी	श्री कैलाश चंद (जिला अध्यक्ष)	9416321678
02	रेवाड़ी बूथ नं0 2	रेवाड़ी जिले के मतदाता	विश्वकर्मा सी0सै0 स्कूल, रेवाडी	मा0 श्री होशियार सिंह	9467267320
03	रेवाड़ी बूथ नं0 3	रेवाड़ी जिले के मतदाता	विश्वकर्मा सी0सै0 स्कूल, रेवाडी	श्री नरेश कुमार (बिटटू)	9896026938
04	धारूहेड़ा बूथ नं0 4	धारूहेड़ा ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला धारूहेड़ा	श्री केदारनाथ (ब्लॉक प्रधान)	9541415344
05	बावल बूथ नं0 5	बावल ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर बावल	श्री सूबे सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष)	8708679098
06	रेवाड़ी खोल बूथ नं0 6	रेवाड़ी खोल ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर रेवाड़ी खोरी	श्री भूदेव जी	9518480293
07	महेन्द्रगढ बूथ नं0 1	महेन्द्रगढ़ के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर महेन्द्रगढ़	श्री सावल राम (ब्लॉक अध्यक्ष)	9896612802
08	नारनौल बूथ नं0 2	नारनौल तहसील के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर नारनौल	श्री दुलीचंद	9728200213
09	नांगल चौधरी बूथ नं0 3	नांगल चौधरी उप-तहसील के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला नांगल चौधरी	श्री राजेश कुमार	9416321239
10	कनिना बूथ 4	कनिना ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला कनिना मंडी	श्री अशोक पैकेन (जिला अध्यक्ष)	9017028727
11	भिवानी बूथ 1	भिवानी जिले के मतदाता	विश्वकर्मा भवन जांगिड धर्मशाला भिवानी	श्री राजेश प्रधान	7015154031
12	भिवानी बूथ 2	भिवानी जिले के सभी मतदाता	विश्वकर्मा भवन जांगिड धर्मशाला भिवानी	मा0 श्री विकास कुमार	9416489868
13	जूई बूथ 3	जूई ब्लॉक के मतदाता	हैप्पी हाई स्कूल, जूई	श्री राजपाल जांगड़ा	9416072595

14	तोशाम बूथ नं0 4	तोशाम ब्लॉक के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला तोशाम	श्री नरेश कुमार	9416732797
15	चरखी दादरी बूथ नं0 1	चरखी दादरी के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला चरखी दादरी	श्री प्रेम सिंह जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	9416529695
16	चरखी दादरी बूथ नं0 2	चरखी दादरी के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला चरखी दादरी	श्री सूबेदार दयाराम जांगड़ा	9416424633
17	फतेहबाद	फतेहबाद जिले के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर बिघड रोड़, फतेहबाद	श्री राजेश कुमार (जिला अध्यक्ष)	8295963389
18	कैथल	कैथल जिले के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला पुरानी सब्जी मन्डी,कैथल	श्री महेन्द्र सिंह जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	9416569985
19	हिसार बूथ नं0 1	हिसार जिले के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला रेड स्क्येवर, हिसार	श्री उदय सिंह जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	9813463140
20	हिसार बूथ नं0 2	हिसार जिले के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला रेड स्क्येवर, हिसार	श्री सुखबीर सिंह जांगड़ा	9416376799
21	हांसी	हांसी के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला काठमन्डी, हांसी	श्री बनारसी दास नंबरदार	9812337864
22	जींद	जींद जिले के सभी मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला, भटनागर कालौनी, रोहतक रोड़, जींद	श्री जोगिन्द्र सिंह जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	9813083486
23	रोहतक	रोहतक जिले के मतदाता	विश्वकर्मा सी0सैं0 स्कूल, रोहतक	श्री श्याम सिंह जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	8950243628
24	पानीपत	पानीपत जिले के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला समालखा	श्री सतबीर सिंह धामू (जिला अध्यक्ष)	9254100466
25	गुरूग्राम बूथ नं0 1	गुरूग्राम के मतदाता	जांगिड ब्राह्मण, हाई स्कूल, न्यू रेलवे रोड गुरूग्राम	श्री सत्यनारायण जांगड़ा	9717492592
26	गुरूग्राम बूथ नं0 2	गुरूग्राम के मतदाता	जांगिड ब्राह्मण, हाई स्कूल, न्यू रेलवे रोड गुरूग्राम	श्री धर्मपाल जांगिड	9718345833
27	गुरूग्राम बूथ नं0 3	गुरूग्राम के मतदाता	जांगिड ब्राह्मण, हाई स्कूल, न्यू रेलवे रोड गुरूग्राम	श्री जयदयाल जांगिड	9911940918
28	पटौदी बूथ नं0 4	पटौदी तहसील के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला हेलीमंडी, पटौदी	श्री अशोक कुमार	9466297290
29	सोहना बूथ नं0 5	सोहना तहसील के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला सोहना	मा0 शिव नारायण जांगिड	9466427662
30	सिरसा बूथ नं0 1	सिरसा के मतदाता	विश्वकर्मा छात्रावास काठ मंडी, सिरसा	श्री राकेश सुथार (जिला अध्यक्ष)	9812947005
31	सिरसा बूथ नं0 2	गोरी वाला ब्लॉक के मतदाता	स्वामी विवेकानन्द स्कूल गोरी वाला, हिसार	श्री रवि कुलरिया (ब्लॉक प्रधान)	9813566430
32	फरीदाबाद बूथ नं0 1	फरीदाबाद जिले के मतदाता	महर्षि अंगिरा सी0सैं0 स्कूल, नंगला रोड, जवाहर कालौनी, फरीदाबाद	श्री टेकचन्द जांगिड	9873668328

33	फरीदाबाद बूथ नं0 2	फरीदाबाद जिले के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर, आदर्श नगर, एस.जी.एम, नगर, फरीदाबाद	श्री हनुमान प्रसाद जांगिड (वरिष्ठ उप प्रधान)	98182966557
34	बल्लभगढ़ बूथ नं0 3	बल्लभगढ़ ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा विद्यालय एवं मंदिर, तिरखा कालौनी, बल्लभगढ़	श्री चरणपाल जांगिड (जिला अध्यक्ष)	9810278433
35	बल्लभगढ़ बूथ नं0 4	बल्लभगढ़ ब्लॉक के मतदाता	विश्वकर्मा विद्यालय एवं मंदिर, तिरखा कालौनी, बल्लभगढ़	श्री राजेन्द्र जांगिड	9350854348
36	सोनीपत	सोनीपत जिले के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला ककरोई रोड़, सोनीपत	श्री श्याम लाल जांगड़ा (जिला अध्यक्ष)	9354834042
37	करनाल	करनाल जिले के मतदाता	विश्वकर्मा धर्मशाला करनाल	श्री ईशम सिंह (पूर्व जिला अध्यक्ष)	7988494539
38	कुरूक्षेत्र	जिला यमुनानगर, अम्बाला, कुरुक्षेत्र व पंचकुला के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला कुरूक्षेत्र	श्री रामनिवास जांगड़ा	9466034507
39	झज्जर बूथ नं0 1	झज्जर जिले के मतदाता	जांगड़ा धर्मशाला झज्जर	श्री प्रवीन जांगड़ा	9050009777
40	बहादुरगढ़ बूथ नं0 2	बहादुरगढ ब्लॉक के मतदाता	देवकरण धर्मशाला बहादुरगढ़	श्री प्रवीन जांगड़ा	8930077700
41	पलवल बूथ नं0 1	पलवल के मतदाता	जांगिड धर्मशाला पलवल	श्री ज्ञानचन्द जांगिड	8708272989
42	होडल बूथ नं0 2	होडल तहसील के मतदाता	जांगिड ब्राह्मण भवन नजदीक सिविल हॉस्पिटल होडल	श्री मोहन चन्द जांगिड	9416066486
43	हथीन बूथ नं0 3	हथीन ब्लॉक के मतदाता	राम मंदिर, हथीन	श्री रामजीत जांगिड	9813142217
44	नूँह (मेवात) बूथ नं0 1	नूँह (मेवात) के मतदाता	जय भोले स्वीट पिनगवा	डॉ. मुकेश जी (जिला अध्यक्ष नूँह)	9050216332
45	तावडू बूथ नं0 2	तावडू उप-तहसील के मतदाता	विश्वकर्मा मंदिर मेन सोहना रोड़, तावडू	मा0 लाला राम जांगिड	9812357552

बसंत कुमार जांगिड़
चुनाव अधिकारी
9680010591

सुरेन्द्र वत्स
चुनाव समन्वयक
9818125123

कमलकिशोर गोठडीवाल
चुनाव अधिकारी
9414524982

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी
9300905141

****

देश की भावी पीढ़ी बच्चों को बेहतर संस्कार देने के साथ ही उनको मोबाइल संस्कृति से दूर रखें।

प्रधान, रामपाल शर्मा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि मुझे खुशी है कि समाज की महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में आगे आ रही है और महासभा की त्रैमासिक बैठक में भी महिलाओं की भागेदारी 50 प्रतिशत होनी चाहिए क्योंकि महिलाएं अधिक से अधिक समारोह में आएगीं तो वह अपने बच्चों को भी साथ लाएगीं, इससे बच्चों को महासभा की गतिविधियों को नजदीक से देखने का अवसर मिलेगा तथा इससे बच्चों को बेहतर संस्कार भी मिलेंगे, क्योंकि जीवन में संस्कार ही सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रथम गुरु माँ ही होती है और इसलिए बच्चों की शिक्षा में महिलाओं की महत्ती भूमिका है। **इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वह छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखें, क्योंकि अक्सर यह देखा जाता है कि, जिस समय महिलाएं कार्य करती हैं, उस समय बच्चा रोने लगता है तो यह बच्चों को चुप करवाने के लिए मोबाइल दे देती हैं और फिर कार्य करना शुरू कर देती हैं। जो बच्चों के लिए बड़ा ही घातक है।**

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा 7 दिसंबर को नडियाद गुजरात में,आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक और गुजरात प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर, उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। समारोह की शुरुआत से पहले प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में झंडारोहण किया गया राष्ट्रगान गाया गया तथा समारोह का श्रीगणेश भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके आरती और पूजन किया गया और प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम राम जांगिड, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता जांगिड और महामंत्री सांवरमल जांगिड, उप प्रधान वीरेंद्र जांगिड कैमला सहित सभी ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की और सभी के लिए सुख समृद्धि का वरदान मांगा। इस अवसर पर प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा और कार्यकारिणी के सदस्यों और पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई प्रधान द्वारा, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश जांगिड को भी पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी यह है कि आने वाली पीढ़ी को ऐसी दिशा प्रदान की जाए, जिसमें संस्कार सद्भावना और मानवीय मूल्यों के साथ ही बदलते हुए परिवेश में विज्ञान की जरुरी शिक्षा के साथ-साथ चरित्र, अनुशासन और बड़ों के सम्मान का वातावरण निर्मित करें ताकि घर की पाठशाला में ही बच्चों को उत्तम संस्कार मिल सके। महासभा द्वारा भी लोगों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए शिक्षा पर विशेष कार्य किया जा रहा है। उन्होंने, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता जांगिड से आग्रह किया कि वह मध्य प्रदेश की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष माया शर्मा की तरह ही दूसरे प्रदेशों में ऐसी ही कर्मठ महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनाए। इन्दौर में महासभा की 22 जून को जो त्रैमासिक बैठक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस बैठक में 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं उपस्थित थी। इस समारोह में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया कि वह आज किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। उन्होंने सविता जागिड से आग्रह किया कि वह सभी प्रदेशों में, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्षों की नियुक्ति का कार्य जल्दी से जल्दी पूरा करें ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को समाज के साथ जोड़ा जा सके और अधिक गति प्रदान की जा सके और सकारात्मक रुचि लेकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। महासभा के आर्थिक सहयोग के लिए महासभा परिवार के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर जो दान दिया है और महासभा के जो 14 प्लेटिनम सदस्य बने हैं, उन सभी का मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से वंदन और अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महासभा द्वारा शिक्षा के पर काम किया जा रहा है और आपका पूरा पैसा शिक्षा के लिए ही उपयोग हो रहा है।

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा द्वारा प्रदेश सभाओं को सदस्यता राशि देने की मांग का उल्लेख करते हुए, प्रधान ने कहा कि **मैं उनको यह बताना चाहता हूँ कि हमारी मंशा ऐसी नहीं है कि हम आपको ऐसा राशि नहीं देंगे, हमारी एक थोड़ी सी मजबूरी है कि हमने बांकनेर के स्कूल का जीर्णोद्धार कार्य शुरू किया हुआ है और यह पैसे आ रहे हैं, उनको हम महासभा से बांकनेर स्कूल को ट्रांसफर करके इसका काम करवा रहे हैं।** हमने इस बारे में महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष लादूराम जांगिड के साथ मीटिंग की है और इस मीटिंग में, हमने दान दाताओं के नाम लिखे हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि हमने लगभग सभी दान दाताओं से,उनकी मंजूरी भी ले ली है और लगभग सवा करोड़ रूपया शिक्षा के इस पुनीत कार्य के लिए दानदाताओं द्वारा दिया जाएगा। इसके साथ ही मैं सभी प्रदेश अध्यक्षों से, आग्रह करना चाहता हूँ कि जब स्कूल के लिए राशि जो आएगी, उसके बाद सभी प्रदेश अध्यक्षों को डिवाइड करके राशि देना शुरू कर देंगे। मैं यह आपसे यह वादा करता हूँ कि सभी प्रदेश अध्यक्षों को पार्ट बाई पार्ट उनके हिस्से की राशि प्रदान की जाएगी। प्रधान रामपाल शर्मा ने, निर्विरोध रुप से निर्वाचित प्रदेश अध्यक्षों जिनमें, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड, तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर आसलिया,गोवा के प्रदेश अध्यक्ष जसा राम सुतार, पश्चिम बंगाल के प्रदेशाध्यक्ष प्रभू दयाल बरवाडिया और पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष सीता राम बरवाडिया और युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश जांगिड सीकर जिला अध्यक्ष बनवारी लाल खण्डेलसर को बधाई देते हुए कहा कि, वह अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी प्रदेश अध्यक्षों से विनम्र निवेदन किया कि वह अपने-अपने जिलों में, विवाह से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए कमेटियों का गठन करे ताकि मामलों का निपटारा, कोर्ट की अपेक्षा ,लोगों की अधिकतर समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर ही किया जा सके और राजस्थान के बड़े जिलों में दो-दो कमेटियां भी बनाई जा सकती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा से आग्रह किया कि वह महासभा के 200 रुपए वाले सदस्यों की एक सूची तैयार करके महासभा को अविलंब मेल द्वारा भेजने का प्रयास करें ताकि इनके बारे में वास्तविक स्थिति का पता चल सके और इस बारे में कोर कमेटी के सदस्यों से बातचीत करके अन्तिम निर्णय लिया जाएगा। **उन्होंने आश्वासन दिया कि वह समाज को तोडने नहीं अपितु जोड़ने में विश्वास रखते हैं और उनका मत डालने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।** उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों से आग्रह किया कि **कई जिलों में जिला अध्यक्ष के चुनाव होते हैं वहां पर जो महसभा की डिपोजिट राशि है , वह कैश में ले ली जाती है। उनसे विनती है कि भविष्य में वह नगद राशि लेना बंद करें , क्योंकि महासभा प्रदेश सभा से डिमांड ड्राफ्ट लेती है, ताकि महासभा के कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे।**

महासभा की प्रतिष्ठित जांगिड ब्राह्मण मासिक पत्रिका न मिलने की पत्रिका के सदस्यों की चिंता पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए प्रधान ने कहा कि आज एक बहुत बड़ी चुनौती हमारे सामने है, जांगिड ब्राह्मण पत्रिका न मिलने की शिकायत अक्सर लोगो द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ क्योंकि महासभा के 1100 रुपए के सदस्य बनाते समय उनको आजीवन पत्रिका देने का वादा किया गया था और शायद उस समय यह निर्णय सही भी था, क्योंकि उस समय 1100 रुपए की जमा राशि पर, लगभग 12-15 प्रतिशत तक ब्याज मिलता था और आज यह ब्याज की दर घटकर 6-7 प्रतिशत रह गई है और रुपए की वैल्यू भी कम हो रही है। इसके अतिरिक्त उस समय एक पत्रिका एक-डेढ रुपए में छपती थी और आज वही पत्रिका 30 रुपए में

छप रही है। **उन्होंने भविष्य में समाज के, जांगिड पत्रिका के बनने वाले सदस्यों से हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक निवेदन किया कि भविष्य में उनको पत्रिका की प्रिंटेड-हार्ड कापी की अपेक्षा, डिजिटल पत्रिका, सोशल मीडिया के माध्यम से ही भेजी जाएगी।** आज सोशल मीडिया का जमाना है और हम सभी व्हाट्सएप ग्रुप में एक दूसरे को जानकारी देने का प्रयास करेंगे और **इस मामले में सभी प्रदेश अध्यक्षों का सहयोग अपेक्षित है और आपका भरसक सहयोग और समर्थन ही महासभा की सबसे बड़ी ताकत है।**

अन्त में, उन्होंने गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा द्वारा इस त्रैमासिक बैठक में 14 प्लेटिनम सदस्य बनवाए जाने पर आभार व्यक्त किया और इसके साथ ही कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार जांगिड, प्रदेश मंत्री मानाराम सुथार और गुजरात प्रदेश कार्यकारिणी का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने **अतिथि देवो भव:** की परम्परा का सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पालन करते हुए सभी मेहमानों का हृदय की गहराइयों से सस्नेह स्वागत और अभिनन्दन किया और सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया है, इसके लिए मैं गुजरात प्रदेश सभा का पुनः पुनः आभार व्यक्त करता हूँ।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने, कुछ दिग्भ्रमित लोग महासभा की छवि को खराब करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं और माँ रुपी महासभा की छवि खराब करने से पहले, ऐसे लोगों को आत्म मंथन करना चाहिए और उन्होंने बिना किसी का नाम लिए हुए कहा कि कुछ लोग महासभा पर केस करने के आदि हो गए हैं और महासभा द्वारा ऐसे मामलों की पैरवी करने के लिए पिछले 4 वर्षों के दौरान 7 लाख 55 हजार रुपए खर्च किए जा चुके हैं और यह सब आपका पैसा है।मेरी समाज के ऐसे प्रतिष्ठित दिग्भ्रमित महानुभावों से विनम्र प्रार्थना है कि आप अपनी माँ समान महासभा की गरिमा और इसके वैभव को बनाए रखने के लिए सभी एक साथ मिलकर काम करें ताकि महासभा के प्राचीन गौरव और इसके स्वर्णिम इतिहास को अक्षुण्ण बनाए रखा जा सके। महामंत्री ने कहा कि महासभा की पिछली 28 सितंबर को रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित त्रैमासिक बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन करवाने के साथ ही, महासभा के तीन महीनों का आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा और लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया और सदन में उपस्थित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों ने करतल ध्वनि से, महासभा द्वारा पिछले तीन महीनों के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए तालिया के गड़बड़ाहट के साथ इसका अनुमोदन किया।

गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने त्रैमासिक बैठक में देश के कौने-कौने से आए समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा ने ,महासभा की त्रैमासिक मीटिंग आयोजित करने का गुरुतर दायित्व गुजरात प्रदेश सभा को सौंपा गया था और जिसके कारण आज नडियाद में यह आयोजन सम्भव हो सका है। समाज को संगठित करने तथा बंधुत्व भाव और सामाजिक उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रधान रामपाल शर्मा की सकारात्मक सोच एवं समर्पण भावना सराहनीय है और उन्होंने यह चरितार्थ करके दिखलाया है और **मुझे प्रदेश सभा गुजरात के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अनुपम अवसर दिया है और आज मैं ,इस मंच पर गुजरात प्रदेश के महासभा के सदस्यों एवं समाज बंधुओ के कारण हूँ**

उन्होंने कहा कि **गुजरात प्रदेश से आए 9 महानुभाव महासभा के प्लैटिनम सदस्य बनाए गए हैं।** उन्होंने कहा कि समाज सेवा एक पुण्य का कार्य है और गुजरात प्रदेश के लोगों ने मुझ पर विश्वास करके प्रदेशाध्यक्ष पद का दायित्व निर्विरोध सौंपकर सेवा का जो अवसर प्रदान किया उसके लिए मैं सभी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। प्रदेश सभा गुजरात की नई कार्यकारिणी का सत्र नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ प्रारंभ हो रहा है और मुझे विश्वास है कि शपथ लेने जा रही गुजरात प्रदेश की कार्यकारिणी समाज सेवा के नए आयाम स्थापित करेगी और महासभा परिवार में अधिक से अधिक सदस्य जुड़े और गुजरात प्रदेशसभा, महासभा में ,एक मॉडल प्रदेशसभा के रूप में पहचानी जाए मेरी यही मनस्कामना है। उन्होंने कहा महासभा के निर्देशन में चल रही गतिविधियों के प्रति भी प्रदेश भर में जागरूकता फैलाने का कार्य करने का हमारा प्रयास रहेगा। शिक्षा का प्रसार, सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आदि से समाज को जागरूक करने के लिए भी हम सदैव प्रयास करते रहेंगे। महासभा हमारे समाज की सर्वोच्च संस्था है और महासभा की प्रत्येक त्रैमासिक मीटिंग में समाज सुधार के अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। आज भी अनेक निर्णय लिए गए हैं जो भविष्य में मील का पत्थर साबित होंगे। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुजरात के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नीलेश कुमार जांगिड को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई गई।

उन्होंने कहा कि गुजरात प्रदेश कार्यकारिणी के जिन सदस्यों को शपथ दिलवाई गई है, उनमें कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जांगिड, प्रदेश महामंत्री मानाराम सुथार, संगठन मंत्री मनसाराम सुथार, गिरधारी लाल नेपाल, शिवलाल मांकड़, राजेन्द्र बूढड, शांति लाल जांगिड, लादूराम जांगिड, राधेश्याम गोधरा, लक्ष्मण राम सांड, राजेन्द्र प्रसाद जांगिड और महावीर प्रसाद शामिल हैं और इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर ,सरदार मल सुथार, उमाकांत शर्मा ,कमल जांगिड, ईश्वरदत्त जांगिड, हीरालाल जांगिड, राम गोपाल शर्मा, सुरेश जांगिड, रामकुमार अंकलेश्वर, कालूराम, अचला राम, परमेश्वर जांगिड, नरपत राम सुथार, अशोक कुमार, गणपत जांगिड, सतीश कुमार जांगिड, महेंद्र कुमार वापी, कैलाश चंद्र जांगिड, राधेश्याम जांगिड, दुर्गाराम सुथार, नाथूराम जांगिड, महेश कुमार जांगिड, भंवरलाल मोटियार, ओमप्रकाश जागिड को नियुक्त किया गया है तथा इसी प्रकार प्रचार मंत्री, कैलाश चंद्र जांगिड , उत्तम राम जांगिड आनंद, अनिल कुमार अंकलेश्वर, सांवर राम सुथार और रामाराम धीर को बनाया गया है।

गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष, प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि मैं महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने गुजरात प्रदेश को महासभा की त्रैमासिक बैठक आयोजित करने का सुअवसर प्रदान किया और **नडियाद में पहली बार इतनी अधिक संख्या में कार्यकारिणी के सदस्यों ने शामिल होकर नया आयाम स्थापित किया है जोकि इस समाज के लिए बहुत ही गौरव की बात है। मुझे खुशी है कि यहां पर इतना बेहतर, अनुशासित और सुव्यवस्थित कार्यक्रम आयोजित किया गया और आप सभी ने, इस समारोह की गरिमा को द्विगुणित किया है।** इससे समाज में एक नई ऊर्जा, उमंग ,एक नई शक्ति तथा स्फुर्ति का संचार हुआ है। इस सफल आयोजन का संपूर्ण श्रेय प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, ऊर्जा से भरपूर समस्त कार्यकर्ताओं तथा समस्त समाज बंधुओ को जाता है, जिन्होंने हमारा साथ देकर सफल आयोजन में सराहनीय योगदान प्रदान किया है।

कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि **गुजरात के सभी जिला अध्यक्षों, तहसील सभा और शाखा सभा से सभी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, पूर्व जिला अध्यक्षों सहित, गुजरात के समाज बंधुओ व नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने मिलकर इसे सफल बनाने में, अपना भरपूर सहयोग और आशीर्वाद दिया** तथा प्रदेश कार्यकारिणी को एक नए उत्साह एवं

उमंग से भर दिया। मैं और मेरे सभी कार्यकारिणी के साथी, जीवन पर्यन्त,आज के दिन की इन मधुर स्मृतियों और यादों को हमेशा के लिए संजो कर रखेंगे। आज के इस आयोजन की अपार सफलता में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से आप सभी का अतुलनीय योगदान रहा है, जिससे मैं अभिभूत हूँ। गुजरात प्रदेश कार्यकारिणी आपको विश्वास दिलाती हैं कि **हम सब मिलकर समरसता के साथ समाज के चहुंमुखी विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी सभी का आभार प्रकट करती है, धन्यवाद और हैं और कृतज्ञता व्यक्त करती है और आशा हैं कि आप सभी का प्रेम व असीम स्नेह हमें सदैव ही इसी प्रकार से निरंतर मिलता रहेगा।**

गुजरात प्रदेश मंत्री मानाराम सुथार ने कहा कि, मैं प्रदेश सभा की तरफ से देश के कौने-कौने से पधारे हुए सभी प्रतिष्ठित मेहमानों का गुजरात की धरा पर हृदय के अन्तःकरण और तहेदिल से धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ। आपका अनन्य स्नेह और भरपूर सहयोग और समर्थन ही हमारी असीम शक्ति है और यदि आयोजन के दौरान किसी को, किसी प्रकार की असुविधा हुई हो, या हमारी ओर से सेवा-सत्कार में कोई कमी रह गई हो, प्रदेश सभा के पदाधिकारी हृदय से क्षमा प्रार्थी हैं।

इस समारोह को द्विगुणित करने वालों में महासभा की त्रैमासिक बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के पूर्व अध्यक्ष कैलाश बरनेला और रवि शंकर शर्मा, अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, समाज सेवी सुरेन्द्र शर्मा, कानूनी सलाहकार सुरेंद्र वत्स ,महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश जांगिड, जांगिड रतन नाशिक के मोहनलाल दायमा , उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड, आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानू राम जांगिड, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, गोवा प्रदेश अध्यक्ष जसाराम आसलिया, प्रभू दयाल बरवाडिया, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, महासभा के मिशन डेढ़ लाख प्रभारी, रामजीलाल जांगिड, राजनैतिक प्रकोष्ठ के सलाहकार, रतनलाल जांगिड, महिला प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश की अध्यक्ष माया शर्मा , महिला प्रकोष्ठ की महासचिव मीनू शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष रोहिताश जांगिड, गुजरात के पूर्व अध्यक्ष कैलाश जांगिड, मध्य प्रदेश प्रभारी रत्न लाल लाडवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कोर कमेटी सदस्य पी डी शर्मा देवास,सम्पादक जटाशंकर-हनुमान शर्मा,दीप विश्वकर्मा के सम्पादक , हरि राम शर्मा और मीडिया प्रभारी महेश जांगिड, उप प्रधान राधेश्याम रेनवाल और रामस्वरूप खटवाडिया चौमु, संगठन मंत्री महासभा रामेश्वर लाल हरसोलिया और प्रचार मंत्री रक्षपाल जांगिड खाटूश्याम, महासभा संगठन मंत्री, कजोड़मल शर्मा जयपुर, केदारमल जांगिड खाटूश्याम, मीडिया प्रभारी मध्यप्रदेश धर्मेंद पिपलोदिया, हरियाणा प्रदेश सभा के महासचिव विजय शर्मा शामिल हैं।

सम्पादक,राम भगत शर्मा

समाज ने अपनी प्रतिबद्धता के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है।

महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष,अमरा राम जांगिड।

महासभा के अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, अमराराम जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि, मुझे राजस्थान सरकार ने राजस्थान फाउंडेशन आफ दुबई चैप्टर के अध्यक्ष पद का, जो दायित्व सौंपा है उसे मैं पूरे समाज को समर्पित करता हूँ। मैं पिछले 10 वर्षों से पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला के समय से माँ रूपी महासभा के साथ जुड़ा हुआ हूँ और मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है कि मुझे देश सबसे पुरानी महासभा के साथ जुड़ने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है और सौभाग्यवश, इसी महीने 26-27 दिसम्बर को ही, महासभा की स्थापना के 118 साल पूरे हो चुके हैं और इस अवसर पर मैं, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और सभी पूर्व प्रधानों के अथक प्रयासों और कर्तव्य निष्ठा के लिए बधाई देता हूँ, जिन्होंने समाज सेवा के जज्बे से ओत-प्रोत होकर, अनेक झंझावतों का सामना करते हुए, इस महासभा को आज यहां तक पहुंचाया है। अमरा राम जांगिड ने कहा कि ,आज महासभा द्वारा मुझे यह जो मान- सम्मान प्रदान किया गया है, इससे मैं अभिभूत हूँ उसके लिए मैं हृदय की गहराइयों से महासभा रुपी परिवार के सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

अमरा राम जांगिड ने यह उद्गार, **7 दिसम्बर 2025 को गुजरात के नडियाद में** महासभा की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक और प्रदेश सभा गुजरात की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बड़े गर्व और शालीनता के साथ कहा कि मैं देश-विदेश में जहां पर भी जाता हूँ, वहां पर अपने समाज के, महान गौरव और बुद्धिमता का उल्लेख करके मुझे विशेष गौरव की अनुभूति महसूस होती है और इसलिए मेरी यह जिम्मेदारी और दायित्व बनता है कि मैं, समाज की सेवा करूं। उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि अगर समाज के महानुभवों और युवाओं को, राजनीति में आना है, तो उनको को घर की चारदीवारी से बाहर निकलना होगा और , आपस में कदम से कदम मिलाकर और समाज के भामाशाहों के साथ मिलकर चलना होगा और समाज के जो भी लोग राजनीति में हैं, उनका साथ देना होगा और समाज के लोग राजनीति में आएंगे तभी हम समाज का भला कर पाएंगे। अगर समाज आपस में विभाजित रहेगा और आपसी एकता नहीं होगी तो, समाज के विकास का निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता है। इसीलिए सभी को एक साथ मिलकर काम करना होगा और सभी मिलकर यही प्रयास करें कि समाज में, एकता और भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा कि मैंने जीवन में संकल्प लिया है और आश्वासन देता हूँ कि मैं जीवन पर्यन्त समाज की भलाई के लिए काम करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं जो ,आज यहां तक पहुंचा हूँ वह आप सभी के सहयोग और समर्थन से ही पहुंचा हूँ।

राजस्थान के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा ने घोषणा की थी कि प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को राजस्थानी प्रवासी दिवस मनाया जाएगा इसमें भाग लेने के लिए दुबई से 120 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल जयपुर पहुंचा है और इसी सिलसिले में मैंने समाज के लोगों से रजिस्ट्रेशन करवाने का आग्रह किया था, लेकिन मुझे अफसोस है कि समाज के बहुत कम लोगों ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। उन्होंने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि वह मरते दम तक समाज सेवा करते रहेंगे और मुझे फक्र है कि सारा समाज मेरे पीछे एकजुट होकर खड़ा है और आज इस समाज की बदौलत ही मैं यहां तक पहुंचा हूँ। मैं पुनः स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि राजनीति में आने के लिए घर से निकलना होगा, तभी हम कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं 1981 में दुबई गया था और तीन महीने ही, पहले राजस्थान के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा ने मुझे राजस्थान फाउंडेशन के दुबई चैप्टर का अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है और जब कभी भी मेरा नाम पढ़ा जाता है तो मेरे समाज का नाम गौरवान्वित होता है और मुझे गर्व है कि मैं इस समाज में पैदा हुआ हूँ और इसलिए समाज के प्रति मेरा दायित्व और अधिक बढ़ गया है। इसका मुख्य श्रेय मेरे छोटे भाई पुखराज को जाता है,जो महासभा के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है और वह प्रत्येक त्रैमासिक बैठक में एक प्रतिनिधि मंडल के साथ जाते हैं और यही उनका समाज के प्रति समर्पण का भाव है। उन्होंने जांगिड - सुथार समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि हम आपस में मिलकर ही समाज की प्रगति को सुनिश्चित कर सकते हैं, क्योंकि एक और एक मिलकर 11 होते हैं। यह समाज मेरा परिवार है और मैं यह संकल्प लेता हूँ कि अपने परिवार के हितों को सर्वोपरि समझते हुए सदैव ही सत्य निष्ठापूर्वक सदैव ही सेवा करता रहूंगा। आप सभी का पुनः आभार व्यक्त करता हूँ।

महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने कहा कि महासभा के पुरोधाओं और महापुरुषों ने, महासभा का गठन करते समय जो इसका नाम अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा ,क्या सोच कर रखा था , इसके बारे में हमें मालूम नहीं है, लेकिन यह सिर माथे पर है और मैं समझता हूँ कि यह पूर्वजों की भावी सोच का ही परिणाम था। उन्होंने जांगिड समाज की प्रतिष्ठा को कायम करने के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और आखिर में वह इस समाज की प्रतिष्ठा और गरिमा को द्विगुणित करने में सफल रहे। मैं उनके तप और त्याग की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ। उन्होंने कहा कि हम भी चाहते हैं कि पत्रिका के अन्दर वाले पेजों पर सुथार समाज का नाम जोड़ा जाए, लेकिन इसके बारे में, महासभा के अधिवेशन में, सुथार समाज का नाम जोड़ने पर विचार किया जाएगा। क्योंकि महासभा बड़ी है और हर कोई इससे जुड़ना चाहता है। उन्होंने कहा वास्तव में जांगिड - सुथार समाज एक ही है और हमारे आपस में एक दूसरे से रिश्ते हो रहें हैं। इस बारे में कोई भी आपस भ्रम नहीं होना चाहिए, वास्तव में हम एक ही हैं और जांगिड-सुथार समाज को आपस में मिलकर सामंजस्य बनाए रखते हुए ही आगे बढ़ने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए तभी हमारे समाज की वास्तविक प्रगति सुनिश्चित हो सकती है।

राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पवार ने त्रैमासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुझे ऐसे समाज पर गर्व है , जो समाज पर जो शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पर्यटनशील है और जो समाज शिक्षा को विशेष रूप से बढ़ावा दे रहा है और यह मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि ऐसा समाज कभी भी पिछड़ा नहीं रह सकता है। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ, समाज में परिव्याप्त कुरीतियों को भी दूर करने के लिए आगे आए , तभी हम समाज की वास्तविक प्रगति को सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने समाज में 200 रुपए वाले सदस्यों को वोटिंग का अधिकार देने के साथ-साथ, महासभा द्वारा प्रदेश सभाओं को उनके हिस्से की सदस्यता राशि देने की भी मांग की और प्रधान रामपाल शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष से 200 रुपए वाले सदस्यों की सूची शीघ्र ही भेजने की मांग की और विश्वास दिलाया की महासभा समाज को जोड़ने में विश्वास रखती है तोड़ने में नहीं। समाज ने अपनी प्रतिबद्धता के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है।

हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने महासभा की त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए, उद्योगपतियों से अपील की है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर कम से कम एमबीबीएस एक एक छात्र एवं छात्रा को गोद लेकर उनकी शिक्षा की उचित व्यवस्था करें और ऐसा सौभाग्यशाली छात्र जीवन भर उस उधोगपति का ऋणी होकर रहेगा और वह आपकी प्रॉपर्टी में से भी, कोई हिस्सा नहीं मांगेगा। उन्होंने याद दिलाया कि जिस समय सन 2022 में, मैं प्रदेश अध्यक्ष बना था, उस समय मैंने प्रदेश के लोगों से वायदा किया था कि प्रदेश में, 10 वीं और 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत और अधिक अंक हासिल करने वाले, विद्यार्थियों को हर साल सम्मानित किया जाएगा और पिछले तीन सालों से प्रदेश के 90% से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है। पिछले महीने ही 12 नवंबर को भी, धारूहेड़ा में समाज के 140 मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया था और प्रत्येक बच्चे को अढाई-अढाई हजार रुपए का एक चेक दिया गया था और इसके अतिरिक्त 3 एमबीबीएस छात्राओं को 50-50 हजार रुपए के चेक भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त जो भी, राशि बची हुई थी, उस राशि में से भी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर 53 मेधावी विद्यार्थियों को, 5000 रुपए प्रति विद्यार्थी के हिसाब से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को सहायता दी गई ताकि उनको एक संबल मिल सके। हरियाणा प्रदेश में , महासभा के लगभग 24000 सदस्य हैं और प्रदेश में लाखों की संख्या में समाज बंधु रहते हैं और वह प्रदेश अध्यक्ष से यही उम्मीद रखते हैं कि कोई कांटा भी लग जाए तो प्रदेश अध्यक्ष, उसकी सहायता करने के लिए आगे आए।उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा को सुझाव दिया कि महासभा परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए,प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से होने की

अपेक्षा, चुनाव करवाए जाएं, प्रतिस्पर्धा के कारण ही महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़ेगी और यह अवसर चुनाव के माध्यम से ही संभव होगा, क्योंकि चुनाव के समय में सभी उम्मीदवार अपने स्तर पर सदस्यों को जोड़ने का हर सम्भव प्रयास करते हैं।

महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नानू राम जांगिड ने कहा कि महाराष्ट्र में, प्रदेश सभा का भवन बनाने के लिए इसकी भूमि खरीदने का दायित्व जांगिड रत्न मोहन लाल दायमा के मार्ग दर्शन में, नाशिक जिला सभा के पदाधिकारियों को सौंपा गया है और मुझे विश्वास है कि इसका परिणाम शीघ्र ही सामने आएगा और जल्दी ही इसके बारे में खुशखबरी मिलेगी। उन्होंने प्रदेश सभा को 50 लाख रुपए देने की घोषणा की थी और इसमें से 26 लाख रुपए की राशि पहले ही प्रदेश सभा के खाते में जमा करवाई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही समाज की विधवाओं की भी 10 हजार रुपए महीना प्रदान करके उनको आर्थिक संबल प्रदान करके उनकी भरपूर मदद की जा रही है।

इस समारोह का मंच का कुशल ढंग से संचालन मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, सुरेन्द्र वत्स और मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने किया। उन्होंने मिलकर इसकी क्रमबद्धता और तारतम्य को मनोहारी और कुशल पूर्वक तरीके से बनाए रखते हुए अपनी अमिट छाप छोड़ी। **गुजरात प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीमा शर्मा को, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई** और महिलाओं का आह्वान किया कि वह अधिक से अधिक संख्या में महासभा से जुड़ने के साथ ही अपने बच्चों को बेहतर संस्कार प्रदान करें ताकि वह भविष्य में शिक्षा ग्रहण करके समाज का नाम गौरवान्वित कर सकें।

महासभा की त्रैमासिक बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के पूर्व अध्यक्ष कैलाश बरनेला,महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता शर्मा, समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, कानूनी सलाहकार सुरेंद्र वत्स, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश जांगिड और पूर्व युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल शर्मा, जांगिड रतन मोहनलाल दायमा , महासभा के कोर कमेटी के सदस्य एडवोकेट पुखराज जांगिड, कोर कमेटी के सदस्य पी डी शर्मा देवास, मध्य प्रदेश प्रभारी रत्न लाल लाडवा,आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स ,मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नानू राम जांगिड, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, गोवा प्रदेश अध्यक्ष जसाराम आसलिया, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, गुजरात महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीमा शर्मा, प्रदेश मंत्री मानाराम सुथार, कोषाध्यक्ष पप्पू राम सुथार, मुख्य चुनाव अधिकारी बनवारी लाल जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कांतिलाल शर्मा और रामावतार जांगिड, राजस्थान फाउंडेशन के संयुक्त सचिव पेपाराम सुथार, सम्पादक जटा शंकर शर्मा, गुजरात प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष कैलाश जांगिड महासभा के मिशन डेढ़ लाख प्रभारी, रामजीलाल जांगिड, राजनैतिक प्रकोष्ठ के सलाहकार, रतनलाल जांगिड, मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष माया शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की महासचिव मीनू शर्मा, महासभा के,उप प्रधान राधेश्याम रेनवाल और रामस्वरूप खटवाडिया चौमु, संगठन मंत्री रामेश्वर लाल हरसोलिया, प्रचार मंत्री रक्षपाल जांगिड खाटूश्याम, संगठन मंत्री कजोड़मल शर्मा जयपुर, केदारमल जांगिड खाटूश्याम, महाराष्ट्र प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष रोहिताश जांगिड, उपप्रधान नांदेड़ से प्रहलाद मदनलाल जांगिड, वीरेंद्र जांगिड कैमला, रायमल जांगिड, मनीष जांगिड हरियाणा प्रदेश सभा के महासचिव विजय शर्मा, शामिल हैं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

मध्य प्रदेश में सभी जिलाअध्यक्षों निर्विरोध निर्वाचन- एक कीर्तिमान स्थापित किया।

मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि मध्यप्रदेश के समाज के लोगों में सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव तथा सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने और समाज में आपसी समन्वय बनाए रखने के उद्देश्य से, मध्य प्रदेश के सभी 25 जिलों में जिला अध्यक्षों के निर्विरोध चुनाव करवाकर एक कीर्तिमान स्थापित किया गया है और यह देश में पहला प्रदेश है ,जहां पर सभी 25 जिलाध्यक्षों के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए हैं और इसके साथ ही आज के इस आयोजन में, मध्यप्रदेश से महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं की भागेदारी 60 प्रतिशत रही और इसके लिए श्रीमती माया शर्मा बधाई की पात्र है।

प्रभू दयाल बरनेला ने अपने उद्बोधन में यह विचार 7 दिसम्बर को नडियाद में, महासभा की त्रैमासिक बैठक और गुजरात प्रदेश सभा के शपथ ग्रहण के अवसर पर आयोजित समारोह में, लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाज में कई बार आपस में अनावश्यक रूप से विवाद और मतभेद पैदा हो जाते हैं। कई बार भाई-भाई में सम्पत्ति बटवारा और पति-पत्नी में अनावश्यक रूप से मतभेद पैदा हो जाते हैं तो ऐसे मतभेदों के निवारण के लिए, मध्य प्रदेश में, प्रदेश स्तर पर एक कमेटी का गठन किया गया है और इसके सुखद परिणाम मिलने लगे हैं। प्रदेश में समाज उत्थान के लिए शिक्षा को सर्वाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है और इतना ही नहीं, जांगिड समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की, समाज के भामाशाहों के सहयोग से आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है और इस सार्थक पहल से ही, समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। प्रधान रामपाल शर्मा ने भी आजीवन ,महासभा को 2.50 लाख रुपए मासिक देने की घोषणा की है और इसी प्रकार इन्दौर के युवा असीम शर्मा ने भी ,शिक्षा के लिए 1 लाख रुपए वार्षिक आजीवन देने की घोषणा की है। उन्होंने दान दाताओं से अपील की है कि वह महासभा के क्यू आर कोड के माध्यम से भी अपनी श्रद्धानुसार दान कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महासभा की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के भी सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा और गुजरात के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जांगिड के साथ मिलकर, अथक प्रयास करते हुए समाज के भामाशाहों को महासभा के साथ जोड़ने का प्रयास किया है और महासभा के उच्चतम श्रेणी के एक-एक लाख रुपए के 14 प्लैटिनम सदस्य बनने के साथ ही, एक लाख 50 हजार के रुपए के आर्थिक सहयोग की भी घोषणा की गई है। महासभा प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा, इन दानदाताओं का स्वागत करते हुए उन सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया गया। मध्य प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ द्वारा, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा और अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड का , भावभीना स्वागत करते हुए ,उनको स्मृति चिह्न और धार्मिक ग्रंथ देकर सम्मानित किया गया। प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि उन्होंने 6 दिसम्बर को नडियाद में हुई प्रदेश अध्यक्षों की बैठक में, प्रदेश अध्यक्षों को, जिला सभा ,तहसील सभा ,शाखा सभा द्वारा संविधान के विरूद्ध कार्य करने पर,अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार दिये जाने का मुद्दा भी बड़े ही जोर शोर से उठाया गया था और इसके साथ ही जिला सभा चुनाव में व्यवस्था शुल्क नगद की जगह डिमांड ड्राफ्ट लेने का भी निवेदन किया गया था। **उन्होंने कहा कि पत्रिका प्रकाशन के लिए प्रदेश अध्यक्षों,जिला अध्यक्षों व अन्य महासभा के संरक्षक सदस्यों को मांग के अनुसार पत्रिका भेजने का सुझाव दिया गया और इसके साथ ही डब्ल्यू पी,सदस्यों को जल्द से जल्द ग्रुप बनाकर सभी सदस्यों को डिजिटल पत्रिका भेजने काभी सुझाव भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में,भविष्य में महासभा का 2100 रुपए का सदस्य बनने वालों को भी, डिजिटल पत्रिका देने का सुझाव दिया गया।**

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ अध्यक्ष,अमरा राम जांगिड, पूर्व महासभा प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सविता शर्मा, अनेक प्रदेश अध्यक्ष, महासभा के कोर कमेटी और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों सहित, मध्यप्रदेश के जिन प्रतिष्ठित महानुभावों ने इस समारोह की शोभा बढ़ाई में सहयोग दिया,उनमें, प्रमुख रूप से महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, प्रदेश प्रभारी रतन लाडवा इन्दौर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कोर कमेटी सदस्य पीडी शर्मा देवास, मीडिया प्रभारी, मध्य प्रदेश सभा धर्मेन्द्र पिपलोदिया,मध्य प्रदेशसभा के उप प्रधान सुशील कुमार (मुन्नाभाई) इन्दौर,उप प्रधान गिरधारी लाल जांगिड खरगोन, शिवपाल शर्मा बेटमा, मंदिर अध्यक्ष राकेश शर्मा देवास, राधेश्याम पांचाल, हरिओम शर्मा देवास, देवास जिलाध्यक्ष पप्पू शर्मा,नेमी चन्द शर्मा, उप प्रधान रमेश शर्मा उज्जैन, महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष जीवनबाला शर्मा इंदौर, जिला अध्यक्ष मीना शर्मा ,उज्जैन जिला अध्यक्ष अनिता शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनीता शर्मा, सुमन बड़वाल ,मुख्य सलाहकार संगीता आसदेवा, प्रभारी सीमा शर्मा, मंत्री पारुल शर्मा और कार्यकर्ता सीमा शर्मा उज्जैन शामिल हैं।

मध्य प्रदेश सभा के, मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र पिपलोदिया

महासभा की स्थापना के 119 वें स्थापना दिवस और इसके गौरवपूर्ण इतिहास के लिए अन्त:करण से बधाई।

महासभा के पूर्व प्रधान, कैलाश बरनेला।

मुझे अपनी महासभा के 118 वर्षों के स्वर्णिम इतिहास पर गर्व है और महासभा रुपी जो पौधा 27 दिसम्बर 1907 को अजमेर में लगाया था और इस महासभा के पहले प्रधान नत्थू लाल शर्मा बने ,जो 27 दिसम्बर 1907 से 31 मई 1908 तक महासभा के प्रधान रहे। महासभा की स्थापना करने वाले ऐसे ही समाज हितेषी सोच रखने वाले महापुरुषों ने की थी। आज महासभा की शाखाएं देश के कौनै कौने में फैली हुई हैं और समाज की प्रगति का रास्ता प्रशस्त कर रही हैं। महापुरुषों द्वारा की गई, महासभा की परिकल्पना से ही ,एक ऐसे समाज की मूर्त साकार हो उठती हैं, जिन्होंने सदियों तक भेदभाव का दंश झेलते हुए, न्यायालय का सहारा लेकर इस समाज की प्रतिष्ठा और गौरव को चार चांद लगाने का काम किया है। किसी भी महासभा या ट्रस्ट की स्थापना करने का मूल उद्देश्य समाज की भलाई के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करना है और यह सहज और स्वाभाविक ही है कि, महासभा की स्थापना के समय भी, उनके सामने समाज उत्थान का लक्ष्य ही था। इस यात्रा के दौरान सहज रूप से ही, उन सभी महापुरुषों को, असंख्य कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अन्तोत्तगतवा वह अपने उद्देश्य में सफल रहे।

ऐसा ही एक गौरवपूर्ण इतिहास महासभा अपने गर्भ में छिपाए हुए है, महासभा का 118 वर्षों का गौरवपूर्ण इतिहास और इसकी स्थापना की परिकल्पना में, इतना लम्बा गौरवपूर्ण इतिहास है। मैं महासभा के उन सभी महापुरुषों को नमन करता हूँ, जिनकी त्याग तपस्या और साधना के कारण ही महासभा ने अपने 118 वर्षों के लम्बे कार्यकाल में, समाज के सभी लोगों ने मिलकर, इस महायज्ञ में अपनी आहूति डाली है। **वास्तव में यह समय जांगिड समाज के उत्थान एवं विकास की परिकल्पना करने वाले महानुभावों के लिए एक संघर्ष का समय था और जैसा कि विदित है कि कुन्दन अग्नि में तप कर ही सोना बनता है और समाज के महापुरुषों ने अपने तप और त्याग से ही इसी साधना के बल पर यहां तक पहुंचाया है।** एक ऐसा समय भी था, जिस समय देश में परिवहन संसाधनों का अभाव था और न ही लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी बेहतर थी, उस समय समाज को एक छत्री के नीचे लाकर खड़ा करना कितना दुष्कर कार्य था और लेकिन उन महापुरुषों के होंसले और जज्बे ने यह सिद्ध करके दिखलाया। समाज की उन महान विभूतियों ने जो महासभा रुपी वट वृक्ष उस समय लगाया गया था, उसकी छाया में बैठकर आज हम आनन्द की अनुभूति महसूस कर रहें हैं।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने, कहा कि उस समय समाज के एक तपस्वी और साधु प्रवृत्ति के धनी डॉ इन्द्रमणी शर्मा और समाज सुधारक गुरु देव जयकृष्ण मणीठिया ने सरकारी नौकरी छोड़ कर समाज सेवा को ही अपना मिशन बना लिया था और यह उक्ति वास्तव में चरितार्थ करके दिखलाई समाज के उत्थान की उज्ज्वल अभिलाषा को अपने मन में आत्मसात किए हुए , डॉ इन्द्रमणी शर्मा, पंडित पाला राम शर्मा और गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया ने, जिनको महासभा की स्थापना के लिए प्रथम प्रेरक का सम्मान दिया गया है। जिस समय हम आज से लगभग 125 वर्ष पीछे मुड़कर देखते हैं तो उस समाज के उत्थान की परिकल्पना क्षीतिज के पटल पर शून्य नजर आती थी। लेकिन मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, **समाज के उन महापुरुषों और उन अमर चितेरों का ,जिनकी समाज सुधार की परिकल्पना ने , उसमें, रंगों को भरना शुरू कर दिया और उनकी इस योजना को मूर्त रूप लेना शुरू हुआ सन् 1900 में जिस समय पंजाब के ठेकेदार पंडित पाला राम जांगिड, उस समय डाक्टर इन्द्रमणी शर्मा से लखनऊ मिलने गए और इसके साथ ही महान समाज सुधारक अंगिरा कुलभूषण ऋषि गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया और डॉ डालचंद शर्मा ने भी मिलकर अथक परिश्रम और पुरुषार्थ तथा प्रयास किया जिसका परिणाम आज सभी लोगों के सामने है।**

जांगिड ब्राह्मण महासभा की स्थापना 27 दिसम्बर सन् 1907 को हुई थी और इस महासभा के पहले प्रधान, जाति रत्न और समाज सेवा की उत्कट अभिलाषा से अभिप्रेरित अजमेर के पंडित नत्थू लाल शर्मा बने। इस महासभा रुपी महायज्ञ में इसकी स्थापना से लेकर आज तक अपनी आहूति डालने तथा सहभागिता सुनिश्चित करने वाले सभी, महानुभावों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और इसके साथ ही मैं, उन सभी महानुभावों की भी , मुक्त कंठ से प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने ऐसी विकट परिस्थितियों में भी हमारे समाज के उन पुरोधाओं को, समाज को एकता के सूत्र में बांधने का ख्याल कैसे , उनके मन-मस्तिष्क में कौंधने लगा और ऐसे विचार किसकी प्रेरणा और कहां से आए। **जिस समय मनुष्य को जीवन यापन करने के लिए दो टाईम की रोटी कमा पाना भी बड़ा ही दुष्कर था, उस समय उनकी इस सदाशयता और उदारता के लिए यह समाज सदैव ही उनका ऋणी रहेगा।** महासभा की सन 1907 में स्थापना के बाद प्रथम अधिवेशन सन् 1909 में पटिकरा नारनौल में आयोजित किया गया जिसमें गुरु देव जयकृष्ण मणिठिया को , इस अधिवेशन में पहली बार मन्त्री बनाया गया था और उसके पश्चात वह अनेक अधिवेशनों के वह प्रधान भी बने और उनके मार्गदर्शन में सन् 1947 तक महासभा के सम्पूर्ण कार्य निर्बाध गति से गतिमान रहे और वास्तव में **यह समय जांगिड समाज के लिए एक स्वर्णिम युग था और उनके मार्गदर्शन में शाखा सभाओं का विस्तार, संगठन का प्रसार , जातीय श्रेष्ठता की स्थापना की लड़ाई, सामाजिक साहित्य की खोज एवं प्रकाशन, न्यायायिक लडाई, सामाजिक प्रतिष्ठानों का निर्माण एवं अधिवेशनों की व्यवस्था इत्यादि ऐसे महत्वपूर्ण कार्य उनके मार्गदर्शन में समपन्न किए गए।**

गुरु देव जयकृष्ण मणिठिया के प्रयासों का ही यह फल था कि 4 अप्रैल 1919 को सरकार से महासभा का रजिस्ट्रेशन करवाया गया और **गुरुदेव पंडित जयकृष्ण मणिठिया के कार्यकाल में महासभा के कुल 19 अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए और देश के कोने - कोने में संगठन की शाखाएं और प्रांतों में संपन्न समारोह से समाज में आशातीत एकता बनी। महासभा के राजस्थान के हिण्डोन अधिवेशन में, समाज ने गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया को गुरुदेव की उपाधि देकर विभूषित , सम्मानित और अलंकृत किया** । वह जांगिड समाज की **एक ऐसी महान विभूति थे, जिन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में केस दायर करके इस जांगिड समाज को ब्राह्मणत्व का दर्जा दिलवाया और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए ही , उसके आलोक में , यह समाज आज तक निरन्तर प्रगति की और अग्रसर है।**

अंगिरा कुलभूषण और क्रान्तिकारी विचारों के संवाहक गुरु देव जयकृष्ण मणिठिया की तपोस्थली बांकनेर दिल्ली रहा है। उनका जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सन 1877 में बांकनेर ग्राम दिल्ली में हुआ तथा इसीलिए उनका नाम भगवान श्री कृष्ण के नाम पर ही "जयकृष्ण" पड़ा। **समाज सेवा में गुरूदेव जी की बचपन से ही अधिक अभिरुचि होने के कारण उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ कर फोटोग्राफी को अपनी आजीविका का साधन बना कर तन मन धन से समाज के प्रति समर्पण की भावना से कार्य करने लगे। उनके द्वारा समाज हित में एकता की अलख जगाने के साथ-साथ उन्होंने समाज सुधार का जो मूलमंत्र दिया** और उनके द्वारा समाज सुधार के जो उत्कृष्ट कार्य किए गए उन पर आज चिंतन करने की जरूरत है। **महासभा को अपनी एक विशेष पहचान दिलवाने के लिए गुरुदेव के प्रयासों से ही 4 अप्रैल 1919 को महासभा का रजिस्ट्रेशन हुआ।**

गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया ने जहां **भगवान विश्वकर्मा के साहित्य का सृजन किया और जांगिड समाज के 18 गौत्रकार ऋषि व 1444 शासन की अमूल्य धरोहर को खोज कर गौत्रावली का भी प्रकाशन किया।** इसी प्रकार **ढोल की पोल, भीमसेन शर्मा से दो बातें भगवान विश्वकर्मा देव की कथा, विश्वकर्मा कुलदीपक, विश्वकर्मा धर्म पत्रिका आदि उनकी प्रमुख रचनाएं हैं** । महासभा की तरफ रुझान बढ़ने पर गुरुदेव ने- **गागर में सागर- महासभा की रूपरेखा- आदि साहित्य का सृजन किया। ज्योतिष शास्त्र, तकनीकी ज्ञान, बिजली की मशीन, शिल्पज्ञान के साथ उन्होंने ईश्वरोपासना नामक पुस्तक भी लिखी।** दिल्ली की **अदालत का जो फैसला समाज हित में आया था उसको भी प्रकाशित करवाया गया ताकि समाज के लोग ब्राह्मणत्व के बारे में वास्तविकता के साथ साथ सच्चाई को जान सकें।** जांगिड समाज को ब्राह्मणत्व का स्थान दिलवाने लिए **गुरुदेव ने अनेक शास्त्रार्थ किए जिसमें अनेक प्रकांड पंडितों और विद्वानों को हराकर विजय प्राप्त की।**

गुरुदेव जी का एक और अनुकरणीय अनूठा प्रयास यह रहा कि **सन् 1921 में जिस समय देश की जनगणना हो रही थी उस समय पहली बार सरकारी रिकॉर्ड में जांगिड ब्राह्मण शब्द लिखवाने वाले तथा पंजाब जोधपुर जयपुर पटियाला में तथा बीकानेर जींद आदि रियासतों में सरकारी रिकार्ड में जांगिड ब्राह्मण शब्द लिखने के आदेश निकलवाने वाले गुरुदेव ही थे ।** उन्होंने ही जांगिड ब्राह्मण समाज को जनेऊ पहनने का अधिकार दिलवा कर इस समाज को कृतार्थ किया।

महासभा के इतिहास के इस लम्बे सफ़र में अपनी लेखनी और असीम प्रतिभा के धनी महासभा के पूर्व प्रधान पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज ने भी किया, वह महासभा के 17 वें प्रधान सन 1968 में बने और 12 साल तक प्रधान और लगभग 10 वर्षों तक सम्पादक भी रहे और उन्होंने भी अनेक पुस्तकें लिखी और गुरु देव जयकृष्ण मणीठिया के कार्यों को आगे बढ़ाने का काम किया। इस बीच महासभा के 38 प्रधान हुए हैं और रामपाल शर्मा महासभा के 38 वें प्रधान 3 जनवरी 2022 को बनें हैं और दूसरी बार 8 दिसम्बर 2024 को प्रधान बने हैं। आज तक के सभी प्रधानों ने, समाज हित को ध्यान में रखते हुए ही, समय के अनुसार निर्णय लिए हैं। महासभा के भवन निर्माण की परिकल्पना जहां तत्कालीन प्रधान कैलाश बरनेला द्वारा की गई थी और उन्होंने ही, महासभा भवन के लिए भूमि खरीदी और भूमि पूजन करवाया और तत्कालीन प्रधान रविशंकर शर्मा और नेमीचंद शर्मा ने इसे आगे बढ़ाने का काम किया और महासभा के मुण्डका भवन के निर्माण का कार्य प्रधान रामपाल शर्मा के समय में पूरा हुआ और इसका उद्घाटन 7 सितंबर 2023 को गणेश चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में किया गया। **मेरा कहने का अभिप्राय यह है कि इस दुर्गम सफर में समाज के लोगों का अनवरत रूप से सहयोग जारी रहा और मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी महासभा परिवार का कारवां इसी प्रकार से आगे बढ़ता रहेगा। मैं महासभा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।**

इसलिए 27 दिसम्बर 2025 को, महासभा की स्थापना के 118 वर्ष पूरे होने पर, समाज के लोगों को यह संकल्प लेना चाहिए कि जिन महापुरुषों ने, अपने तप और त्याग से इस महासभा को यहां तक पहुंचाया है। आज हम सबको मिलकर, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में, समाज के उन महापुरुषों के सपनो को साकार करने का संकल्प लें और यह प्रतिज्ञा लेनी होगी कि, जो कार्य महासभा के पहले प्रधान, अजमेर के नत्थू लाल शर्मा ने शुरू किए थे, उस कारवे को महासभा के 38 वें प्रधान रामपाल शर्मा सहित सभी प्रधानों ने अपने-अपने समय में आगे बढ़ाते हुए, आज यहां तक पहुंचाया है। मैं महासभा की स्थापना के 119 वें स्थापना दिवस की महासभा परिवार को पुनः पुनः बधाई देता हूँ।

विपुल धन्यवाद।

****

महासभा के पूर्व प्रधान

पं. नत्थू लाल
अजमेर, राजस्थान
27-12-1907 से 31-05-1908

पं. राम नारायण शर्मा,
अजमेर, राजस्थान
01-06-1908 से 05-05-1910

पं. देवकी नंदन
अजमेर, राजस्थान
06-05-1910 से 28-12-1913

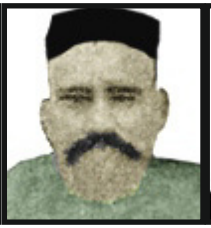

पं. जमुना दास
भाड़ावास, हरियाणा
29-12-1913 से 29-11-1918

पं. डाल चंद शर्मा
जहांगीराबाद, यूपी
30-11-1918 से 25-06-1920

राय बहादुर पं. छज्जू सिंह
खेड़ा वाले, झाँसी, उ.प्र
26-06-1920 से 21-06-1924

पं. डाल चंद शर्मा
जहांगीराबाद, यूपी
22-06-1924 से 22-06-1925

राय बहादुर पं. छज्जू सिंह
खेड़ा वाले, झाँसी, उ.प्र
23-06-1925 से 31-01-1927

पं. डाल चंद शर्मा
जहांगीराबाद, यूपी
01-02-1927 से 29-09-1930

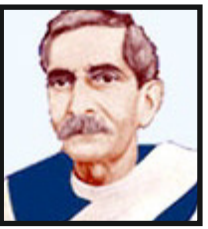

पं. जय कृष्ण मणीठिया
दिल्ली
30-09-1930 से 14-10-1934

राय बहादुर पं. छज्जू सिंह
खेड़ा वाले, झाँसी, उ.प्र
15-10-1934 से 29-12-1935

पं. दीन दयाल शर्मा
दिल्ली
30-12-1935 से 11-10-1937

पं. के एल शर्मा
रेवाडी, हरियाणा
12-10-1937 से 31-05-1939

पं. मूलचंद शर्मा
दिल्ली
01-06-1939 से 08-10-1940

पं. ओमदत्त शास्त्री
गाजियाबाद, यूपी
09-10-1940 से 23-09-1941

पं. मूलचंद शर्मा
दिल्ली
24-09-1941 से 13-10-1942

पं. जय नारायण शर्मा
परतापुर, राज.
14-10-1942 से 23-09-1944

पं. गोकल नारायण (एडवोकेट)
जयपुर, राज.
24-09-1944 से 31-10-1944

पं. मूलचंद शर्मा
दिल्ली
01-11-1944 से 8-10-1949

पं. कृष्ण लाल शास्त्री
दिल्ली
19-10-1949 से 24-11-1951

महासभा के पूर्व प्रधान

पं. छोटेलाल शर्मा अजमेर, राजस्थान
25-11-1951 से 24-12-1955

पं. महादेव प्रसाद शर्मा नवलगढ़ वाले, कोलकाता
25-12-1955 से 21-04-1958

पं. छोटेलाल शर्मा अजमेर, राजस्थान
22-04-1958 से 12-10-1968

पं. आनंद स्वरूप भारद्वाज, रोहतक,हरियाणा
13-10-1968 से 25-10-1980 तक

पं. ओमदत्त शास्त्री गाजियाबाद, यूपी
26-10-1980 से 25-12-1984

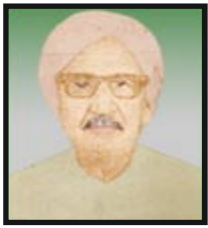

पं. मांगे राम शर्मा, दिल्ली
26-12-1984 से 30-04-1986

पं. छुन्ना शर्मा लाल, दिल्ली
01-05-1986 से 21-01-1989

पं. वासुदेव शर्मा दिल्ली
22-01-1989 से 13-03-1993

पं. सुल्तान सिंह जांगिड दिल्ली
14-03-1993 से 23-12-1995

पं. भैरोंबक्ष चोयल अजमेर, राज.
24-12-1995 से 24-04-1999

पं. बृज किशोर शर्मा मुंबई, महाराष्ट्र
25-04-1999 से 14-05-2005

पं. गणपत लाल जांगिड बोरसद, गुजरात
15-05-2005 से 09-08-08

पं. हीरा लाल शर्मा, बड़वानी, मप्र
10-08-08 से 15-01-2011

पं. कैलाश चंद्र शर्मा, इंदौर, मप्र
15-01-2011 से 16.12.2017

पं. रविशंकर शर्मा जांगिड जयपुर, (राजस्थान)
18-12-2017 से 20-12-2020 तक

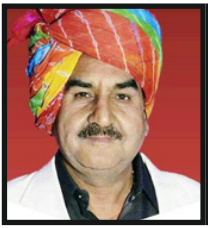

पं. नेमीचंद गुगरिया, गांधीधाम, (गुजरात)
21-12-2020 से 05-07-2021

पं. फूल कुमार शर्मा, दिल्ली, (कार्यवाहक प्रधान)
06-07-2021से 02-01-2022

पं. रामपाल शर्मा, सोडावास, बेंगलुरु, (कर्नाटक)
03-01-2022 से निरंतर

जांगिड समाज के कोहिनूर , महासभा पूर्व प्रधान पं आनन्द स्वरूप भारद्वाज का 101 वां जन्म दिवस मनाया गया

जीवन में कुछ ऐसी महान विभूतियां होती हैं, जो अपने अनुकरणीय कार्यो के माध्यम से लोगों के हृदय में , अपनी एक अमिट छाप छोड़ जाते हैं और इसका सजीव, ज्वलंत और जीवन्त उदाहरण थे, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी तथा उर्दू भाषाओं के प्रकाण्ड पंडित, समाज के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत, समाज में चेतना की अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित करने वाले, महान् विचारक और मूर्धन्य लेखक, एक महान व्यक्तित्व के धनी ,निष्काम कर्मयोगी और कर्तव्य निष्ठ **पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज, जो, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के सबसे लम्बे समय, 12 साल तक, प्रधान रहने के साथ-साथ ही लगभग 10 वर्षों तक , समाज की प्रतिष्ठित जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के सम्पादक भी रहे और अपनी विलक्षण प्रतिभा और दक्षता के कारण ही, उन्होंने दोनों महत्वपूर्ण दायित्वों का साथ-साथ, भलीभांति निभाने का गौरव भी हासिल है।** ऐसी महान विभूति का नाम सामने आते ही मेरे सामने एक ऐसा चेहरा दृष्टिगोचर होता है , **जो, मृदु व्यवहार और विनम्र स्वभाव से परिपूर्ण होने के साथ ही, शालीनता ही जिनका अमूल्य गहना था, जिनसे मैंने, पहली बार संस्कृत भाषा सीख कर, संस्कृत भाषा में, स्नातकोत्तर हिंदी की परीक्षा में बेहतर अंक हासिल किए थे।**

कुर्सियों पर बैठे हुए पहली पंक्ति- श्री माँगे राम जी, श्री चेत राम जी, श्री प्रेमराज शर्मा (सिल्वर जुबली के अध्यक्ष) श्री जीतराम जी, श्री भैराम जी, श्री चन्दू लाल जी, श्री अंगनाराम जी

कुर्सियों पर बैठे हुए दूसरी पंक्ति- श्री टेकचन्द जी, श्री हरि सिंह जी, श्री रामनारायण जी, श्री जागे राम जो, श्री हरी राम जी,

खड़े हुए- श्री आनन्द सरूप (मैनेजिंग कमेटी के अध्यक्ष) श्री सुन्दरलाल जी, श्री पूर्ण मल जी, श्री निहाल चन्द जी, श्री लक्ष्मी नारायण जी शर्मा,श्री बाबु लोक मनी जी स्कूल के मैनेजर

समाज के ऐसे देदीप्यमान कोहिनूर हीरे, पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज का जन्म 8 दिसम्बर 1924 को, पिता पंडित शिवलाल भारद्वाज और माता श्रीमती भरता देवी भारद्वाज के घर रोहतक में, एक साधारण परिवार में हुआ और **माता-पिता ने उनको उदात्त संस्कारों से परिपूर्ण किया और यही कारण है कि विलक्षण प्रतिभा के धनी होने के साथ ही, वह एक योग्य माता-पिता की एक योग्य सन्तान भी थे । लेकिन दुर्भाग्यवश 13 वर्ष की आयु में उनके सिर से, पिता का संरक्षण छिन गया, लेकिन उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत और अदम्य साहस का परिचय देते हुए , जीवन में कभी भी हार नहीं मानी और निरन्तर अपने लक्ष्य को हासिल करके सफलता हासिल करते रहे। उन्होंने 10वीं कक्षा प्रथम श्रेणी में पास की और फिर प्रभाकर, एफ ए, स्नातक तथा स्नातकोत्तर की परीक्षाओं सहित सभी कक्षाओं को भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया।** और प्रभाकर तथा स्नातकोत्तर की परीक्षा में तो **उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान हासिल किया, जो उनकी अद्वितीय और विलक्षण प्रतिभा का द्योतक है। उन्होंने वेद, पुराण, उपनिषद, दर्शन शास्त्र, जैन व बोद्ध धर्म ग्रंथों का गहन अध्ययन करते हुए, कानून एवं इतिहास में भी पारंगतता हासिल की थी और सदैव ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया** और **जीवन के इस सफर में उनकी अर्धांगिनी श्रीमती श्याम प्यारी देवी भारद्वाज ने, कदम-कदम पर उनका साथ दिया और यही कारण है कि वह प्रत्येक क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने में सफल रहे।**

मैंने श्रद्धेय **आनन्द स्वरूप भारद्वाज के निष्काम कर्म योग के सिद्धांत और पुरुषार्थ के अचूक मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए ही, उसे अपने जीवन में अक्षरशः उसे लागू करने का प्रयास किया है।** और मुझे गर्व है कि उनके द्वारा दिखलाए गए रास्ते पर चलकर ही **मुझे, हरियाणा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में, सबसे बड़े विभागीय पद, अतिरिक्त**

निदेशक और परियोजना निदेशक के पद पर पहुंचने का गौरव हासिल हुआ, क्योंकि इस पद पर केवल आई ए एस अधिकारियों की ही नियुक्ति होती है। आनंद स्वरूप भारद्वाज ने मुझ से कहा था कि **यह जरूरी नहीं है कि आप अधिक पढ़ लिख कर , एक बड़े अधिकारी बनो, बल्कि आपके लिए यह सबसे जरूरी है कि आप अपना, अमूल्य समय समाज को देकर उसे आगे बढ़ाने का कितना काम करते हैं ताकि समाज आगे बढ़ सके।** आनंद स्वरूप भारद्वाज द्वारा दिए गए इस गूढ उपदेश को आत्मसात करते हुए ही, हमने मिलकर, चंडीगढ़ में सरकारी नौकरी के दौरान ही, **जांगिड ब्राह्मण सभा चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली का गठन किया, जो एक रजिस्टर्ड सभा है और मुझे, इस सभा का फाउंडर सदस्य होने के साथ ही, इस सभा का 5 साल तक प्रधान रहने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ** और **सभा का भवन बनाने के लिए मेरे कार्यकाल के दौरान ही, प्रधान रहते हुए, हरियाणा सरकार से धार्मिक संस्थाओं के लिए , पंचकूला में, हरियाणा सरकार से एक 800 वर्ग गज का प्लॉट लिया गया और समाज के सभी लोगों तथा हरियाणा सरकार के सहयोग से इस प्लाट पर एक भव्य भवन का निर्माण किया गया है ।**

जांगिड ब्राह्मण महासभा कार्यसमिति

बैठे हुये बांये से—सर्व श्री छुन्नालाल ठेकेदार हलद्वानी, रूपकिशोर शर्मा दिल्ली, छीतरमल शर्मा मोदीनगर (उपप्रधान) मुरलीधर शर्मा नारनौल (उपप्रधान) आनन्दस्वरूप भारद्वाज रोहतक प्रधान, पीथाराम शर्मा फतेहपुर (उपप्रधान) भगवानदास शर्मा बहादुरगढ़, रामचन्द्र शर्मा दिल्ली खड़े हुये—सर्व श्री सोहनलाल गोगोरिया जयपुर, प्रेमदत्त शर्मा दिल्ली (उपसंपादक) वासुदेव शर्मा (मंत्री) आर. डी. शर्मा दिल्ली, किरोड़ीमल शर्मा दिल्ली, हरिराम शर्मा रोहतक (उपमंत्री)

सत्यनिष्ठ, धैर्यशील और कर्तव्य परायणता की प्रतिमूर्ति, आनन्द स्वरूप भारद्वाज, ने **जांगिड समाज की गोत्रावली सहित अनेक पुस्तकों के लेखक हैं और उनकी विद्वता और पारखी नजर का कोई भी सानी नहीं है। उन्होंने, महासभा के 50 वर्षों के इतिहास को समाहित और संजोकर एक-निर्देशिका तैयार की थी और उनके इन प्रयासों का फल यह हुआ कि समाज के लोग एक दूसरे से जुड़ने लगे।** मुझे याद है कि एम ए की कक्षा में, मेरा एक संस्कृत भाषा का पेपर होता था और मैंने संस्कृत भाषा उनसे ही सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और मुझे उनसे मिलने तथा किसी भी जिज्ञासा का हल पूछने के लिए, कम से कम एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ता था। क्योंकि वह सुबह 6 बजे घर से निकलते थे और रेल के द्वारा रोहतक से दिल्ली जाते थे और रात को दिल्ली से लगभग 10 बजे तक घर वापस लौटते थे और यही उनकी दिनचर्या थी।

मैंने महासभा का ऐसा प्रधान, जिंदगी में आज तक कभी नहीं देखा है, जो महासभा के प्रति, इतना समर्पित भाव रखने वाला, समय देने वाला और सत्य निष्ठा पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करने वाला, वह महासभा के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित थे और **मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि उन्होंने अपने परिवार की तरफ ,कभी भी इतना ध्यान नहीं दिया, जितना ध्यान उन्होंने अपनी माँ रुपी महासभा रुपी परिवार के जोड़ने की तरफ दिया और यह संस्कार , उनको राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुए मिले थे।** वह एक ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने महासभा के प्रधान और महासभा के संपादक का संयुक्त दायित्व का साथ-साथ निभाया और **आपको मालूम है कि एक सम्पादक का कार्य विविधताओं और चुनौतियों से पूर्ण और कितना कठिन और दुष्कर है, इसकी परिकल्पना भी सहज रूप से ही नहीं की जा सकती है।** लेकिन लेखनी के जादूगर और सामयिक मूल्यों और संवेदनाओं को आत्मसात करते हुए, जो लेख उन्होंने अपनी मूर्धन्य लेखनी के माध्यम से लिखे, उनका एक-एक शब्द मोती के समान मूल्यवान और समाज की धरोहर हैं, जिन्होंने समाज को एक नई दिशा दी और इसके साथ ही अनेक पुस्तकों के लेखन का चुनौतीपूर्ण दायित्व भी सहज भाषा के इतिहास की अमूल्य धरोहर बन गई हैं। पुस्तक लिखना सबसे चुनौती भरा कार्य है और इसके लिए ऑथेंटिसिटी और समुचित तरीके से जानकारी होने के साथ ही, भाषा पर भी विशेष पकड़ होना जरूरी है और एक गम्भीर विषय को सहज भाष मोतियों की तरह अगर पिरोना सीखना हो तो उनसे खीखा जा सकता था।

एक पत्रिका के सम्पादक होने के नाते, मैं यह बात भलीभांति जानता हूँ कि यह कार्य इतना आसान नहीं है, **जितना कुछ लोग ऐसा समझते हैं, क्योंकि उनकी सोच बड़ी ही संकुचित होती है और जिसकी सोच संकुचित होगी, उसके सुझाव भी समाज को जोड़ने की अपेक्षा तोड़ने वाले ही होगें।** पुस्तकों के लेखन का कार्य हो या, सम्पादक के दायित्व का निर्वहन करना हो,

उसमें हमेशा ही निर्लेप और निष्पक्ष भाव से कार्य करते हुए भाषा के सम्यक और समुचित उपयोग और लोगों की भावनाओं का ध्यान में रखते हुए ही कलमबंद करना पड़ता है और यह प्रयास जितना निष्पक्ष और पारदर्शी होगा उतनी ही ज्यादा प्रशंसा भी होगी और इस दुष्कर कार्य को एक शिक्षित, भारद्वाज जैसा एक प्रकाण्ड पंडित ही कर सकता था।

सदाशयता की प्रतिमूर्ति पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज ने, प्रधान और सम्पादक इन दोनों दायित्वों को बड़ी सहजता से भली-भांति निभाया। वह 13 अक्टूबर 1972 से मार्च 1981 तक महासभा के सम्पादक भी रहे। उनके 12 वर्ष के कार्यकाल में **महासभा के चार महामंत्री रहे, पं राम किशोर शर्मा, पंडित राम दयाल शर्मा, पं वासुदेव शर्मा, पंडित राम दयाल शर्मा ने महामंत्री के रूप में समाज के लोगों की सेवा करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन किया ।**

आनन्द स्वरूप भारद्वाज जैसी समाज की महान विभूति का, पिछले वर्ष 8 दिसम्बर 2024 को100 वां, जन्म शताब्दी वर्ष मनाया गया चमकदार हीरे और देदीप्यमान, महान व्यक्ति जांगिड समाज की अनमोल धरोहर हैं और 8 दिसम्बर 2025 को उनका 101वां जन्मदिवस मनाया गया। अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर और निस्वार्थ समाज सेवा की भावना से अभिप्रेरित होकर ही गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया के बाद महासभा के अनमोल साहित्य का लेखन कार्य, प्रारंभ से लेकर 1975 तक की महासभा की गतिविधियों का प्रमाणित दस्तावेज के रूप में पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज ने **निदेशिका के रूप में प्रकाशित करके उल्लेखनीय कार्य किया और सन् 1968 में महासभा का प्रधान बनने के बाद, उन्होंने देश के कोने-कोने में अलख जगाने के साथ ही ,समाज के लोगों में आत्म गौरव जगाने और उन्हें संगठित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके द्वारा दिखलाए गए रास्ते पर चलते हुए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए आज यह समाज उनकी धरोहर को संजोकर ही वर्तमान प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है।** संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड पंडित आनंद स्वरूप की लेखन प्रतिभा का कोई जवाब नहीं है। **उनके द्वारा लिखित निदेशिका एक अद्वितीय उदाहरण है और मुझे याद है कि यह निर्देशिका उन्होंने बड़े ही परिश्रम और पुरुषार्थ से तैयार की थी, जिसमें समाज की लगभग 20 हजार महान विभूतियों का उल्लेख किया गया है और उस निदेशिका में संयोगवश उस समय, मेरा भी नाम लिखा गया है, क्योंकि उस समय मैं वैश्य कालेज रोहतक में शिक्षा ग्रहण कर रहा था।** उन्होंने समाज को लेखन का जो, अद्वितीय उपहार दिया उनमें अंगिरा वंश विस्तार,भगवान विश्वकर्मा के विभिन्न स्वरूप, महासभा के गठन के पूर्व से पहले समाज की **सामाजिक परिस्थितियों, समाज के मन्दिर, विद्यालय और धर्मशालाएं तथा जांगिड समाज के संत-महात्माओं के बारे में उल्लेखनीय जानकारी प्रकाशित करके, समाज पर जो अनुग्रह और उपकार किया और इस अनुकरणीय योगदान को सदियों तक याद रखा जाएगा।**

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान- पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज का जीवन एक शीशे की तरह उदीयमान था और वह समाज के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित थे और शिक्षा को बढ़ावा देने की उनकी सकारात्मक सोच का ही यह परिणाम था कि **वह केवल 16 वर्ष की अल्पायु में ही सन् 1940 में संघ से जुड़ गए थे और 19 वर्ष की आयु में वह विश्वकर्मा माडल हाई स्कूल रोहतक की कार्यसमिति के सदस्य बने और इसी स्कूल के वह केवल 33 वर्ष की आयु में प्रधान बने और 9 वर्षों तक स्कूल के प्रधान रहते हुए इस स्कूल की गरिमा को चार चांद लगाने का काम किया** और इस स्कूल में दाखिला लेने वालों में प्रतिस्पर्धा होने लगी रहती थी और उसके बाद पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा ने भी, इस स्कूल की प्रतिष्ठा को चार-चांद लगाने के लिए भरसक प्रयास किए। दृढ़ संकल्प शक्ति और विलक्षण गुणों से परिपूर्ण आनन्द स्वरूप भारद्वाज यही नहीं रुके और समाज में लड़कियों की शिक्षा का शंखनाद करने के लिए **सन 1957 में भारती कन्या विद्यालय की स्थापना की और वह 14 वर्ष तक इसके प्रधान रहे और आज समाज की हजारों लड़कियां, यहां से शिक्षा ग्रहण करके डॉ, इंजीनियर, वकील, वैज्ञानिक और उच्च अधिकारी बनकर समाज का नाम गौरवान्वित कर रही हैं।**

सामाजिक क्षेत्र में योगदान, देश सेवा की भावना उनमें हिल्लोरे ले रही थी और सन् 1947 में भारत-पाक विभाजन के बाद, विस्थापितों की वेदना और उनकी पीड़ा को दूर करने के लिए **हिन्दू सहायता समिति का गठन किया और विस्थापितों की दिल खोलकर सहायता की।** पंडित आनन्द स्वरूप भारद्वाज का सामाजिक क्षेत्र में भी अनुकरणीय योगदान रहा है। देश सेवा के प्रतिमूर्ति होने के साथ ही वह अखिल भारतीय जन संघ के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व संगठन मंत्री, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के प्रधान 12 वर्ष, संस्थापक-भारती कन्या विद्यालय, रोहतक, सहसंस्थापक-हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल (महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष) संस्थापक- हरियाणा टिम्बर मर्चेंट एसोसिएशन के महामंत्री, संस्थापक- हिन्दू सहायता समिति, सम्पादक-व्यापारी जागो पत्र और संस्थापक- अंगिरा प्रकाशन, दिल्ली रहे तथा अपने समर्पण भाव से कार्य करते हुए समाज के सभी वर्गों में आपसी तादात्म्य और सहयोग बनाए रखते हुए, एक नया इतिहास लिखा।

जांगिड ब्राह्मण निर्देशिका का प्रकाशन जांगिड ब्राह्मण निर्देशिका का प्रकाशन महासभा अधिवेशनों में लगभग 50 वर्षों से समाज की निर्देशिका प्रकाशित करने के बारे में प्रस्ताव पारित होते रहे, किन्तु किसी भी महापुरूष ने इस चुनौतिपूर्ण कार्य की महत्वपूर्ण योजना को कभी भी मूर्त रूप देने का प्रयास नहीं किया और यहां तक भी किसी ने भी इसका प्रारूप तक भी कभी भी नहीं बनाया था। **अपनी विलक्षण साहित्यिक अभिरुचि और अप्रतिम क्षमता के आधार पर ही, उन्होंने सन् 1972 में इस असाधारण चुनौती को स्वीकार किया और इसको मूर्त रूप देने के लिए विधिवत रूप से संकल्प करते हुए, निर्देशिका प्रकाशित करने की योजना बनाई और इसके प्रकाशन में, जन-जन से सहयोग लेने के साथ ही व्यक्तिशः संपर्क अभियान चलाया और वेद-पुराणों, संबंधित साहित्यिक पुस्तकों, जांगिड ब्राह्मण महासभा द्वारा प्रकाशित पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं का गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन किया** और अदम्य दृढ़ इच्छा शक्ति से कई वर्षों की रात दिन के कठोर परिश्रम के बाद, अन्ततः जांगिड ब्राह्मण निर्देशिका का प्रकाशन संभव हुआ और **इस निर्देशिका का विमोचन माघ शुक्ला त्रियोदशी सम्वत 2031 अर्थात् 24 फरवरी 1975 को,जयपुर में समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थिति में किया गया था।**

इस निर्देशिका में , समाज के लोगों की मनोवृत्ति के अनुरुप सामग्री का संकलन किया गया था और यही कारण है कि यह इतनी लोकप्रिय और उपयोगी सिद्ध हुई, क्योंकि इसमें भगवान श्री विश्वकर्मा के विविध स्वरूप, ब्रह्मर्षि अंगिरा जी का वंश विस्तार, जांगिड व अंगिराजी का व्यावद्वारिक पर्याय संबंध, मानस दृष्टि रचना तथा समाजोत्थान के लिये की गई गतिविधियों तथा महासभा के गठन की प्रारम्भिक प्रक्रिया से लेकर संस्थानों के गठन व कार्य, तथा समाज के जगह-जगह निर्मित मंदिर स्कूल छात्रावास धर्मशाला भवन का इतिवृत एवं समाज के सन्त महात्माओं और प्रेरक व्यक्तित्व तथा देशभर में एकत्रित किए नाम-विवरण की 20 हजार से अधिक इन्द्राजों, से परिपूर्ण, यह निर्देशिका जागिड समाज के वृहद् गंथ के रूप में प्रकाशित होने से यह निर्देशिका ग्रन्थ समाज के प्रत्येक बंधु के लिये एक संग्रहणीय विषय बन गया था। उन्होंने **अपनी ज्ञान पिपासा को शांत करने के लिए विश्वकर्मा शोध संस्थान ट्रस्ट बना कर उसके सात उद्देश्य निर्धारित किए गए और उनकी प्रतिपूर्ति करने की उर्वरा भूमि के रूप में इस ट्रस्ट को 30 मई 1989 में रजिस्टर्ड करवाया गया और अनेक पुस्तकें एवं ग्रंथ प्रकाशित करवाए।**

महासभा के संविधान का प्रारुप (विधान) तैयार करने के लिए समाज के लोगों से विचार विमर्श करने के लिए इसे जांगिड ब्राह्मण पत्र के फरवरी 1968 के अंक में प्रकाशित किया गया था और 14 मई 1968 को श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज में महासमिति की बैठक का आयोजन किया गया था और इस बैठक में कोरम पूरा न होने के कारण, इसे स्थगित कर दिया गया था और इसके पश्चात 23 जून 1968 को पुनः श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज में महासमिति की बैठक हुई और सर्वप्रथम कर्मानुसार महासभा के इस विधान को पढ़कर सुनाया गया और उस पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा कुछ संशोधनों के साथ इस विधान को स्वीकृत किया गया और इस बैठक में यह भी पास किया गया कि महासभा के खुले अधिवेशन में इसकी पुष्टि कराई जाए तथा विधान संशोधन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर तुलसीराम को महासभा के विधान को मुद्रित करने का अधिकार प्रदान किया गया। **इसी बैठक में आगामी वर्ष के लिए**

रोहतक के पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज को सर्वसम्मिति से महासभा का प्रधान चुना गया और इसके साथ ही उनकी कार्यसमिति के 7 और सदस्य भी चुने गए।

दिल्ली में महासभा का 35वां अधिवेशन पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज की अध्यक्षता में, 12 व 13 अक्टूबर 1968 को आज से 57 साल पहले, दिल्ली स्टेशन के सामने यूनियन क्लब के विशाल प्रांगण में मनाया गया था और इस अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष पं. लक्ष्मीनारायण शर्मा एवं मन्त्री किरोड़ीमल शर्मा थे और यह एक यादगार अधिवेशन बन गया, ध्वजारोहण के पश्चात्, रोहतक के विख्यात समाजसेवी, पं. बालकृष्ण शर्मा ने इस खुले महाधिवेशन में मृत्युभोज बन्द करने तथा गरीब मेधावी छात्रों को आर्थिक सहायता देने, श्रीमती शान्ति शर्मा ने, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं शिक्षा पर विशेष बल देने, महान शिक्षाविद और प्रख्यात लेखक, डॉ. तुलसीराम शर्मा ने समय के बदलते हुए परिवेश को ध्यान में रखते हुए ही पुरानी मान्यताओं को बदल कर, आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाकर इस कार्य को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समाज देश में हो रही प्रगति के साथ साथ अपने को भी अद्यतन बना सके। उनकी अध्यक्षता में ही 18-19 अप्रैल 1970 में मुज्जफर नगर के खतौली में भी महासभा का 36 वां अधिवेशन आयोजित किया गया था।

आनंद स्वरूप भारद्वाज की सुपुत्री स्नेह लता भारद्वाज और इन्दू प्रभा भारद्वाज अपने पिता के बारे में ,अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए **भावुक हो गईं और कहा कि ऐसे युग पुरुष पिता जीवन में सौभाग्य से ही मिलते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने समाज के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत होकर कार्य किया और महासभा के 50 वर्षों के इतिहास को एक निर्देशिका के रूप में मणियों की तरह पिरोकर एक नए इतिहास की रचना की , वह एक महासभा के इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है।** इस निदेशिका को दिन रात मेहनत और अथक परिश्रम करके इसे बनाने में 2 साल 5 महीने का समय लग गया, इस दौरान पिता जी, हमें बहुत ही कम समय देते थे, लेकिन हमें खुशी है कि यह निदेशिका रुपी जो पौधा उन्होंने लगाया था उस में से आज, मोती निकाल कर समाज के लोग अपने लेखों और सन्दर्भों में उल्लेख कर रहे हैं। मेरी तो यही मनस्कामना है कि उनकी मधुर स्मृतियां समाज के लोगों के हृदय पटल पर सदैव ही इसी प्रकार से अंकित रहें।

उनके सुपौत्र केशव भारद्वाज ने भी, अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि **हालांकि मैं उस समय बड़ा ही छोटा था, लेकिन उनके दादा जी, द्वारा लिखित कुछ पुस्तकों और साहित्य को सहेज कर रखने के साथ ही उनको पढ़ने का अवसर भी मिला है। उनके द्वारा लिखित साहित्य और पुस्तकों की जिस प्रकार से समाज के लोगों द्वारा निरंतर मांग की जाती रही है, वह उनके अद्वितीय गुणों के कारण ही संभव हुआ है और यही कारण है कि आज उनके दादा जी द्वारा लिखित साहित्य ,हमारे पास भी सीमित मात्रा में ही रह गया है।** आज इस समाज को आगे बढ़ाने के लिए **महासभा के 17वें प्रधान और मेरे दादा ,पंडित आनंद स्वरूप भारद्वाज जैसे कर्मठ, समाज सेवी, निष्ठावान तथा ईमानदार छवि के तथा समर्पित भाव रखने वाले, महासभा के प्रधान की जरूरत है ताकि यह समाज अबाध गति से निरन्तर आगे बढता रहे।**

सोनीपत के महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य फूल कुमार शर्मा ने पंडित आनन्द स्वरूप के बारे में कुछ फोटो और उनके बारे में, लेखन सामग्री उपलब्ध करवाते हुए कहा कि, वह रिश्ते में मेरे फूफा जी लगते थे और मैं उनकी प्रतिभा का बड़ा ही कायल था। उनका जीवन केवल, एक संघर्ष की कहानी ही नहीं है, बल्कि एक कुशल नेतृत्व और जनसेवा की एक अद्भुत प्रेरक यात्रा भी है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि कठिन परिस्थितियों में यदि व्यक्ति में, साहस, निष्ठा और समाज के प्रति समर्पण की भावना हो तो , असंभव कार्य को भी संभव बनाया जा सकता है।

जहां तक मेरा मानना है, आनन्द स्वरूप के बाद महासभा के 14 प्रधान हुए हैं और उन सभी ने अपने संसाधनों और परिस्थितियों के अनुसार महासभा रुपी महायज्ञ में अपनी-अपनी आहूति डालने का कार्य करते हुए इसे आगे बढ़ाने का काम किया है और वर्तमान प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा भवन के निर्माण का संकल्प पूरा किया और इस भवन का श्रीगणेश, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला द्वारा किया गया था और इस यज्ञ में पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा और नेमीचंद शर्मा ने भी अपनी आहुति डालते हुए इसके कार्य को आगे बढ़ाने का काम किया है।जिस प्रकार से, प्रधान रामपाल शर्मा ने , समाज के गरीब बच्चों की पढ़ाई को प्रोत्साहन देने और समाज की गरीब लोगों की वित्तीय सहायता करने के लिए **शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ का गठन करके ,उनके कल्याण का रास्ता प्रशस्त किया है,आने वाले समय में यह एक मील का पत्थर सिद्ध होगा**। आओ, हम सभी मिलकर समाज के उन महापुरुषों के सपनों को साकार करने का प्रयास करें, जिन्होंने समाज को नई पहचान दिलवाई है। विपुल धन्यवाद।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

दिल्ली प्रदेश सभा की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 30 नवम्बर को हुआ

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सुमन जांगिड और उसकी कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए कहा कि महिलाएं, जिस प्रकार से प्रत्येक क्षेत्र में नए नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और आज का यह महान आयोजन में भी इस तरफ इंगित करता है कि, हम सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा, ताकि तभी जांगिड समाज की उन्नति और समाज में पूर्ण निष्ठा आशातीत प्रगति सुनिश्चित हो सकती है और सबको और लगन तथा समर्पण भाव से मिलकर ही समाज सेवा के लिए दृढ़ संकल्पित होना होगा।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, 30 नवम्बर को दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर सम्बोधित करते हुए

यह उद्गार, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने,30 नवम्बर 2025 को, अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर दिल्ली, में आयोजित प्रदेश सभा की दूसरी त्रैमासिक बैठक और दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष और कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन के साथ किया गया और सभी विशिष्ट अतिथियों को सम्मान स्वरूप प्रतीक स्वरूप स्मृति चिह्न और साफा और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी को शपथ भी दिलवाई गई।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महिला शक्ति के, सशक्त नेतृत्व में ही समाज सशक्तिकरण की दिशा की ओर अग्रसर होगा। उन्होनें नारी शक्ति का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा प्रदान करें, क्योंकि बेहतर संस्कारों की दीवार पर ही, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सकती है और इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को मोबाइल संस्कृति से भी दूर रखने की सलाह भी दी, ताकि बच्चे अपना सारा ध्यान पढ़ाई की और केंद्रित कर सकें। मैं महिला प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ और इसके साथ ही कार्यकारिणी की प्रत्येक सदस्या से अपील भी करता हूँ कि, वह महासभा के संविधान और महासभा के द्वारा समाज हित में लिए गए समुचित निर्णयों का पालन करते हुए, समाज के संपूर्ण विकास के लिए निरंतर सतत प्रयासरत रहें। मुझे विश्वास है कि आपके अथक सहयोग और समर्थन से ही महासभा को बुलंदियों तक पहुंचाया जा सकता है।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने , महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के शुभ अवसर पर अपने,उद्बोधन में कहा कि **मैं इस नई ऊर्जावान कार्यकारिणी को बधाई देता हूँ और मुझे विश्वास है कि यह टीम मिल कर जांगिड समाज के विकास, इसकी सामाजिक एकता और संस्कृतिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुझे विश्वास है कि आप सभी को निष्ठा समर्पण और उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए महासभा को नए आयाम प्रदान करेंगी।** मैं आशा करता हूँ कि नारी शक्ति अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के साथ-साथ ही समाज में जागृति का नया शंखनाद भी फूंकेंगी। मैं आप सभी के यशस्वी कार्यकाल के लिए पुनः बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा ने, दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी की महिला सदस्यों को पद और गोपनीयता शपथ दिलाई और उनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह अवसर हम सभी के लिए एक गर्व और गौरव का क्षण है और यह दिन ,एक प्रकार से महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ओर नया अध्याय जोड़ने वाला है। आज दिल्ली प्रदेश की ऊर्जावान अध्यक्ष सुमन जांगिड और उसकी कार्यकारिणी, प्रदेश में महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ हम इस यात्रा की शुरुवात कर रहे हैं, जिसमें हर महिला को समान अवसर मिले और उसकी आवाज को सम्मान मिले तथा वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए हर परिस्थिति में सक्षम हो। आइए, हम सब मिलकर एक सशक्त और समृद्ध समाज की नींव रखें जहां महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी हों और हर कदम पर सशक्त महसूस करें।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, धर्मपाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, महिला प्रकोष्ठ हमारे संगठनात्मक शक्ति का मूलाधार है। इसके साथ ही समाज की उन्नति और संगठन की मजबूती में ,आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों में मातृशक्ति की भूमिका भी अनमोल है।

क्योंकि माँ ही बच्चे की सबसे पहली गुरु होती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महिला प्रकोष्ठ की नवनियुक्त अध्यक्ष और उनकी कार्यकारिणी अपनी उर्जा, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा के साथ सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए ही, समाज हित में उत्कृष्ट कार्य करेंगी तथा महिलाओं को जागरूक, संगठित और सशक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगीं।

30 नवम्बर को दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर शपथ दिलवाई गई

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह शपथ केवल पद ग्रहण का अवसर नहीं है बल्कि समाज सेवा के साथ-साथ समाज के प्रति अपने संकल्प और दायित्व को पूरा करने और अपने संकल्प को दृढ़ करने का भी बेहतरीन क्षण है। नई टीम को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं के साथ आशा है ,कि आप अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता से दिल्ली प्रदेश में, बच्चों को संस्कार और शिक्षा के द्वारा दिल्ली प्रदेश को ,नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का स्तुत्य प्रयास करेंगे।

महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुमन जांगिड ने कहा कि जिस समय एक नारी स्वयं के लिए नहीं ,अपितु समाज के लिए खड़ी होती है, तो इतिहास में बदलाव की रेखा खींचती हैं। मैं विश्वास दिलाती हूँ कि महिला प्रकोष्ठ की समस्त कार्यकारिणी मिलकर एक नया अध्याय लिखने का प्रयास करेगी और जो भी दायित्व हमें सौंपा गया है, उसका सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पालन करते हुए समाज में शिक्षा और संस्कारों की ज्योति प्रज्ज्वलित करके अपने कार्यकाल के दौरान संगठन विस्तार, नारी सशक्तिकरण युवा पीढ़ी में संस्कार, जागरण और सामाजिक समरसता के नए कीर्तिमान स्थापित करने के स्तुत्य प्रयास किए जाएंगें। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि,आओ हम सभी मिलकर समाज सेवा के संकल्प को पूरा करके ,इस महायज्ञ में अपनी आहूति डालने का प्रयास करें। इससे महिला महिला सशक्तिकरण की यह अवधारणा सुदृढ़ होगी कि **सशक्त महिला - सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र और यह मूल मंत्र आत्मसात करने से ही समाज का हित सर्वोपरि रहेगा।** मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं कि महिला प्रकोष्ठ,नारी शक्ति और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के महायज्ञ में भागीदार बनेगा। आप सभी की उपस्थिति और सहयोग के लिए आशीर्वाद के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद।

अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सुरेन्द्र वत्स ने अपने संबोधन में कहा कि अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल का सदियों पुराना एक गौरवशाली इतिहास है। **उन्होंने बताया कि यह स्कूल रुपी पौधा सन् 1919 में, दान राशि से प्राप्त इस पवित्र भूमि पर गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया ने लगाया था और सबसे पहले इसे संस्कृत पाठशाला के रूप में संचालित किया गया था और आजतक यह स्कूल ज्ञान का दीपक निरन्तर जल कर देश के उज्ज्वल भविष्य को देदीप्यमान कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि सन् 1985 के महासभा के ऐतिहासिक अधिवेशन में इसे अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल नाम प्रदान किया गया था,** जहां आसपास के क्षेत्रों के बालक-बालिकाएं व्यवस्थित शिक्षा ग्रहण करते हुए यह संस्था समाज की सेवा में समर्पित रही है।

सुरेंद्र वत्स ने सुझाव दिया कि हर महासभा एवं जांगिड समाज के कार्यक्रमों के बैनरों पर, हमारे महापुरुषों की छवियां अनिवार्य रूप से लगें, जैसा आज के इस कार्यक्रम में है। **यह परंपरा हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करेगी। उन्होंने दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अस्वस्थ रहते हुए और बीमारी से जूझते हुए भी अपने कर्तव्य का भलीभांति निर्वहन किया, यह उसके दृढ़ संकल्प का परिचायक है।** उन्होंने अपने सामाजिक सेवाओं के दायित्व का निर्वहन सहजता से निभाया है , इसलिए वह साधुवाद के पात्र हैं। उनका समाज के प्रति निष्काम सेवा और समर्पण ही समाज के लिए सबसे बड़ी ही प्रेरणादायी है।

दिल्ली प्रदेश सभा के मंत्री ब्रह्मानंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आज अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर, दिल्ली की पावन धरा पर हम सब एक उस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी हैं , जिस समय प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की नवगठित कार्यकारिणी, एक नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ समाज सेवा का व्रत ग्रहण कर रही है और आज का यह शपथ ग्रहण केवल मात्र एक औपचारिकता नहीं है , बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, जागरूकता और जन सेवा का सार्वजनिक संकल्प है। महिला प्रकोष्ठ की यह कार्यकारिणी उस नारी शक्ति का प्रतीक है जो संवेदना के साथ-साथ नेतृत्व, त्याग के साथ-साथ संगठन और ममता के साथ-साथ संघर्ष की क्षमता भी रखती है।

उन्होंने बड़े ही आत्मविश्वास के साथ कहा कि,जब अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जैसे-जैसे सशक्त संगठन में मातृशक्ति संगठित होकर आगे बढ़ेगी तो, इससे शिक्षा ,संस्कार ,सुरक्षा ,सम्मान और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित होंगे। आज

का यह शपथ ग्रहण, आपके पद की नहीं, अपितु आपके व्यक्तित्व और चरित्र की भी शपथ है। **हमें यह सुनिश्चित करना है कि, किसी भी बहन को, समाज में स्वयं को अकेला, असहाय, या उपेक्षित महसूस न करना पड़े। जहां अन्याय दिखे, वहां आपकी वाणी समाज की आवाज बने, जहां किसी की हिम्मत टूटे ,वहां आप उसका संबल बने, जहां अवसरों के द्वार बंद हो, वहां आपका प्रयास नहीं राहे खोलने वाला बने।**

समारोह के पश्चात् प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा की अध्यक्षता में, दिल्ली प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने प्रदेश सभा की त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि की भविष्य में प्रदेश सभा द्वारा किए जाने वाले कार्यों का उल्लेख भी किया और इसके साथ ही प्रदेश सभा का आय व्यय का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया गया। **उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि परमात्मा की अनुकम्पा और आप सब लोगों की दुआओं के कारण ही, लम्बी बीमारी के पश्चात् ठीक हो पाया हूँ और मुझे विश्वास है कि हम सभी मिलकर प्रयास करके लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव करेंगे। भरपूर सहयोग के लिए आप सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।**

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, नरेला दिल्ली के, विधायक और विशिष्ट अतिथि राज करण खत्री, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड, महामंत्री बी एन शर्मा, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड, महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स, महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता, उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज, श्रीमती जयश्री, श्रीमती शिवानी, श्रीमती पुष्पा जांगिड और श्रीमती लक्ष्मी जांगिड, संगठन मंत्री पिंकी जांगिड और श्रीमती कविता जांगिड, प्रचार मंत्री श्रीमती नीतू जांगिड, शिरोमणि सभा के पूर्व अध्यक्ष पूर्ण चंद जांगिड, दिल्ली प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अजीत जांगिड, महासभा के उप प्रधान राजेंद्र शर्मा, महासभा के पूर्व महामंत्री चंद्रपाल भारद्वाज, महासभा के मुण्डका भवन के अध्यक्ष, देवी सिंह ठेकेदार,दिल्ली प्रदेश सभा के सभी जिला अध्यक्ष एवं शाखा सभा अध्यक्ष और मातृशक्ति शामिल थी।

दिल्ली प्रदेश सभा के महामंत्री, ब्रह्मानंद शर्मा।

विश्वकर्मा मंदिर लोसल मे संपन्न हुआ सामाजिक समरसता का सम्मेलन
शिक्षा व संस्कार ही समाज की प्रगति का माध्यम है - श्री सांवरमल जांगिड

श्री विश्वकर्मा मंदिर संस्थान लोसल के तत्वावधान में जांगिड ब्राह्मण समाज का सामाजिक समरसता सम्मेलन रामकुमार रुल्याणा की अध्यक्षता व अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री सांवरमल जांगिड के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान महासभा राजस्थान प्रदेश प्रभारी हरिनारायण चला, सीकर जिलाध्यक्ष बनवारी लाल खंडेलसर, श्री विश्वकर्मा शिक्षा समिति सीकर के पूर्व अध्यक्ष गंगाधर गोड़िया, चिरंजीलाल खातीपुरा, श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष रामकृपाल लालासी, पूर्व प्राचार्य बी. एल. जांगिड, जांगिड ब्राह्मण पत्रिका नई दिल्ली के सह संपादक प्रहलाद राय जांगिड बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता सांवरमल जागिड ने अपने संबोधन में कहा कि देश व समाज की प्रगति का श्रेष्ठ माध्यम शिक्षा और संस्कार ही है। महासभा विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर हेतु छात्रवृत्ति व अन्य आर्थिक सहायता के लिए सदैव तत्पर है। वक्ताओं ने एस आई आर में सक्रिय भागीदारी, संगठन निर्माण एवं राजनीतिक हस्तक्षेप सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया। इस दौरान हरीराम सनवाली, लालचंद सबलपुरा, गोवर्धन लाल, कन्हैया लाल सांवलोदा, एडवोकेट रवि जांगिड पार्षद लोसल, जगदीश प्रसाद भीराणा, श्रीकिशन सेसम, राधेश्याम मांडण, बाबूलाल गुमानपुरा, बजरंग लाल अनोखू, सीताराम मुंडवाड़ा, मक्खनलाल कोटड़ी, सुरेश जांगिड़, छीतरमल जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। इस दौरान श्री विश्वकर्मा मंदिर संस्थान लोसल समिति द्वारा जांगिड ब्राह्मण महासभा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष बनवारी खंडेलसर व प्रदेश प्रभारी राजस्थान हरिनारायण चला का समिति अध्यक्ष बनवारी सिलीवाल के नेतृत्व में साफा व स्मृति चिन्ह से नागरिक अभिनंदन किया गया।

कन्हैया लाल जांगिड, 7742774730

राजस्थान के राज्यपाल ने, डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड को, एशिया बुक आफ रिकार्ड का सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया।

राजस्थान के राज्यपाल डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड को 8 दिसम्बर को राजभवन में, एशिया बुक आफ रिकार्ड का सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान करते हुए।

जीवन में धैर्य, साहस अनुशासन और दृढ़ संकल्प यह ऐसे मूल मंत्र हैं, जो सपनों को पूरा करने की आधारशिला रखते हैं और जो व्यक्ति इनको अपने जीवन में आत्मसात करके आगे बढ़ने का हौसला और जज्बा रखता है, उसकी मेहनत और धैर्य अवश्य ही रंग लाता है और ऐसे ही उत्कट जिजिविषा के संपोषक है और संस्कृत के प्रख्यात विद्वान और श्रेष्ठ आचरण के पैरोकार, राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल कृष्ण जांगिड, जिन्होंने अपनी असीम प्रतिभा और योग्यता के आधार पर **एशिया बुक आफ रिकार्ड में नाम दर्ज करवाकर एक विशेष उपलब्धि हासिल की है** और समाज और राजस्थान प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है।

डॉ. जांगिड को 8 दिसम्बर को, राजभवन में आयोजित एक समारोह में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव वागडे ने, सम्मानित करने के बाद कहा कि, डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड को, संस्कृत प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की सर्वोत्तम भागीदारी के कारण ही **एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड** सम्मान पुरस्कार मिला है। राज्यपाल ने एशिया बुक ऑफ रिकार्ड की तरफ से मैडल और प्रमाण पत्र और दुपट्टा देकर,डॉ जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि संस्कृत भाषा, देववाणी भाषा होकर विश्व की प्राचीनतम भाषा है। यह भारतीय संस्कृति का मूलाधार है और इसमें प्राचीन ज्ञान, विज्ञान जैसे वेद ज्योतिष और गणित का विशाल भंडार छिपा हुआ है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा को वैज्ञानिक और तार्किक भाषा मानते हुए, कंप्यूटर के लिए सर्वोत्कृष्ट भाषा माना गया है तथा इसके साथ ही आधुनिक युग में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के लिए भी संस्कृत भाषा बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुई है। इसलिए इसका प्रचार और प्रसार करना आज भी, बड़ा ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है और इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि, इस उत्कृष्ट कार्य के माध्यम से डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड ने संस्कृत भाषा का प्राचीन गौरव को, पुनः परिलक्षित करने का स्तुत्य प्रयास किया है। क्योंकि प्राचीन ग्रंथों , वेदों और पुराणों तथा उपनिषदों में, जो असीम ज्ञान की गंगा छिपी हुई है, उस प्राचीन वैभव को ,आत्मसात करने का कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जांगिड ने, संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार, संरक्षण एवं नवाचार के लिए प्रयास किया है, वह प्रयास वंदनीय और स्तुत्य है और वह भविष्य में भी, इस अभियान और नवीन पहल जारी रखने के लिए इसी उदात्त भावना के साथ युवाओं को अभिप्रेरित करते रहेंगे।

संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड पंडित और राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय हमीरगढ़ के प्रधानाचार्य एवं महान शिक्षाविद् डॉ. कृष्ण गोपाल जांगिड ने कहा कि निम्बार्क वैदिक संस्कृत समिति द्वारा संस्कृत वाङ्मय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था और इस प्रतियोगिता में 2 लाख 40 हजार 834 विद्यार्थियों की सर्वाधिक भागीदारी सुनिश्चित की गई और इस उपलब्धि के कारण ही इस प्रतियोगिता में मुझे एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाने का सौभाग्य प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में इतनी भारी संख्या में छात्र-छात्राओं को एक साथ जोड़कर, आई.पी.एन.आर. मानकों के तहत एक अनूठा रिकॉर्ड दर्ज करवाया गया है।

गांव डूंगरी खुर्द जिला टोंक में, पिता रामनारायण जांगिड और माता श्रीमती प्रेमदेवी जांगिड के घर पैदा हुए, डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड ने, भावुक होते हुए कहा कि यह उपलब्धि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के साथ ही इसे भविष्य में संस्कृत के प्रचार प्रसार को एक नया आयाम मिलेगा और इस उपलब्धि से भीलवाड़ा का नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

एशिया बुक आफ रिकार्ड की प्रतिनिधि रीना सिंह खरे ने बताया कि पुरस्कृत शिक्षक फोर्म राजस्थान की

कार्यकारिणी के सदस्य, गोपाल कृष्ण जांगिड ने संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करते हुए संस्कृत वांड्म्य, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के माध्यम से दो लाख से अधिक छात्र छात्राओं को एक साथ जोड़कर, एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसके लिए उनको **एशिया बुक आफ रिकार्ड सम्मान देकर सम्मानित किया गया है।**

ASIA BOOK OF RECORDS

CERTIFICATE

Dr. Krishan Gopal Jangid (Principal, Hamirgarh), Rajasthan, India, set the record for the maximum participation in a Sanskrit General Knowledge competition for students. From the 2010 academic session to the 2025 session, a total of 240,834 students participated—10,530 from classes 1 to 5, 72,825 from classes 6 to 8, 151,256 from classes 9 to 12, and 6,223 at the university level. The Sanskrit General Knowledge Quiz was organized in Bhilwara, Rajasthan. This initiative was launched to promote the study of Sanskrit across multiple levels of education, as confirmed on November 3, 2025.

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड की यह असाधारण उपलब्धि, उसकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है, जिसके लिए उन्होंने देश की सांस्कृतिक रूप से समृद्ध संस्कृत भाषा के प्राचीन गौरव को हासिल करने का संकल्प लिया और इस संकल्प को पूरा करने के लिए ही उन्होंने इस दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया है। **मेरा तो यही मानना है कि जिस व्यक्ति ने संस्कृत भाषा का ज्ञान हासिल कर लिया है वह सभी ग्रंथों और वेद शास्त्रों में समाहित ज्ञान को हासिल कर लेता है।** इसके साथ ही मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से भी डॉ जांगिड को, हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूँ कि वह भविष्य में भी अपने प्रयासों को जारी रखेंगे ताकि समृद्ध संस्कृत भाषा का गौरव बना रहे।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने, डॉ गोपाल कृष्ण जांगिड को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनको राजस्थान सरकार द्वारा 5 सितंबर को 2012 को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था और इसके अतिरिक्त उनको अनेक पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त उन्होंने संस्कृत भाषा में 10 पुस्तकें भी लिखी हैं और इनमें से राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में भी शामिल की गई हैं, ऐसे अद्वितीय प्रतिभा के धनी को, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाना, उनकी उत्कट जिजीविषा और दृढ़ संकल्प का परिणाम है और वह वास्तविक रूप में इसके हकदार भी हैं। डॉ जांगिड ने जीवन में कुछ अलग करने का निश्चय किया और उसमें सफलता भी हासिल की है।

मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

महामंत्री महासभा, सांवर लाल जांगिड

राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा पहुंचे

भीलवाड़ा 11 दिसंबर 2025 को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री समरमल शर्मा राजस्थान की औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में आईजीएम फैक्ट्री में डायरेक्टर श्री राम गोपाल सीलक के यहां अल्प प्रवास पर पहुंचे।

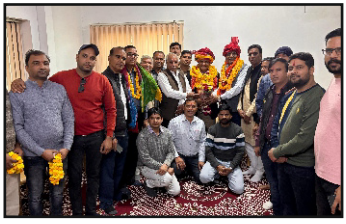

सर्वप्रथम आईजीएम फैक्ट्री का अवलोकन किया एवं तथपश्चात भीलवाड़ा के जांगिड समाज ने अ. भा. जांगिड ब्राह्मण महासभा शाखा भीलवाड़ा, श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज विकास समिति भीलवाड़ा, जांगिड समाज अधिकारी कर्मचारी शिक्षा समिति भीलवाड़ा एवं आईजीएम फैक्ट्री के डायरेक्टर श्री राम गोपाल सीलक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से फूल मालाओं एवं राजस्थानी परंपराओं की शान साफा पहनकर स्वागत अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जांगिड समाज के विकास, एकता, संगठन, शैक्षिक विकास, छात्राओं की शिक्षा पर विशेष फोकस आदि विषयों पर गहनता से चर्चा की। इस अवसर पर जांगिड समाज विकास समिति के संरक्षक श्री जय किशन सीलक, श्री राम गोपाल सीलक, अध्यक्ष श्री श्यामलाल सीलक, जिला महासभा के जिला अध्यक्ष श्री महावीर जी, युवा अध्यक्ष श्री रतनलाल गुवारडिया, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मारोठीया, सचिव श्री महावीर आमेरिया, जांगिड समाज अधिकारी कर्मचारी शिक्षा समिति के जिला अध्यक्ष ख्यात नाम संस्कृत शिक्षाविद एशिया बुक अवार्ड विजेता डॉक्टर कृष्ण गोपाल जांगिड, सचिव श्री राधे श्याम मुंडेल, महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी उपप्रधान, श्री गोपाल लाल सुथार, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष आमेरिया, श्री राजू बांस एवं अन्य समाज बंधु भी सियाराम सीलक, श्री मुकेश तिलक आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कृष्ण गोपाल जांगिड ने किया। अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महासभा राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल शर्मा के नेतृत्व में समाज के विकास एकता संगठन एवं शिक्षा के विकास में पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही है और आगे भी इसी प्रकार समाज विकास को मजबूती प्रदान करेगी साथ ही महासभा के सदस्य अभियान में गति लाने हेतु भी समाज बंधुओ को प्रेरित किया।

महावीर सुथार जिला अध्यक्ष भीलवाडा

प्रवासी भारतीयों द्वारा राजस्थान में, 65 हजार करोड़ रुपए के पूंजी निवेश के प्रस्तावों के लिए एम ओ यू साइन किए गए

दुबई चैप्टर के अध्यक्ष ,अमरा राम जांगिड

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ 10 दिसंबर को **राजस्थानी प्रवासी दिवस** मनाया गया और 11 दिसम्बर को, दुबई से जयपुर आए 120 सदस्यों के प्रवासी भारतीयों,राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर के प्रतिनिधि मंडल ने, राजस्थान फाउंडेशन,दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड की अध्यक्षता में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मुलाकात करके राजस्थान में प्रवासी भारतीयों द्वारा पूंजी निवेश के बारे में गहन मन्तरणा और विचार विमर्श किया और इस ऐतिहासिक बैठक में दुबई में रह रहे भारतीय प्रवासियों द्वारा 65,000 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्तावों को प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए स्वीकृति प्रदान की गई।

अमरा जांगिड ने बताया कि, मुख्यमंत्री के साथ बैठक के तुरंत बाद, ही **सभी निवेशकों के साथ, राजस्थान सरकार द्वारा कुल 65 हजार करोड़ रुपए के निवेश समझोतों, मेमोरंडम आफ अन्डरस्टैडिंग (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए गए और दुबई चैप्टर के द्वारा राजस्थान में अब तक का यह सबसे बड़ा पूंजी निवेश पैकेज है।** उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल की प्रदेश के विकास के प्रति सकारात्मक सोच है और इसीलिए ,उनके नेतृत्व में प्रवासी निवेशकों को लुभाने के लिए हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि, भारतीय प्रवासियों द्वारा किए जाने वाले पूंजी निवेश में आने वाली सभी परेशानियों का तत्काल ही निवारण , एक योजना बद्ध तरीके से किया जाए और इसके अतिरिक्त सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए भी दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि सभी प्रकार का आवश्यक सहयोग एवं त्वरित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ताकि प्रदेश में अधिक से अधिक पूंजी निवेश को आकर्षित किया जा सके।

अमरा राम ने कहा कि ,इस बैठक में वीं के ग्रुप के चेयरमैन राधेश्याम जांगिड ने, होटल एंव फर्नीचर उधोग, गुरुनानी समूह ने हास्पिटैलिटी, रमेश तिवारी ने, टैक्सेशन आऊटसोर्सिंग सीटी, आशीष गर्ग ने डायमंड और ज्वेलरी, आशीफ बेलहिम ने शिक्षा के क्षेत्र में पूंजी निवेश करने के लिए प्रस्ताव दिया है। डॉ रोमित पुरोहित और अशोक ओधरानी ने राजस्थान इंटरनेशन क्लब और जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में सुधार करने की मांग करते हुए, उन्होंने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इन सुझावों पर गम्भीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन भी दिया गया और इन समस्याओं के निराकरण का भी भरोसा दिया गया और मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को,शीघ्र ही भूमि आवंटित करने के निर्देश दिए और एयरपोर्ट की सुविधाओं में शीघ्र ही सुधार करने के भरोसे के साथ ही ,दुबई से बिजनेस क्लास फ्लाईट शुरू करवाने का आश्वासन भी दिया गया। दुबई चैप्टर के संयुक्त सचिव पेंपाराम सुथार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी महत्वपूर्ण सुझावों व समस्याओं का तत्काल समाधान करने का आश्वासन दिया है। जांगिड समाज के भामाशाह और सरल और सौम्य प्रवृत्ति के धनी, सुखदेव जांगिड द्वारा भी सूचना प्रोद्यौगिकी (आई टी) के क्षेत्र में लगभग 60,000 करोड़ रुपये के मेगा निवेश का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया गया है और इस पर सकारात्मक कदम उठाकर, पहल करते हुए, राजस्थान सरकार ने भूमि आवंटन एवं सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के

लिए अपनी सहमति जताते हुए सभी औपचारिकताएं समय सीमा के भीतर पूरी करने के लिए भी, मुख्य मंत्री द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि, इस निवेश के परिणाम स्वरूप ही राजस्थान प्रदेश के लगभग 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देने के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकेंगे।

इस बैठक में, प्रवासी भारतीय अशोक ओधरानी ने ड्रोन इंडस्ट्री लगाने का प्रपोजल दिया तथा टिकू सिंह गोदारा ने होटल एवं वेलनेस सेक्टर में भारी निवेश तथा आविश जॉली ने हेल्थकेयर सेक्टर में बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश का प्रस्ताव भी बैठक के दौरान 11 दिसंबर को, मुख्यमंत्री भजन लाल के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने अमरा राम जांगिड और राधेश्याम जांगिड को फर्नीचर उधोग स्थापित करने के लिए साईट विजिट करवाने का भरोसा भी दिलाया। डॉ रोमित ने बताया कि आरबीपीजी और वीपीबीजी ग्रुप एक साथ मिलकर, किसानों को एक करोड़ रुपए की लागत के ड्रोन, निःशुल्क वितरत करेंगी।इस बैठक में मनीष जांगिड , मुरलीधर जांगिड, रतनलाल जांगिड ने भी भाग लिया और अपने-अपने विचारों से सरकार को अवगत करवाया।

राजस्थान फाऊंडेशन दूबई चैप्टर के प्रतिनिधि मंडल के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल के साथ 11 दिसम्बर को बैठक हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने , बैठक के अन्त में, दुबई चैप्टर के प्रतिनिधिमंडल द्वारा, राजस्थान प्रदेश में,रिकॉर्ड निवेश के लिए, विशेष रूप से राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, राजस्थान सरकार प्रदेश में प्रवासी भारतीयों द्वारा पूंजी निवेश की हर संभावना में, तेजी लाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और इसके साथ ही सरकार की तरफ से सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए, भरपूर सहयोग देने का भी आश्वासन भी दिया गया।

राजस्थान फाऊंडेशन की आयुक्त मनिषा अरोड़ा ने, राजस्थान सरकार की तरफ से दुबई प्रतिनिधि मंडल का, पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीयों ने राजस्थान प्रदेश में 65 हजार करोड़ रुपए का पूंजी निवेश करके अपनी मातृभूमि का कर्ज चुकाने का स्तुत्य प्रयास किया है और मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी, अपनी मातृभूमि का कर्ज चुकाने के लिए दुबई के अतिरिक्त दूसरे देशों से भी प्रवासी भारतीय आगे आएंगे।

राजस्थान सरकार इन उधोगपतियों को सभी प्रकार की मूल भूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी, ताकि हम सब मिलकर राजस्थान प्रदेश का ,मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में तीव्र गति से विकास कर सकें।--

☆☆☆

सौरभ जांगिड पहले प्रयास में ही सफलता हासिल करके आर ए एस अधिकारी बने

जीवन में आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा और लक्ष्य स्पष्ट होने के साथ-साथ आत्मविश्वास और काम करने का जज्बा हो तो जीवन में वह व्यक्ति आशातीत सफलता हासिल कर ही लेता है और इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही सौरभ जांगिड ने कहा कि **अपने माता-पिता द्वारा दिए गए उपदेश पर अमल करते हुए ही मैंने, विचार कर्तव्य मेहनत और पुरुषार्थ ही एक व्यक्ति को महान् बनाते हैं और यही विचार मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।** साधारण पृष्ठभूमि की कभी भी कोई सीमाएं नहीं होती है, सीमाएं तो सिर्फ व्यक्ति की सोच की होती है और जो सोच की इस सीमा से बाहर निकलने का भरसक प्रयास करता है, उसके द्वारा ही जीवन में, वास्तविक सफलता हासिल करने का रास्ता प्रशस्त होता है और यह मानना है, राजस्थान जिले के एक छोटे से गांव कुतुबपुरा, जिला झुंझनूं में पैदा हुए सौरभ जांगिड का, जिन्होंने हाल ही में, राजस्थान प्रशासनिक सेवा 2023 की परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए अपने पहले ही प्रयास में, 159 वीं रैंक हासिल करके, आरटीएस सेवा हासिल की है।

पिता प्रिंसिपल गोपीचंद जांगिड और छोटे बच्चों के जीवन को मूर्त रूप देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माँ श्रीमती मंजू जांगिड के घर 24 सितंबर 2000 को, चिड़ावा तहसील के एक छोटे से गाँव, कुतुबपुरा में, एक साधारण, मेहनतकश और संस्कारी परिवार में हुआ। माता-पिता के साथ-साथ दादा प्रहलाद जांगिड और दादी श्रीमती अंची देवी ने, परिवार में आध्यात्मिकता के साथ-साथ ही नैतिक मूल्यों का बीज बोया और उनके दिखलाए गए रास्ते पर चलते हुए और अनुशासन को आत्मसात करते हुए ही, जीवन में आगे बढ़ने का कार्य किया है। उनके पिता गोपीचंद जांगिड, चिड़ावा के एक निजी विद्यालय में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं। परिवार में शिक्षा और संस्कारों का अनूठा संगम रहा है। सौरभ के ताऊ नन्दलाल जांगिड, प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं तथा चाचा श्रीराम जांगिड, सरकारी विद्यालय में वरिष्ठ शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। **जो परिवार से संस्कार मिले हैं, उनके परिणाम स्वरूप ही, सौरभ ने हमेशा ही ईमानदारी, मेहनत, और समाजसेवा की दिशा में प्रेरित किया है।**

सौरभ जांगिड के पिता गोपीचंद जांगिड, ने बताया कि उनको अपने बेटे पर गर्व है। वह पढ़ाई में हमेशा ही सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभावान रहा है, **सौरभ ने, 10वीं कक्षा में 93.17 प्रतिशत और 12वीं कक्षा में 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित रामजस कॉलेज से वर्ष 2021 में स्नातक की कक्षा पास की और फिर उसके पश्चात शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर से सन् 2024 में एम.ए. पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की परीक्षा पास की और उसमें प्रथम स्थान हासिल किया।** उसने जिस भी सरकारी नौकरी में अपना भाग्य, आजमाया, वहां हमेशा ही सफलता हासिल की है। उसने 8 मई 2023 से 26 जून 2025 तक, पंचायत मुख्यालय धत्तरवाला की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में, बेसिक कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के रूप में कार्य किया और वर्तमान में वह राजस्थान सरकार में अकाउंटेंट के पद पर बीकानेर में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

सौरभ जांगिड ने कहा कि **मेरा अब तक का यह अनुभव रहा है कि सत्यनिष्ठा और दृढ़ संकल्प के साथ अगर प्रयास किए जाएं तो, निसंदेह रुप से सफलता हासिल होगी और यही कारण है कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा से पहले भी, मैं तीन सरकारी विभागों में नौकरी कर चुका हूँ और राजस्थान प्रशासनिक सेवा की भर्ती 2023 के लिए यह मेरा पहला प्रयास था, जिसमें मुझे 159वीं रैंक हासिल करके राजस्थान तहसीलदार सेवा के लिए चयन हुआ है।** लेकिन मैं अभी भी इस रैंक से सन्तुष्ट नहीं हूँ, क्योंकि मुझे मालूम है कि मैं और बेहतर कर सकता हूँ और इसीलिए अब मैं आर ए एस 2024 के इंटरव्यू की तैयारी कर रहा हूँ और मेरा पहला लक्ष्य एक योग्य, संवेदनशील और निर्णायक उच्च अधिकारी बनना है और **भविष्य में, मैं केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करके एक आई ए एस अधिकारी बनना चाहता हूँ ताकि जनता की सेवा करने का बेहतर अवसर उपलब्ध हो सके।** सौरभ जांगिड ने बड़े ही **विश्वास के साथ कहा कि भविष्य में, मैं एक आई ए एस अधिकारी, इसलिए बनना चाहता हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि प्रशासन ही वह माध्यम है जो नीति और जनता की वास्तविक ज़रूरतों के बीच की दूरी को कम कर सकता है और मैंने आई ए एस की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है** और अगले वर्ष 2026 में, परीक्षा देने की तैयारी चल रही है। मैं अपने समाज में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, महिला सुरक्षा को मजबूत करने, युवाओं के कौशल-विकास, भ्रष्टाचार-मुक्त पारदर्शी शासन, और सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना चाहता हूँ। **मेरा सपना है कि मैं जिस भी क्षेत्र में जाऊँ, वहाँ का प्रशासन संवेदनशील हो, और हर नागरिक स्वयं को सम्मानित और सशक्त महसूस कर सकें।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने सौरभ जांगिड की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि, उन्होंने यह सिद्ध करके दिखाया है कि, अगर लक्ष्य निर्धारित और स्पष्ट हो तो, सफलता का मार्ग आसान हो जाता है और इसलिए उन्होंने इससे पहले तीन विभागों में सरकारी नौकरी की हैं। मुझे उम्मीद है कि अपनी प्रतिभा के बल पर भविष्य में, भारतीय प्रशासनिक सेवा में भी सफलता हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित करेगा। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक राम भागत शर्मा

एक गरीब घर में पैदा हुए नीरज जांगिड, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बने।

जीवन में, अगर लक्ष्य बड़ा हो और आत्मविश्वास से भरा हुआ हो और संकल्प, पुरुषार्थ और मेहनत करने का जज्बा हो तो, कोई भी काम मुश्किल नहीं होता है और जीवन में इसी मुश्किल को पार करते हुए अपनी उत्कट जिजीविषा के बल पर ही, एक कारपेंटर के घर पैदा हुए , नीरज जांगिड ने, अपने परिश्रम मेहनत और योग्यता के बल पर ही, राजस्थान प्रशासनिक सेवा का एक अधिकारी बनकर अपनी योग्यता और दक्षता का परिचय दिया है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा 2023 की परीक्षा का परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित हुआ है और इस परीक्षा में 288 वां रैंक हासिल करके, नीरज जांगिड ने , यह सिद्ध कर दिया है की जीवन में, जज्बा और पुरुषार्थ का कोई भी मुकाबला नहीं है और अगर मेहनत और आत्मविश्वास के साथ ही, जीवन में आगे बढ़ा जाए तो, जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों पर सहज रूप से ही पार पाया जा सकता है।

यह मानना है , राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए, नीरज जांगिड का, जिन्होंने वर्ष 2023 की आर ए एस की परीक्षा में, 288 मेंरैंक हासिल किया है और इतना ही नहीं उनकी संतुष्टि इतने पर भी नहीं हुई है और उन्होंने वर्ष 2024 के पदों के लिए भी, राजस्थान प्रशासनिक सेवा की मेन की परीक्षा पास की है और अब उसके लिए साक्षात्कार होना बाकी है। उन्होंने अपनी 10 और 12वीं की परीक्षा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सीमलवाड़ा से, सन 2015 में पास की है। उसके बाद बीएससी लाइफ साइंस की परीक्षा, सन् 2018 में, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय जयपुर से पास की और एम एस सी की जिओलाजी की परीक्षा, गुरु गोविंद ट्राईबल यूनिवर्सिटी बांसवाड़ा से पास की है। नीरज जांगिड का जन्म 9 जून 1998 को डूंगरपुर जिले के सीमलवाड़ा गांव में, पिता दीपक जांगिड और माता श्रीमती मीना जांगिड के घर हुआ और माता-पिता ने बेहतर संस्कार दिए और उनके दादा पदमचंद जांगिड ने भी जीवन में सफलता हासिल करने के लिए पग -पग पर अभिप्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप ही इस कठिन और चुनौती पूर्ण परीक्षा में सफल हो पाया हूं। नीरज के दीपक जांगिड ने बताया कि, उन्होंने काष्ठकला कौशल का ज्ञान अपने पिता, पदमचंद जांगिड से हासिल किया है और पिता से विरासत में मिली हुई हुए इस विरासत को सहेज कर रखते हुए ही, सत्य निष्ठा और ईमानदारी से काम करते हुए मैंने अपने दोनों बेटों को उच्च शिक्षा दिलाने कार्य किया है और मुझे खुशी है कि आज मेरे दोनों सुपुत्र अपना लक्ष्य हासिल करने में काफी हद तक सफल रहे हैं। मेरा बड़ा सुपुत्र सूरत में एक पैटरो कम्पनी में पट्रो कैमिकल इंजीनियर हैं।

नीरज जांगिड ने अपने संकल्प के बारे में, उल्लेख करते हुए कहा कि, मैंने एम एस सी की परीक्षा के दौरान ही, प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करनी कर दी थी। उन्होंने स्वीकार किया कि और सही मार्गदर्शन के अभाव मे, मैं दिग्भ्रमित होता रहा और आर ए एस की परीक्षा की तरफ पूरा ध्यान केंद्रित नहीं कर पाया। लेकिन सिविल सेवाओं में जाने की प्रेरणा, मुझे तब मिली थी जब विज्ञान संकाय में, सीमलवाड़ा ब्लाक में 82 प्रतिशत के साथ मुझे प्रथम आने पर तत्कालीन उप मण्डल अधिकारी, एस डी एम द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया गया। उस समय मेरे मन में, राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी बनने की अभिलाषा मन में, हिलौरें लेने लगी और मेरे मन में , जो बीज प्रसुप्त अवस्था में ही, हृदय के किसी कोने में पड़ा हुआ था, अब वह प्रस्फुटित होने लगा था और इस बीच कोरोना महामारी का पदार्पण हो गया, लेकिन मेरे उत्साह में कोई भी कमी नहीं आई और वर्ष 2021 राजस्थान प्रशासनिक सेवा की मैंस कि परीक्षा दी, लेकिन अपने इस प्रयास में असफल रहा और तब तक मुझे आभास हो चुका था कि किसी भी परीक्षा में विजयश्री हासिल करने के लिए संकल्प के साथ- साथ दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास होना भी उतना ही जरुरी है। आर ए एस के संकल्प को पूरा करने के लिए ही, मैने अपने मन रुपी रथ के घोड़ों का मुख जयपुर की और मोड़ दिया और 2022 से 2024 तक स्प्रिंगबोर्ड अकादमी,से कोचिंग ग्रहण करते हुए राजस्थान सिविल सर्विसेज की वर्ष 2023 की परीक्षा दी और ईश्वर की अनुकम्पा से इसमें सफलता हासिल हुई। नीरज जांगिड ने बताया कि इस परीक्षा में सफलता हासिल होने से, एक प्रकार का आत्मविश्वास पैदा हुआ और मुझे अहसास हुआ कि व्यक्ति जीवन पर्यन्त सीखता ही रहता है और इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही आर ए एस भर्ती 2024 का भी मैंस क्वालीफाई किया हुआ है और इसी उम्मीद के साथ ही आगे बढ़ रहा हूं कि अपनी कमियों को दूर करते हुए वांछित रैंक कैसे हासिल किया जा सकता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, नीरज जांगिड का राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर बधाई देते हुए कहा कि, हिम्मत और साहस रखने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।अपने जीवन में निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर रहना उसकी सकारात्मक सोच और दृष्टिकोण का ही परिणाम है। मुझे उम्मीद है कि वह अपने उच्च निर्धारित लक्ष्य को हासिल करते हुए ,न केवल अपने माता-पिता के साथ साथ देश को भी नाम गौरवान्वित करेंगे और अपने उच्च लक्ष्य को हासिल करने के लिए सदैव ही तत्पर रहेंगे। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक, नरेश शर्मा।

अर्पित जांगिड को, भारत के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया

जीवन में शिक्षा एक ऐसा हथियार है, जिस पर एक युवा के भविष्य की आधारशिला रखी हुई है और जो युवा अपने जीवन में दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास , सकारात्मक दृष्टिकोण तथा संकल्प के साथ आगे बढ़ता है उसको जीवन में मनवांछित सफलता हासिल करने से कोई भी नहीं रोक सकता है और यह अपने विवेक और बुद्धिमता के बल पर चरितार्थ करके दिखलाया है अर्पित जांगिड ने, जो, सुनील कुमार निशल व माता श्रीमती रेखा जांगिड के घर पैदा हुए और उनको संस्कारवान बनाने में माता पिता के साथ साथ उनके दादा, शिक्षा के प्रति समर्पित और विनम्रता के संवाहक, विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक और महासभा के उपप्रधान देवी शंकर जांगिड ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अर्पित जांगिड को दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया

देवी शंकर जांगिड ने बताया कि अर्पित बचपन से ही मेधावी छात्र रहा है और उनकी प्रारम्भिक शिक्षा डी ए वी स्कूल रोहतक में हुई और वह हमेशा ही अपनी कक्षा में अव्वल रहा है और उसने अपनी प्रतिभा के बल पर ही 10+2 की परीक्षा में 97.60 अंक लेकर अपनी योग्यता का परिचय दिया। अर्पित ने बचपन से ही इंजीनियर बनने का सपना संजोया था और उन्होंने अपनी इस परिकल्पना को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र से वर्ष 2025 में सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री 9.56 सी जी पी ए, ग्रेडिंग लेकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

अर्पित के पिता सुनील कुमार जांगिड ने बताया कि कुरुक्षेत्र के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 30 नवम्बर 2025 को आयोजित एक दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने अर्पित जांगिड को गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, हरियाणा के राज्यपाल आशिम घोष और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी भी शामिल हैं। यह स्वर्ण पदक अर्पित के सतत प्रयास और पुरुषार्थ का ही सार्थक परिणाम है और अर्पित जांगिड ने न केवल अभिभावकों का अपितु जांगिड समाज का भी गौरव बढ़ाया है और इसके साथ ही उनकी प्लेसमेंट भी Emmar India की एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की बहुराष्ट्रीय कंपनी में हो गई है और भविष्य में वह भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी भी साथ-साथ ही शुरू की हुई है ताकि वह यह प्रतिष्ठित परीक्षा पास करके समाज और देश की सेवा कर सके।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अर्पित जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि उसने अपने विवेक और बुद्धिमता के बल पर सिविल इंजीनियरिंग की परीक्षा में स्वर्ण पदक हासिल करके अपनी योग्यता का परिचय दिया है और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से जीवन में आने वाली परिस्थितियों का सामना करते हुए माता-पिता का नाम गौरवान्वित करेगी।

मैं अर्पित जांगिड के सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक,राम भगत शर्मा

जींद की नेहा जांगिड ने राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल हासिल किया।

जीवन में कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में कोई विशेष उपलब्धि हासिल करता है तो, यह सब उसके जज्बे और खेल भावना को ही परिलक्षित करता है और अपने जज्बे और हौसले से यह सिद्ध करके दिखलाया है जींद की रहने वाली नेहा जांगिड ने, जिन्होंने 26 नवम्बर से 30 नवम्बर तक भोपाल में आयोजित 8वीं राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल करके, न केवल अपने माता-पिता, समाज और हरियाणा प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है।

नेहा जांगिड ने राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया

नेहा जांगिड का जन्म एक साधारण परिवार में, पिता मदनलाल जांगिड के घर हुआ इनके पिता की हार्डवेयर और भवन निर्माण सामग्री की दुकान है और माता श्रीमती सुमन देवी जांगिड एक सुघड़ ग्रहणी है और धार्मिक विचारों से ओतप्रोत है। **नेहा जांगिड का जन्म 5 मार्च 2002 को जीन्द में हुआ और उनकी प्रारम्भिक शिक्षा नवदूर्गा पब्लिक स्कूल जीन्द में हुई तथा, उसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ का रुख किया और अंग्रेजी में स्नातकोत्तर की परीक्षा पास की और इस दौरान उनके भीतर छुपी हुई खेल प्रतिभा हिलौरें लेने लगी** और उन्होंने तीन साल पहले ही नौकायन प्रतियोगिता में अपनी प्रैक्टिस करनी शुरु कर दी और उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने आल इंडिया विश्वविद्यालय चैंपियनशिप टूर्नामेंट में पहली बार कांस्य पदक हासिल किया जो 1 मार्च 2023 से 7 मार्च 2023 में सुखना लेक चंडीगढ़ में आयोजित की गई थी और उसके बाद खेलों इंडिया प्रतियोगिता में में भी जो कि 28 अप्रैल से 2 भी तक गोरखपुर उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई थी और उस नौकायन प्रतिस्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल करके माता-पिता का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में देश से लगभग 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

नेहा जांगिड ने बताया कि अभी हाल ही में 26 से 30 नवम्बर तक भोपाल में हुई राष्ट्रीय चेलेंजर प्रतियोगिता में भी रजत पदक हासिल किया है। उन्होंने उन्मुक्त भाव से कहा कि मेरे माता-पिता ने, मुझे बहुत ही प्रोत्साहित किया और हमेशा ही आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया और कहा कि हमें अपनी बेटी पर गर्व है,जिसने खेलों में अपना भाग्य आजमाते हुए कांस्य और रजत पदक हासिल किया है। **उसके माता-पिता ने कहा कि हमें भरोसा है कि नेहा जांगिड भविष्य में, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्व नौकायन चैंपियनशिप और एशियन प्रतियोगिता चैम्पियनशिप में विजय श्री हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित करेगी।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, नेहा जांगिड को 8वीं राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल करने पर बधाई देते हुए कहा कि, यह उसकी उत्कंठ जिजीविषा और आत्मविश्वास का ही प्रतिफल है कि उसने तीन साल में अपनी पढ़ाई के साथ-साथ ही, नौकायन प्रतिस्पर्धा की तैयारी करते हुए कांस्य और रजत पदक हासिल किए हैं और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेगी।

मैं उसके उज्ज्वल और मंगलमय भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

नीमच के आयुष शर्मा ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में शानदार जीत हासिल करके, रजत पदक जीत कर, रचा इतिहास

जीवन में सफलता हासिल करने का, केवल मात्र एक ही रास्ता है और वह है, लक्ष्य को निर्धारित करते हुए, अथक परिश्रम, पुरुषार्थ तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना और इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, नीमच के आयुष शर्मा ने बायथले - ट्रायथले वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल करके माता-पिता और समाज का नाम गौरवान्वित किया है। नीमच में स्वर्गीय कैलाशचन्द्र जी शर्मा के सुपौत्र एवं श्री सुनील जी शर्मा एवं श्रीमती पूनम शर्मा जी के सुपुत्र आयुष शर्मा को परिवार का भी पूर्ण सहयोग मिला और यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष शर्मा ने लक्ष्य को हासिल करने के लिए धैर्य अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत का परचम लहरा कर, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत और समाज का नाम रोशन किया है।

नीमच के आयुष शर्मा ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया

उनके पिता सुनील शर्मा ने कहा कि, यह सौभाग्य की बात है कि इतनी छोटी उम्र में ही आयुष शर्मा ने 8 दिसम्बर से 13 दिसंबर तक यू आई पी एम , लेज़र रन , दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित (बायथले-ट्रायथले) वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपनी असीम खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर भारत के खाते में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने कहा कि होनहार प्रतिभा के धनी खिलाड़ी, आयुष शर्मा ने ,यह असाधारण सफलता एक ऐसे चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी खेल में हासिल की है, जिसमें तैराकी, रनिंग और शूटिंग जैसी तीनों विधाओं में समान दक्षता, योग्यता और मानसिक संतुलन, एकाग्रता और सर्वाधिक अनुशासन की आवश्यकता होती है और यह एक बहुआयामी प्रतिभा का धनी ही कर सकता है और आयुष ने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी समान प्राथमिकता देते हुए, यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी निसंदेह रुप से सफलता हासिल की जा सकती है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, आयुष शर्मा की इस अद्वितीय और गौरवशाली उपलब्धि और सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए उत्कट जिजीविषा के साथ-साथ समर्पण और दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति भी परमावश्यक है और आयुष शर्मा उन खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं, जो छोटी आयु में बड़े-बड़े सपने देखते हैं और फिर उन सपनों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से जी तोड़ मेहनत और पुरुषार्थ करते हैं और उनकी यह उपलब्धि नीमच और मध्य प्रदेश की आने- वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनेगी।

इसके साथ ही आयुष शर्मा की शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देने वालों में, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार शर्मा, नीमच , महासभा के उच्चस्तरीय समिति के सदस्य सुरेश शर्मा, उपप्रधान नंदकिशोर शर्मा एवं राकेश शर्मा शामिल हैं। जिन्होंने आयुष शर्मा के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनन्त शुभकामनाएं दी है।

प्रवीण कुमार शर्मा ,नीमच मध्य प्रदेश।

विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार ने भगवान श्रीराम की एशिया की सबसे ऊंची प्रतिमा बना कर एक और कीर्तिमान स्थापित किया है

असीम प्रतिभा के धनी, पुरुषार्थ, समर्पण और अगाध निष्ठा के द्योतक, अपनी अद्भुत मूर्ति कला के माध्यम से जीवंत और सजीव संवेदनाओं के अमर चितेरे, विश्व में अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाने वाले और गुजरात में राष्ट्र नायक लोहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर यानी 597 फीट ऊंची, विश्व में सबसे ऊंची प्रतिमा बनाने वाले, मूर्तिकला के अमर चितेरे राम वंजी सुतार की ख्याति न केवल देश में अपितु विश्व में फैली हुई है और उनकी मूर्तिकला के क्षेत्र में 100 वर्ष पूरा होने के बाद भी आज भी उनकी यह यात्रा अनवरत रूप से निरन्तर जारी है। उनका मानना है कि वास्तविक मूर्तिकला एक बड़ी ही जटिल प्रक्रिया है और जब तक मूर्तियों में भावनाएं जीवन्त रूप से सजीव और परिलक्षित नहीं होंगी तब तक वह आकर्षण का केंद्र नहीं बन सकती हैं।

राम वी सुतार ने कहा कि भगवान ने यह शरीर काम करने के लिए ही दिया है आराम करने के लिए नहीं और जब तक यह शरीर है अपने आप को काम में व्यस्त रखना चाहिए। उन्होंने कहा की इसके साथ ही मूर्तिकला और इतिहास का भी समुचित ज्ञान होना चाहिए तभी चित्रकला में और मूर्तिकला में जीवंतता आती है और इसके साथ ही धैर्यवान और दर्द संकल्पित भी होना चाहिए तभी उसको अपने उद्देश्यों में आशातीत सफलता मिलती है। मूर्तिकला की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए ही ,**उन्होंने एशिया में एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है तथा मूर्तिकला के क्षेत्र में भगवान श्रीराम की 70 फीट ऊंची प्रतिमा बनाकर एक और नया स्वर्णिम इतिहास लिखा है। इस नए इतिहास के पीछे देश के ही नहीं अपितु विदेशों में बसे करोड़ों भारतीयों की आस्था और विश्वास भी जुड़ा हुआ है और इस आस्था और विश्वास को , एक नया आयाम उस समय मिला, जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, 28 नवम्बर शुक्रवार को गोवा में भगवान श्रीराम की एशिया में सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण** करके विश्व को, एक संदेश दिया है कि भगवान श्रीराम भारतीयों की आस्था और विश्वास के अटल प्रतीक हैं।

गोवा में 28 नवंबर को, गोवा के दक्षिणी हिस्से काणकोण के पर्तगाली में , भगवान श्रीराम की 70 फीट ऊंची कांस्य की प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। यह प्रतिमा श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ की 550 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में स्थापित की गई है। गोवा सरकार के अनुसार यह एशिया की सबसे ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा है और यह भारत में हो रहे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक अनूठा और अनमोल प्रतीक है और इससे न केवल वर्तमान पीढ़ी, अपितु इस पुनर्जागरण के परिणामस्वरूप ही, आने वाली पीढ़ियों को भी, चाहे वह देश में रहें या विदेशों में अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने की सदैव ही प्रेरणा देता रहेगा।

राम वंजी सुतार के सुपुत्र आर्किटेक्ट ,अनिल सुतार ने बताया कि भगवान श्रीराम की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर मुझे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने सौभाग्य प्राप्त हुआ और **उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जीवन में इससे सुखद कोई अनुभव नहीं हो सकता है कि, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के साथ ही पिता राम वंजी सुतार का नाम भी स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और आज यह एक विश्व विख्यात धरोहर बन गई है। एशिया में यह भगवान श्रीराम की सबसे ऊंची प्रतिमा है और हमारे लिए इससे बड़ा उत्सव का अवसर नहीं हो सकता है कि महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव गोंदूर , जिला धुलिया से निकलकर अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर पिता जी ने, विश्व में नाम अर्जित किया है और यह सौभाग्य सिर्फ उसी को मिलता है, जिस पर भगवान श्रीराम की विशद अनुकम्पा और उनका आशीर्वाद हो।**

विश्व विख्यात मूर्तिकार राम वी सुथार ने कहा कि हालांकि मैं , **भगवान राम की इस भव्य और 70 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर किन्हीं अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इसका साक्षी नहीं बन सका था, लेकिन इस प्रतिमा**

के बनाने में, मुझे जो सुखद आनन्द की अनुभूति हुई, उसका शब्दों में उल्लेख नहीं किया जा सकता है। मेरी भगवान श्रीराम के प्रति अगाध आस्था है और उनकी प्रेरणा से ही, यह भव्य और दिव्य प्रतिमा एशिया में सबसे बड़ी प्रतिमा बन पाई है और इसको बनाते समय, मेरी भगवान श्रीराम के साथ एकाग्रता और तादात्म्य हमेशा ही बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह कला कौशल भगवान के आशीर्वाद का ही प्रतिफल है। उन्होंने याद दिलाया कि कुरुक्षेत्र में भी ब्रह्म सरोवर के किनारे अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए ,भगवान श्री कृष्ण की 60 फीट ऊंची और 35 फीट चौड़ी प्रतिमा बनाते समय भी मुझे ऐसी ही अनुभूति का अहसास हुआ था और **इसके साथ ही ज्योतिसर में भी भगवान श्री कृष्ण के विराट रूप वाली 50 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण किया जाएगा।** उन्होंने कहा कि भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी उन्होंने, अनेक महान विभूतियों की प्रतिमाओं का निर्माण किया है , जिससे भारत की सांस्कृतिक विरासत और धरोहर की गूंज विदेशों में भी सुनाई दी है। आज की युवा पीढ़ी को देश की युवा पीढ़ी को परिचय करवाने के उद्देश्य से यह एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मूर्तिकला कौशल की गूंज आज देश की सीमाओं को लांघकर विदेशी धरा पर भी सुनाई दे रही है और इतना ही नही इस कला का जादू विश्व के 15 देशों में भी बिखेरा गया है। भगवान श्री राम और श्री कृष्ण जी अनुकम्पा का ही परिणाम है कि100 वर्ष की आयु होने के बाद भी उनकी मूर्ति कला की गूंज सुनाई दे रही है।

28 नवंबर को विश्व विख्यात मूर्तिकार, राम सुतार द्वारा गोवा में स्थापित की गई,

भगवान श्री राम की प्रतिमा का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया।

राम सुतार ने कहा कि मुम्बई के दादर में भी 350 फीट ऊंचा डॉ भीमराव अंबेडकर का स्टैचू निर्मित किया जा रहा है और अब तक देश विदेश में 1000 से अधिक स्टैचू और मेजर मॉन्यूमेंट्स और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ़ यूनिटी सहित अनेक प्रतिमा बनाई गई हैं। इतना ही नहीं हैदराबाद में भी 125 फीट डॉ अंबेडकर का एक स्टैचू बनाया जा रहा है और बेंगलुरु, कर्नाटक में भी 108 फीट का कैंपागोडा स्टैचू बनाया गया है। इसी प्रकार से जोरहाट आसाम में भी 125 फुट लचित बोर फुकन का एक स्टेचू बनाया गया है और इसी प्रकार से पुणे में भी एक 140 फीट ऊंचा संभाजी का स्टेचू बनाया गया है।

राम वी सुतारने कहा कि **इसी प्रकार से बरेली उत्तर प्रदेश में भी 51 फीट ऊंचा भगवान श्री राम का स्टेचू तैयार किया गया है** और इतना ही नहीं इसी प्रकार से उत्तर प्रदेश महू में भी शिवाजी की 51 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई है तथा लखनऊ में भी 65 फीट ऊंची पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा बनाई गई है और इसी प्रकार से महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग महाराष्ट्र में राजकोट फोर्ट में शिवाजी महाराज की 92 फुट की प्रतिमा बनाई गई है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने समाज के इस विश्व विख्यात मूर्तिकार,पदमश्री,पदम विभूषण से सम्मानित, राम वंजी सुतार ने अपनी असीम प्रतिभा और दक्षता के आधार पर अपनी कला के माध्यम से विश्व में अपनी मूर्तिकला कला के क्षेत्र में, भारत का डंका बजाने वाले अपनी अमिट छाप छोड़ी है। भगवान श्री राम का आशीर्वाद उन पर सदैव ही बना रहे ताकि वह भविष्य में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया अध्याय लिख सकें। मैं उनकी दीर्घायु की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक राम भगत शर्मा

जसा राम सुथार गोवा प्रदेश सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के अन्तर्गत आने वाले, गोवा प्रदेश सभा के अध्यक्ष का चुनाव सौहार्द और सद्भाव पूर्ण वातावरण में 25 नवम्बर को बड़े ही शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न हुआ और इस चुनाव प्रक्रिया में पणजी गोआ के जसाराम सुथार को निर्विरोध रुप से गोवा प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया। समाज के सभी लोगों ने आपस में मिलकर सर्वसम्मति से, जसाराम सुथार को, गोवा प्रदेश अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नांमाकन भरा गया था और चुनाव अधिकारियों प्रहलाद राय शर्मा और प्रहलाद शर्मा ने एक ही नांमाकन आने के कारण उनको निर्विरोध रुप से निर्वाचित अध्यक्ष घोषित कर दिया और दोनों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई और उसके सफल कार्यकाल की मंगल कामना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना की है।

गोवा प्रदेश सभा के महामंत्री जोगा राम जांगिड (धीर) ने बताया कि 25 नवंबर को हुए, वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव, निर्विरोध रुप से सम्पन्न करवाने में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भंवरलाल सुथार, साउथ गोवा जिला अध्यक्ष देवाराम जांगिड, वरिष्ठ मंत्री मंगलाराम, सलाहकार मंत्री रेखाराम, प्रदेश संगठन मंत्री तिलाराम, प्रदेश मंत्री बालाराम, महेश जांगिड, प्रदेश महामंत्री जोगाराम जांगिड, प्रदेश मंत्री जेठाराम, भूरचंद गोविंद सुथार, श्यामलाल सुथार, किशनलाल, मूलाराम, दलपत कुमार, प्रभूराम, राजूराम, हरिकिशन, हरचन्दराम, दिनेश कुमार व गणमान्य व्यक्तियों ने आपसी सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और सभी की आपसी सहमति के बाद ही, किसी भी उम्मीदवार ने प्रदेश अध्यक्ष के लिए फ़ार्म नहीं भरा था, इसलिए जसाराम सुथार को, निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष, भामाशाह और विनम्रता और सौम्यता के द्योतक अध्यक्ष जसाराम में , समाज सेवा कूट-कूट कर भरी हुई है और इससे भी पहले भी वह, गोवा प्रदेश सभा में प्रदेश सचिव के पद पर कार्यरत रहे हैं। वह सन् 1992 में अपनी जन्मभूमि राजस्थान को छोड़ कर गोवा आ गए और इसको अपनी कर्मभूमि बनाया और कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर गोवा में इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में अपना नाम कमाया है और आज वह किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

प्रदेश अध्यक्ष, जसा राम सुथार ने बताया कि वह राजस्थान से शेरगढ तहसील के देवातू गांव से सन् 1992 में काम की तलाश में गोवा में आए थे और यहां के लोगों के प्यार और व्यवहार तथा स्वभाव को देखकर ही मैंने, गोवा में फर्नीचर के काम से शुरूवात की और परमात्मा की अनुकम्पा और आशीर्वाद से ईमानदारी से काम करते हुए , आज इंटीरियर के क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। **इस क्षेत्र में काम करते हुए जो अनुभव और दक्षता हासिल की है उसी के आधार पर ही गोवा राज भवन व विधानसभा सभा भवन का इन्टिरियर डिजाइन का काम करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है।**

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा भवन के इंटीरियर डिजाइन के फलस्वरूप ही मुझे भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति वैंकैया नायडू के द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। इतना ही नहीं अभी भी वह , गोवा सरकार का इन्टिरियर व फर्नीचर का कार्य कर रहा हूं। **उन्होंने भरोसा दिलाया कि, समाज ने, जिस आशा और विश्वास के साथ उनको अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है, उन सभी के विश्वास पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने , निर्विरोध रुप से **निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष जसाराम सुथार को, बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि गोवा समाज के लोगों ने आपको जो दायित्व और जिम्मेदारी सौंपी है, उसका भलीभांति निर्वहन करते हुए , समाज के लोगों की भावनाओं पर हमेशा ही खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।**

मैं आपके सफल और स्वर्णिम और मंगलमय कार्यकाल की मनस्कामना करता हूँ और मुझे विश्वास है कि आप समाज की भावनाओं से अभिप्रेरित होकर, समाज को हमेशा ही एकसाथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे।

महामंत्री प्रदेश सभा गोवा, जोगा राम जांगिड

रामकिशोर जांगिड तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बने

जो व्यक्ति जीवन में अथक साधना ,मेहनत ,परिश्रम और उत्कट जिजीविषा के साथ काम करता है तो वह अपने संकल्प से सिद्धि अवश्य ही हासिल कर लेता है और यह भलीभांति सिद्ध करके दिखलाया 29 नवम्बर को, निर्विरोध रुप से तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर जांगिड ने । नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर जांगिड के जीवन की यात्रा बड़ी ही प्रेरणादायक यात्रा की कहानी है निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर जांगिड ने अपने जीवन की शुरुआत एक श्रमिक के रूप में शुरू की और गरीबी में कई बार आर्थिक कठिनाइयों और पैसे के अभाव से भी झूझना पड़ा, लेकिन कठिन परिश्रम और मेहनत के बल पर ही उन्होंने इन कठिनाईयों को मात देते हुए अपने संकल्प और निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़े और अपने व्यापार को ईटली, इंडोनेशिया तक पहुंचाने का काम किया है और इस भामाशाह ने समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया है।

तमिलनाडु के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को 29 नवम्बर को प्रमाण पत्र सौंपते हुए चुनाव अधिकारी

तमिलनाडु प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया 29 नवम्बर को शुरू हुई और तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न करवाने का दायित्व चुनाव अधिकारी, बैंगलुरू से मनमोहन शर्मा और राजेंद्र कुमार जांगिड को सौंपा गया था और इन दोनों चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में,चेन्नई के भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में नामांकन भरने की प्रक्रिया 29 नवम्बर को शुरू हुई और चुनाव के दौरान केवल एक ही, नांमाकन पत्र रामकिशोर आसलिया का प्राप्त हुआ और समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, वह निर्विरोध रुप से सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए और इस प्रक्रिया में सहयोग करने वालो में, विश्वकर्मा मंदिर समिति के अध्यक्ष कन्हैया लाल मांकड़, सचिव महेन्द्र बूडल, कोषाध्यक्ष हीरालाल जोहड़, श्याम लदोया, ओम प्रकाश असलिया, ललित कुमार शर्मा, हमीराराम कुलरिया, गौतम जोहड़, दिलीप इंद्राणिया और गणपत लदोया शामिल थे।

रामकिशोर जांगिड का प्रेरणादायक सफर राजस्थान के एक छोटे से गांव जारोदा खुर्द जिला नागौर से शुरू हुआ जहां इनका जन्म पिता चम्पालाल जांगिड और माता श्रीमती भंवरी देवी जांगिड की कोख से हुआ। इनके पिता चम्पालाल जांगिड,भारतीय रेलवे में कार्यरत थे और इनके दादा और परदादा पुश्तैनी कार्य करते थे और उसके जीवन के संघर्ष की शुरुआत एक वर्कर के रूप में हुई और इस ऐतिहासिक सफर में, उनके जीवन में अनेक उतार चढ़ाव आए, लेकिन वह कभी भी विचलित नहीं हुए और केवल और केवल भगवान पर भरोसा रखते हुए, जीवन में सफलता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया और रामकिशोर जांगिड ने कहा कि **मुझे यह कहने में कोई भी गुरेज नहीं है कि माता-पिता का आशीर्वाद और भगवान की अनुकम्पा मुझे यहां तमिलनाडु की पावन धरा पर खींच लाई और इसे मैंने अपनी कर्मभूमि बनाया और बिना रुके और बिना थके ही आगे बढ़ने का संकल्प लिया और मुझे खुशी है कि आज परमात्मा की अनुकम्पा से समाज की सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है और इस समाज ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब वह समाज को लौटाने की बारी है और मुझे विश्वास है कि हम सभी मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे।**

अपने जीवन की चेन्नई की कर्म भूमि पर प्रेरणादायक यात्रा की शुरुआत का उल्लेख करते हुए ,**एकोर इंफ्रा प्रोजक्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक और सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति, रामकिशोर जांगिड ने कहा कि उनको, सन 1990 में राजस्थान के एक छोटे से गांव से निकल कर एक स्व-निर्मित उद्यमी के रूप में, भारत की एक प्रतिष्ठित टर्नकी इंटीरियर और सोर्सिंग कंपनी का नेतृत्व करने तक की उल्लेखनीय यात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।** और यह उपलब्धि पारिवारिक विरासत के कारण ही संभव हुई है, क्योंकि ग्रेट ग्रांडफादर एमआर. गुणेशराम जांगिड, एक मास्टर कारीगर थे, जिन्होंने जोधपुर किला और शाही महलों के ऐतिहासिक इंटीरियर और आर्किटेक्चरल कामों को करके ख्याति अर्जित की थी और इसी क्रम को ,उनके दादा,एमआर. राम जीवन जांगिड ने आगे बढ़ाते हुए परिवार की इस कलात्मक परंपरा को अनवरत रूप से जारी रखा, महल के अंदरूनी हिस्सों और हेरिटेज प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए,पारंपरिक डिज़ाइन में महारत हासिल की। लेकिन उनके पिता

एमआर. चंपालाल जांगिड भारतीय रेलवे में कार्यरत थे,उन्होंने ही मुझे अनुशासन का महत्व सिखलाया और ईमानदारी से मेहनत करने की शिक्षा और प्रेरणा प्रदान की।

तमिलनाडु आने के पश्चात् उनके संघर्ष की शुरुआत हुई और **उन्होंने सबसे पहले मेड़ता सिटी में एक ट्रक बॉडी शॉप में एक वर्कर का काम करना शुरू किया और वहीं से उनके जीवन के संघर्ष की शुरूआत हुई, जहां पर उन्होंने लकड़ी का काम, बढ़ईगीरी, मेटल फैब्रिकेशन और स्ट्रक्चरल फिनिशिंग का बेसिक ज्ञान हासिल किया** और उनके समर्पण भाव ने, उन्हें एक वर्कर से, एक भरोसेमंद,पारंगत बढ़ई बनने में मदद की और पैसे के अभाव के बावजूद हर दिन नया सीखने की ललक बनी रही, क्योंकि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती है। **रामकिशोर जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि चेन्नई की यात्रा उनके जीवन में एक टर्निंग पॉइंट सिद्ध हुआ। शुरुआती काम का अनुभव लेने के बाद, वह बड़े अवसर की तलाश में पहले मुंबई चले गए। लेकिन वह सन् 1990 में चेन्नई आ गए, लेकिन तमिल भाषा की जटिलता और पैसे की कमी ,जैसी चुनौतियों ने उसको झकझोर दिया, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी** और कठिन पुरुषार्थ और सतत् कड़ी मेहनत से उन्होंने चेन्नई इंटीरियर इंडस्ट्री में अपनी एक विशेष पहचान बनाई और निरन्तर आगे बढता रहा।

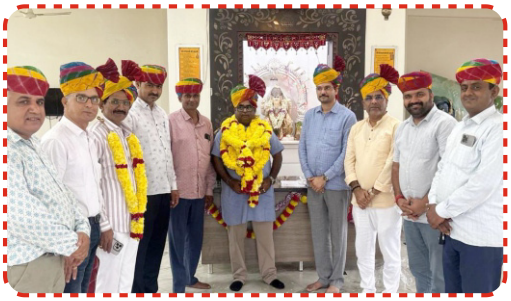

उन्होंने **सन् 2000 में एकोर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की, जिसकी शुरुआत एक इंटीरियर कॉन्ट्रैक्टिंग फर्म हुई और चेन्नई में अपनी खाख और विशेष पहचान बनाई और लोगों का विश्वास अर्जित किया और वैश्विक सोर्सिंग में विस्तार, भरोसेमंद इंटरनेशनल पार्टनरशिप बनाई, जिससे ब्रांड की पहुंच और क्रेडिबिलिटी बढ़ी और चीन, इंडोनेशिया, टर्की और ईटली तक, फर्नीचर, लाइटिंग और सजावट के सामान में अपनी विशेष पहचान बनाई। चेन्नई में उन्होंने सन् 2010 में पहली बार एक फर्नीचर शोरूम खोला और इसमें एक कम्प्लीट डिज़ाइन और विश्वभर के बेहतरीन उत्पाद प्रदर्शित किए गए और सन् 2018 में, बिल्ड कंपनी बनाई गई कंपनी एक टर्नकी इंटीरियर सॉल्यूशन प्रोवाइडर बन गई** जिसने वास्तुकला और आंतरिक डिजाइन से लेकर एमईपी सेवाए, मॉड्यूलर सहित सभी समाधान देने के लिए जाना जाने लगा और **उसके बाद दक्षिण भारत में इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए , हैदराबाद में एक नई ब्रांच खोली गई है और इसके साथ ही नए शहरों और नए वर्टिकल में इसका विस्तार जारी है।**

आध्यात्मिक और समाज सेवा में योगदान का उल्लेख करते हुए, रामकिशोर जांगिड ने कहा कि उन्होंने चेन्नई में, श्री विश्वकर्मा मंदिर बनाने में अहम भूमिका निभाई, और आज यह मंदिर एक आस्था और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। न्यू टेंपल प्रोजेक्ट - नोखा चांदावता, नागौर इसके साथ ही **अभी रामकिशोर आसलिया अपने इलाके में एक नए मंदिर के निर्माण कार्य देखने के साथ ही उसमें यथा संभव योगदान भी दे रहे हैं, जो, उनकी जड़ों, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति आस्था का द्योतक है।** इन मन्दिरों के माध्यम से समाज को जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। जुनून और दृढ़ता से भरा जीवन राम किशोर जांगिड की कहानी हमें हमेशा याद दिलाती है कि सही मूल्यों, सोच और कोशिश से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, निर्विरोध रुप से निर्वाचित तमिलनाडु सभा के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर रामकिशोर जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि, उन्होंने 2000 किलोमीटर दूर तमिलनाडु में आकर, समाज का परचम लहराया है। मुझे विश्वास है कि नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश में समाज की एकता और अखंडता को बनाए रखते हुए, **इस समाज को एकता के सूत्र में बांधते हुए और लोगों की जनभावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए, महासभा के निर्विरोध निर्वाचित होने की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर हमेशा ही खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।**

मैं उनके सफल कार्यकाल की मनस्कामना करता हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

सियाराम जांगिड दोबारा तेलंगाना प्रदेश सभा के निर्विरोध अध्यक्ष बने।

विनम्रता की प्रतिमूर्ति, सरल स्वभाव और उदार प्रवृत्ति के धनी, सियाराम जांगिड , दूसरी बार तेलंगाना प्रदेश सभा के निर्विरोध रुप से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया अपने निर्धारित समय पर 29 नवम्बर 2025 को श्री विश्वकर्मा जांगिड-सुथार भवन, सुचित्रा लक्ष्मीगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना में शुरू हुई थी और इस चुनाव प्रक्रिया के दौरान केवल मात्र एक ही नामांकन पत्र सिया राम जांगिड का ही प्राप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि सिया राम जांगिड पहले भी, तेलंगाना प्रदेश सभा के अध्यक्ष रहे हैं। लेकिन दिसम्बर 2024 में, महासभा के प्रधान का, चुनाव लड़ने के लिए, उन्होंने तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष के पद से अपना त्यागपत्र दे दिया था। महासभा प्रधान के दिसम्बर 2024 में हुए चुनाव में, उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा के पक्ष में ,अपना नामांकन पत्र वापस लेकर रामपाल शर्मा के लिए,निर्विरोध रुप से प्रधान बनने का रास्ता प्रशस्त किया था और 8 दिसम्बर 2024 को रामपाल शर्मा निर्विरोध रुप से प्रधान निर्वाचित घोषित किए गए थे।

सियाराम जांगिड तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष बने

चुनाव अधिकारी ने बताया कि 29 नवम्बर को हुई , नामांकन पत्र की जांच के दौरान ,सियाराम जांगिड का नामांकन सही पाए जाने पर, उनको निर्विरोध रुप से प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा के निर्विरोध रुप से प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया को आत्मसात करते हुए ही, समाज के लोगों से आपसी विचार विमर्श करके सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनाने का प्रयास किया गया, क्योंकि निर्विरोध निर्वाचन से समाज में एकता के साथ ही एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। निर्विरोध रुप से निर्वाचित होने पर जहां पर, समाज में आपसी एकता और भाईचारा मजबूत होता है , वहीं समाज में आपसी सद्भाव भी बना रहता है। समाज में आपसी सौहार्द का सही संदेश भी पहुंचता है एवं चुनाव प्रक्रिया न होने के कारण समाज का पैसा एवं समय की बचत होती है।

चुनाव अधिकारी मनोहर लाल शर्मा और शंकर लाल जांगिड ने प्रदेश अध्यक्ष सिया राम जांगिड को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई तथा सियाराम जांगिड के उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की मनस्कामना भी की है और जिन लोगों ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग दिया, उन सभी का भी उन्होने आभार व्यक्त किया।

सियाराम जांगिड ने कहा कि प्रदेश के लोगों ने मुझ पर जो अगाध विश्वास और भरोसा जताया है, मैं प्रदेश के लोगों के विश्वास को कभी भी नहीं टूटने दूंगा और हम सभी मिलकर, एकजुट होकर, समाज के विकास के लिए कार्य करेंगे और पहले के कार्यकाल की तरह ही सभी के साथ मिलकर, समाज उत्थान की योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा और मूर्त रूप दिया जाएगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तिव के धनी, प्रदेश अध्यक्ष, सियाराम जांगिड को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए देते हुए कहा कि, मुझे विश्वास है कि वह तेलंगाना प्रदेश के समाज के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। उनका सद्भाव और विनम्रता ही उनका असली गहना है और यही कारण है कि , प्रदेश के लोगों ने उनको दोबारा, प्रदेश अध्यक्ष का यह दायित्व सौंपा है और मुझे उम्मीद है कि वह जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ही, अपने कर्तव्य का भलीभांति निर्वहन करेंगे।

मैं उनके सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की बधाई और शुभ मंगल कामनाएं देता हूँ।

शंकरलाल माकड़ हैदराबाद

श्री विश्वकर्मा मंन्दिर एवं धर्मशाला प्रबंध संस्था, इन्दौर द्वारा नि:शुल्क विवाह का आयोजन

हमारे वेद शास्त्रों और पुराणों में विवाह को 7 जन्मों का पवित्र रिश्ता माना गया है और यह दो पुण्य आत्माओं का मिलन है। **जीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा महादान माना गया है और इस कन्यादान के लोभ का, संवहरण ऋषि मुनि भी नहीं कर सके और इसका ज्वलंत उदाहरण है, कात्यायन ऋषि, जिन्होंने भगवान शिव से कन्या दान करने का वरदान मांगा था और मां पार्वती ने कात्यायनी देवी के रूप में अवतरित होकर भगवान शिव से विवाह किया था और इसका कन्यादान कात्यायन ऋषि ने किया था।**

इन्दौर में 9 नवम्बर को दो जोड़ो का नि:शुल्क आदर्श विवाह सम्पन्न हुआ

यह उद्गार अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने, इन्दौर में श्री विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला प्रबंध संस्था, पटेल नगर इन्दौर द्वारा 9 नवम्बर को आयोजित , दो जोड़ो का नि:शुल्क आदर्श सामुहिक विवाह के अवसर पर नव दम्पति को सफल जीवन के लिए आशीर्वाद देते हुए व्यक्त किए। इसके साथ ही इस संस्था द्वारा 32 वां अन्नकूट महोत्सव भी हर्षोल्लास पूर्वक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर अतिथियों को काष्ठ की लकड़ी से निर्मित त्रिशुल पर अंकित **ऊं और रुद्राक्ष** की माला धार्मिक प्रतीक चिह्न के रूप में प्रदान की गई।

पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने कहा कि समाज में समरसता और भावात्मक संवाद करना बहुत ही जरूरी है और आपसी संवाद ही वह मूल मंत्र है जो परिवार को जोड़ने के साथ ही , आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। वास्तव में आज के इस भागा-दौड़ी के इस युग में, रिश्ते गौण होते जा रहे हैं और जब तक समाज में आपसी संवाद नहीं होगा तो, गरीब और अमीर के बीच की खाई निरन्तर ही बढ़ती रहेगी। समाज में आपसी सौहार्द और रिश्ते बनाने के लिए संवाद की कमी महसूस जा रही है और इसीलिए आधुनिक युग में गरीब की लड़कियों की शादी करना एक दुष्कर कार्य हो गया है और मैं इस संस्था को और विशेषकर रत्न लाडवा को विशेष रूप से बधाई देता हूँ कि उन्होंने यह पुण्य का कार्य करने का बीड़ा उठाया है और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी अपनी इस मुहिम को इसी प्रकार जारी रखेंगे ताकि समाज के गरीब लड़कियों को जीवन साथी मिल सके और उनके सपनों को मूर्त रूप दिया जा सके।

मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला ने कहा कि , प्रदेश सभा द्वारा इस मामले में बड़ी ही संजीदगी से विचार किया जा रहा है और प्रदेश सभा द्वारा समाज में टूटते रिश्तों को बचाने और आपस में इन मामलों को सुलझाने के लिए एक कमेटी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के युग में रिश्ते मिलने में कठिनाइयां, इसलिए आ रही है क्योंकि, आज का युवा पैकेज के पीछे भाग रहा है और वह अपने बराबर के ही पैकज की अपने जीवन साथी से भी परिकल्पना कर रहा है और इसीलिए आज उनकी विवाह योग्य आयु सीमा निकलती जा रही है। इस पर गम्भीरता से विचार करने की जरूरत है।

मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष माया शर्मा ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के प्रचार प्रसार के कारण ही महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इसलिए महिलाओं को चार दीवारी के भीतर रखने की अवधारणा भी बदल रही है और यही कारण है कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में विवाह होने में परेशानी आ रही है और इस जटिल समस्या का समाधान मिल जुलकर ही निकाला जा सकता है।

प्रदेश सभा के महामंत्री अनिल शर्मा ने कहा कि, यहां पर मन्दिर प्रबंध संस्था द्वारा दो जोड़ो का, नि:शुल्क विवाह करवा कर समाज में, एक सकारात्मक संदेश दिया गया है कि अब समाज आपके पीछे खड़ा हुआ है और भविष्य में भी मध्य प्रदेश सभा द्वारा, मन्दिर संस्था द्वारा किए जा रहे, इस प्रकार के आयोजनों में हर प्रकार की संभव सहायता और सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मध्य प्रदेश प्रभारी रतन लाडवा ने कहा कि आधुनिक भौतिकवादी युग में, रिश्ते धन के लालच के भंवर में फस कर बिखर रहे हैं। गरीब और अमीर के बीच रिश्तों में, निरन्तर खाई बढ़ती जा रही है और जब तक आपस में आपसी संवाद और तालमेल के साथ ही, स्पष्टता और आत्मविश्वास की भावना पैदा नहीं होगी तो रिश्ते में तनाव और चिंता हमेशा ही बनी रहेगी। इस गम्भीर समस्या का समाधान मिलजुल कर ही निकालना होगा।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला एवं मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला

महेश शर्मा बरड़वा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आज के समय में एक परिवार को कैसे, संगठित और एकजुट किया जा सकता है, इस विषय पर आधुनिक युग में बहस होनी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक परिवार में, आपसी प्रेम, प्यार सद्भावना और सद्भाव का वातावरण नहीं होगा तब तक परिवार को एकजुट नहीं किया जा सकता है।

मंदिर अध्यक्ष, रत्न लाडवा ने बताया कि मन्दिर समिति द्वारा,दो नवयुगल जोड़ों को विवाह, गायत्री संस्थान के आचार्य द्वारा गायत्री पद्धति से संपन्न करवाया गया और मंगल गीत,शांतिपाठ, आशीर्वचन से आयोजन को इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इससे पहले अब तक विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला प्रबंध संस्था इस प्रकार के 55 जोड़ो का निःशुल्क विवाह सम्पन्न करवाकर ,उनके लिए सुखी दाम्पत्य जीवन का रास्ता प्रशस्त कर चुकी है। भविष्य में भी इस संस्था द्वारा, इसी प्रकार से समाज हित में सामुहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया जाता रहेगा। इस हवन वेदी के यज्ञमान, श्रीमती संगीता-मनोहर लाडवा सिलिकॉन सीटी इन्दौर द्वारा भगवान को छप्पन भोग अर्पित करने के साथ ही ,आरती और पूजन भी किया गया।

इस विवाह आयोजन को चार चांद लगाने वालों में, इंदौर में भाजपा के प्रोटोकॉल इंचार्ज, घनश्याम काकानी, मधु गोविंद बिल्डर अहमदाबाद के संस्थापक धर्मेंद्र भाई गज्जर, विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष अशोक रोडवाल, श्री राम मंदिर अहिल्या पूरा के अध्यक्ष मनोहर लाल बिछायती, अन्नकूट समिति के अध्यक्ष रामचंद्र लाखा एवं समिति में रमेश पांडेय, केदार बोदलिया, हेमंत बिरानिया, महेश मांकड, अशोक झटावा, कैलाश जोपिंग, नवीन चवेल, महेश चवेल , रविन्द्र शर्मा, चंद्र प्रकाश सांचौरा, त्रिलोक लाडवा, हरीश लाडवा, राजेंद्र वशिष्ठ, जगदीश सांड, चेतन लाडवा, छगनलाल, मगनलाल बूडल, हितेश पांडे, राधेश्याम लदोया, दिनेश कुलरिया, पटेल नगर मंदिर नवयुवक मंडल के आशीष लाखा, विदित बोदलिया, पीयूष बिरानिया, गोपाल कुलरिया, उदयसांचौर, अशोक चवेल, मनीष मांकड़ जगदीश लाख और मातृशक्ति में, संगीता असदेवा, गीत लाखा, जीवनबाला जायलवाल , पुष्पा, शोभा, शीतल बिरानिया, कीर्ति शर्मा, दीक्षा बोदलिया, सपना शर्मा, भावना शर्मा, इन्दौर जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना भाखरोदा और उज्जैन जिला अध्यक्ष श्रीमती अनीता बरड़वा शामिल हैं। मंदिर धर्मशाला प्रबंधन संस्था के अध्यक्ष रतन लाडवा और कार्यकारी अध्यक्ष ललित बिरानिया ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार प्रेषित किया। इस समूची कार्रवाई का, बहुत ही सरल व संतुलित वाणी के साथ संचालन का दायित्व ख्यालीराम शर्मा और चंद्रावतीगंज ने बड़े ही मनोहारी तरीके से निभाया।

श्री विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला के अध्यक्ष रतन लाडवा

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 18/05/1996, Birth time 10:55 PM, Ht-5'1", Birth Place- Village Hassangarh, Rohtak, Haryana. Education Bsc, B.Ed, MSc Chemistry,C.T.E.T.. Teacher by profession in private school Delhi. **Gotra Self**-Kalonia, **Mother**-Baiday, **Grandmother**-Khandelwal, **Maternal Grandmother**- Kagtaan. Contact:- Mr. Parshant - 9728008171.

2. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 06/05/2001, Birth time 07:05 AM, Ht-5'1", Birth Place- Swai Madhopur, Rajasthan, . Education: BA, B.Ed, Computer RSCIT & Accounts (Tally/Busy). **Gotra Self**-Bahrawadiya, Mother-Pachriya, **Grandmother**-Palwad,Godhdiwal, **Maternal** Grandmother-Bukariya. Contact:- Mr. Devendra Kumar Jangid - 9413153268, 9413719477.

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य की सूची

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

श्री भागीरथ मल जांगिड, जयपुर, राज0

श्री मदनलाल शर्मा, रायपुर छ0ग0

श्री पतराम शर्मा, गुरूग्राम, हरियाणा

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग, छत्तीसगढ़

श्री विरदी चन्द शर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री ओमप्रकाश जांगिड, रायपुर छत्तीसगढ़

श्री संतलाल शर्मा, बैंगलुरू, कर्नाटक

श्री जगन नाथ जांगिड, रेवाड़ी, हरियाणा

श्री राजकुमार जांगिड, सीकर, राज0

श्री गोपालदास शर्मा, रायपुर, छ0ग0

श्री विनोद कुमार शर्मा, रायपुर, छ0ग0

श्री राधेश्याम शर्मा, जयपुर, राज0

श्री प्रहलाद राय जांगिड, सीकर, राज0

श्री भोलाराम शर्मा, दुर्ग, छत्तीसगढ़

श्री रमेश शर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री अनुराग नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री ओम प्रकाश जांगिड, वापी वलसाड, गुज0

राजस्थान नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष

सुनील सीदड़
अध्यक्ष जिला सभा झुंझुनू राज.

जबरा राम जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा जालौर राज.

जगदीश प्रसाद जांगिड
अध्यक्ष जिला डीग राज.

राजेन्द्र कुमार जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा जोधपुर राज.

श्रीकिशन जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा ब्यावर, राज.

सिद्धार्थ पालीवाल
अध्यक्ष जिला सभा जैसलमेर राज.

नन्द कुमार जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा सिरोही राज.

सभी नव निर्वाचित जिला अध्यक्षों को महासभा की तरफ से हार्दिक बधाई, साथ ही नव वर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं।

* 119वाँ महासभा स्थापना दिवस *

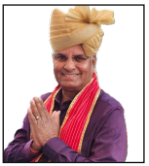

परम् आदरणीय,

समाज बन्धुओं,

जय श्री विश्वकर्मा

हमारे जांगिड ब्राह्मण समाज की "माँ तुल्य" महासभा, समाज का सबसे बड़ा व प्राचीन सामाजिक संगठन है। सभी समस्त समाज बन्धुओं से विनम्र अपील की जाती है कि आगामी 27 दिसंबर 2025 को अपनी सर्वोच्च मातृ संस्था महासभा का **119 वां स्थापना दिवस** है। समाज में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के बारे में जन जागृति पैदा करने की कोशिश करने के साथ ही महासभा के समस्त पूर्व संस्थापकों को नमन, जीवन परिचय एवं महासभा के उद्देश्य एवं उपलब्धियों पर चर्चा, वृक्षारोपण, सामाजिक संगोष्ठी के साथ ही वृद्धजन सम्मान सहित मानव सेवा के कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम व हर्ष उल्लास के साथ स्थापना दिवस आयोजित करे। तथा समाज बंधुओ को ज्यादा से ज्यादा संख्या में महासभा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें।

बंधुओं, महासभा तभी मजबूत होगी जब हमारा समाज मजबूत होगा, सशक्त होगा और उन्नति की राह पर जल्दी से अग्रसर होगा। हमें समाज की अंतिम पंक्ति तक महासभा को पहुंचाने का एक प्रण लेना है और इसके लिए महासभा का स्थापना दिवस एक सर्वोत्तम दिन है।

समस्त सम्माननीय प्रदेशाध्यक्षों, जिलाध्यक्षों, तहसील / ब्लाक / शाखा अध्यक्षों एवं महासभा तथा सामाजिक संथाओं की कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों से विनम्र अनुरोध किया जाता है कि आगामी महासभा का स्थापना दिवस दिनांक 27 दिसम्बर, 2025 को अपनी-अपनी प्रदेशसभाओं/ जिलासभाओं/ तहसील सभाओं/ब्लॉक सभाओं/शाखा सभाओं/ समाजिक संस्थाओं/ विश्वकर्मा मंदिरों / कार्यालयों आदि में हर्षोउल्लास से मनाया जाए एवं आयोजित किए गए कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण व समारोह की चित्रावली महासभा कार्यालय की ईमेल आईडी: jangid.mahasabha@gmail.com पर भिजवाने का श्रम करें। धन्यवाद।

राम पाल जांगिड , प्रधान, महासभा

☆☆☆

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक, डॉ जोगा राम सुथार स्थानांतरण के उपरांत राजस्थान सरकार में, राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के शासन सचिव, एवं पंचायती राज के आयुक्त एवं शासन सचिव बने।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, डॉ जोगा राम को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए कहा है कि, वह भविष्य में भी इस प्रकार से सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए, सरकार के साथ-साथ समाज का नाम भी गौरवान्वित करेंगे।

डॉ जोगा राम सुथार

सम्पादक, राम भगत शर्मा

दीप विश्वकर्मा पत्रिका, जयपुर के संपादक हरिराम जांगिड द्वारा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा को 16 नवम्बर 2025 को 300 वर्ष के लिए, सन् 2000 से 2022 तक का तैयार किया गया कैलेंडर भेंट करते हुए। यह अद्भुत कैलेण्डर ग्रहों की गणना के अनुसार सागरपुर दिल्ली के रामानंद शर्मा के निर्देशन और मार्गदर्शन में तैयार किया गया है।

इस कैलेंडर तैयार करने के लिए महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने रामानंद शर्मा को बधाई दी है।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को, गौकृति के निदेशक भीमराज शर्मा, गाय के गोबर से बने भारतीय जनता पार्टी का चिह्न (लोगो) कमल भेंट करते हुए।

उल्लेखनीय है कि भीम राज शर्मा ने गोबर से कागज बना कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है।

☆☆☆

सम्पादक, राम भगत शर्मा

30 नवम्बर को दिल्ली प्रदेश महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर ,कैमरे में कैद किए गए विहंगम दृश्य

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)
FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : NARMADA TOYOTA
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra
Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 December 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)